संस्थापक : स्व. श्री वीर विक्रम आदित्य

हिन्द जनपथ

स्थापना वर्ष : 2002

पंचकूला
रविवार
9 नवम्बर 2025
वर्ष:-24, अंक:-=136
कुल पृष्ठ:08
मूल्य: एक रुपया

खबरें छापते हैं छुपाते नहीं | दैनिक प्रभात संस्करण हरियाणा, पंजाब, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड एवं उत्तर प्रदेश से एक साथ प्रकाशित। | www.hindjanpath.com

● एक से 19 दिसंबर तक चलेगा संसद का शीतकालीन सत्र

कई मुद्दों पर गरमाएगी सियासत!

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने केंद्र सरकार के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है, जिसके तहत संसद का शीतकालीन सत्र एक दिसंबर 19 दिसंबर तक आयोजित किया जाएगा। हालांकि यह अवधि संसदीय कार्यों की आवश्यकताओं के अनुसार बढ़ाई जा घटाई भी जा सकती है। केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने इस बारे में जानकारी साझा की। किरेन रिजिजू ने एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा,राष्ट्रपति महोदया ने सरकार के प्रस्ताव को स्वीकृति दी है। संसद का शीतकालीन सत्र 1 दिसंबर से 19 दिसंबर तक चलेगा। हम एक रचनात्मक और सार्थक सत्र की उम्मीद करते हैं, जो हमारे लोकतंत्र को मजबूत करेगा और जनता की आकांक्षाओं की पूर्ति करेगा। बिहार विधानसभा चुनाव के बाद यह सत्र होगा।

एसआईआर भी छिड़ सकता है घमासान

उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल, गुजरात समेत 12 राज्यों में मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण को लेकर भी विपक्ष सरकार को घेरने की कोशिश करेगा। पश्चिम बंगाल की ममता बनर्जी की सरकार ने अभी से अपना रुख स्पष्ट कर दिया है। पश्चिम बंगाल में एसआईआर का टीएमसी जबरदस्त विरोध कर रही है।

अविवाहित बेटी पिता से गुजारा-भत्ता नहीं ले सकती

केरल हाईकोर्ट बोला-क्रिश्चियन पर्सनल लॉ भी इसकी इजाजत नहीं देता; ईसाई पिता ने याचिका लगाई थी

तिरुवनंतपुरम (एजेंसी)। केरल हाईकोर्ट ने कहा ईसाई धर्म मानने वाली अविवाहित बेटी अपने पिता से गुजारा-भत्ता लेने का दावा नहीं कर सकती। अदालत ने स्पष्ट किया कि क्रिश्चियन पर्सनल लॉ में इसके लिए कोई प्रावधान नहीं है। जबकि मुस्लिम पर्सनल लॉ और हिंदू दत्तक एवं भरण-पोषण अधिनियम में ऐसा हक मौजूद है। केरल हाईकोर्ट के जस्टिस डॉ. कौसर एडप्पागथ की बेंच ने 29 अक्टूबर की एक याचिका पर सुनवाई की, जिसमें 65 वर्षीय ईसाई व्यक्ति ने फैमिली कोर्ट के उस आदेश को चुनौती दी जिसमें उसे अलग रह रही पत्नी को हर महीने 20,000 रुपए और 27 साल की अविवाहित बेटी को 10,000 रुपए भरण-पोषण देने का निर्देश दिया गया था। याचिकाकर्ता का कहना था कि उसकी बेटी याचिका दायर होने के समय बालिग थी, इसलिए वह भरण-पोषण पाने की हकदार नहीं है। साथ ही उसने कहा कि उसकी पत्नी उसे छोड़कर अलग रहती है और आर्थिक रूप से सक्षम है। हाईकोर्ट ने याचिका को आंशिक मंजूरी देते हुए बेटी को दिए जाने वाले 10,000 रुपए मासिक भरण-पोषण के आदेश को रद्द कर दिया।

बिहार चुनाव के बाद नीतिश को 'किनारे' कर देगी बीजेपी

● मल्लिकार्जुन खरगे का बड़ा दावा, कहा-एनडीए की कोई लहर नहीं

पटना (एजेंसी)। बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के पहले चरण का मतदान संपन्न होने और दूसरे चरण की तैयारी के बीच, कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने एनडीए, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री नीतिश कुमार पर बड़ा हमला बोला है। एक निजी चैनल को दिए खास इंटरव्यू में मल्लिकार्जुन खरगे ने दावा किया कि बीजेपी और जेडीयू का रिश्ता सिर्फ सत्ता के लिए है। चुनाव के बाद नीतिश कुमार को 'किनारे' कर दिया जाएगा।

पहले चरण के मतदान के बाद महागठबंधन की स्थिति पर मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी का यह कहना कि एनडीए की लहर है, यह सिर्फ उनका भ्रम है। उन्होंने दावा किया कि इस बार एनडीए और महागठबंधन में टक्कर कांटे की है। उन्होंने बताया कि कांग्रेस और गठबंधन मजबूती से लड़ रहे हैं, और ग्राउंड रिपोर्ट कहती है कि जनता का अच्छा समर्थन मिल रहा है। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने नीतिश कुमार और बीजेपी के रिश्ते पर सवाल उठाते हुए कहा कि दोनों दलों में दिल से एकजुटता नहीं है, वे केवल सत्ता के लिए साथ हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी पहले नीतिश को बिगड़ा हुआ बच्चा कहते थे और आज उनकी तारीफ कर रहे हैं। बीजेपी और जेडीयू में अंदरूनी मतभेद साफ हैं। चुनाव के बाद बीजेपी नीतिश को किनारे कर देगी, ये तय है। शाह के बयान पर कांग्रेस चीफ ने पलटवार किया।

पीएम ने महिलाओं को सौंपी एनडीए की जीत की 'कमान'

● मां सीता की जन्मभूमि सीतामढ़ी से प्रधानमंत्री मोदी ने चल दिया बड़ा दांव

कहा-महागठबंधन से छुटकारा दिलाना अब 'आधी आबादी' के हाथ में है

सीतामढ़ी (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को मां सीता की जन्मस्थली सीतामढ़ी से महिलाओं के हाथ में एनडीए के जीत की लगाम सौंपते कहा कि महागठबंधन से यहां की जनता को छुटकारा दिलाना आपके हाथ है। कट्टा और दोनाली वालों के राज से बचाएंगे, तभी बिहार का बच्चा रंगदार नहीं बन सकता, डॉक्टर बनेगा, इंजीनियर बनेगा, अदालत में जज बनेगा। पीएम नरेंद्र मोदी ने आज के संबोधन में बिहार के भविष्य के प्रति महिलाओं को सचेत किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज चुनाव के प्रथम चरण में लीड लेने का क्रेडिट आधी आबादी को देते कहा कि बिहार पहले चरण में रिकॉर्ड मतदान के लिए आपका आभारी है। बिहार की बहन-बेटियों ने भरोसा दिलाया कि मां सीता के आशीर्वाद से बिहार विकसित होगा। बिहार की बहनों-बेटियों ने भी एनडीए की रिकॉर्ड विजय पक्की कर दी है। हम आज सीतामढ़ी में जो माहौल देख रहे हैं, वो दिल को छूने वाला है। ये माहौल भी इस बात का संदेश दे रहा है कि नहीं चाहिए कट्टा सरकार, फिर एक बार एनडीए सरकार।

सात शून्य का रिकॉर्ड, एनडीए का प्लान

दरअसल सीतामढ़ी में सीटों की संख्या बढ़ने का स्पेस है। गत चुनाव में एनडीए ने सात विधानसभा सीटों में पांच पर विजय प्राप्त की थी। रीगा विधानसभा से बीजेपी के मोतीलाल प्रसाद बथनाहा से बीजेपी के अनिल कुमार परिहार से बीजेपी की गायत्री देवी, सीतामढ़ी से बीजेपी के मिथिलेश कुमार और सुरसंड से जदयू के दिलीप कुमार ने जीत दर्ज की थी। एनडीए ने दो सीटों को गंवाया था। बाजपट्टी से राजद के मुकेश यादव और बेलसंड से राजद के संजय गुप्ता ने जदयू के उम्मीदवार को हराया था।

धर्म रथ का पहिया भी घुमाया

आधी आबादी के बाद प्रधानमंत्री ने धर्म रथ का पहिया घुमाते हुआ कहा कि 8 नवंबर, 2019 को माता सीता की इस धरती पर आया था। यह वही समय था कि उसके अगले ही दिन मुझे पंजाब में करतारपुर साहिब कॉरिडोर के लोकार्पण के लिए निकलना था। अगले ही दिन सुप्रीम कोर्ट में अयोध्या पर फैसला भी आना था। उस वक्त ही प्रार्थना किया कि सीता मैया फैसला रामलला के पक्ष में आए और ऐसा ही हुआ। आज मां सीता की इस पुण्य भूमि पर आया हूं, आपका आशीर्वाद ले रहा हूं। और कह रहा हूं कि मां सीता के आशीर्वाद से ही बिहार विकसित बिहार बनेगा और ये चुनाव तय करेगा कि आने वाले सालों में बिहार के बच्चों का भविष्य क्या होगा।

जम्मू-कश्मीर के कुपवाड़ा में दो आतंकी कर दिए ढेर

घुसपैठ की कोशिश कर रहे थे, सेना ने मार गिराया

सर्च ऑपरेशन के दौरान सुरक्षाबलों पर फायरिंग की

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के कुपवाड़ा जिले के केरन सेक्टर में शनिवार को सुरक्षाबलों ने दो आतंकियों को मार गिराया। भारतीय सेना को नियंत्रण रेखा (एलओसी) के पार से शुक्रवार को घुसपैठ की खुफिया जानकारी मिली थी। इसके बाद आतंकियों के खिलाफ सर्च ऑपरेशन चलाया था। भारतीय सेना की यूनिट चिनार कॉर्प्स ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर बताया कि सर्च ऑपरेशन के दौरान आतंकवादियों ने अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी। सुरक्षाबलों की जवाबी फायरिंग में दो आतंकी मारे गए।

● **जम्मू-कश्मीर की जेलों में पुलिस का छापा-** कुपवाड़ा में मुठभेड़ के बीच जम्मू-कश्मीर पुलिस की काउंटर इंटेलीजेंस कश्मीर ने शनिवार को घाटी की कई जेलों में छापा मारा। हालांकि, अधिकारियों ने बताया कि तलाशी के दौरान अगर कुछ भी अवैध बरामद होता है, तो कानूनी कार्रवाई की जाएगी। स्थानीय मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, अफसरों ने इसे नियमित जांच बताया।

पूर्णिया में शाह बोले-5 साल में 25 चीनी मिल लगाएंगे

लालू-राहुल मां सीता का मंदिर नहीं बनवाएंगे,उन्हें वोट बैंक खिसकने का डर है

पूर्णिया (एजेंसी)। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने पूर्णिया में कहा, आने में 5 साल में हम बिहार में 25 चीनी मिल लगाएंगे। उसमें से एक पूर्णिया के बनमनखी में लगेगी। हम विकास की बात करते हैं, वो जंगलराज वाले विकास नहीं कर सकते हैं। ये चुनाव दो खेमों में बंटा है। एक ओर बिखरा हुआ महाठगबंधन है। दूसरी ओर पांडव की तरह पूरी मजबूती से एक साथ खड़ा एनडीए है। पहले फेज की वोटिंग में लालू-तेजस्वी का सूपड़ा साफ हो चुका है। 160 से ज्यादा सीटें जीत कर हम नीतिश कुमार के नेतृत्व में सरकार बनाने जा रहे हैं। मैं सीमांचल की धरती से पूछता हूं घुसपैठियों को बाहर करना चाहिए या नहीं। अभी राहुल-तेजस्वी ने घुसपैठिए बचाओ यात्रा निकाली थी। मैं कहना चाहता हूं हम एक-एक घुसपैठिए को बाहर करके रहेंगे। जो घुसपैठियों ने बनाए हैं, उसे हम उखाड़ फेंकेंगे।

जंगलराज को वापस नहीं आने देना है

शाह ने कहा, लालू-राबड़ी ने बिहार में अपहरण, डकैती, फिरौती, लूट और हत्या के उद्योग लगाने का काम किया। जबकि नीतिश जी और मोदी जी की जोड़ी ने बिहार में विकास करने का काम किया। आपको सिंचाई-शिक्षा का विभाग चाहिए या फिरौती का। आरजेडी की सरकार बनी तो अपहरण-लूट-खून मंत्रालय बनेंगे। जंगलराज वालों को वापस मत आने दो। हमें बिहार को जंगलराज से बचाने के लिए वोट देना है। अगर वोट डालने में जरा भी गलती हुई। तीर या कमल छाप से जरा भी इधर-उधर गए तो फिर से जंगलराज आने वाला है।

कपिल शर्मा के कैफे पर फायरिंग करने वाले होंगे डिपोर्ट

● जबरन वसूली-फायरिंग पर सख्त हुई कनाड़ा सरकार, लारेंस गैंग के हैं तीनों आरोपी

चंडीगढ़ (एजेंसी)। कनाडा में मशहूर कमेडियन कपिल शर्मा के कैफे केप्स कैफे पर फायरिंग करने वाले तीन अपराधियों को कनाडा सरकार ने डिपोर्ट करने के आदेश जारी कर दिए हैं। अभी इनकी शिनाख्त नहीं बताई गई है।
विदेशी मीडिया रिपोर्ट के अनुसार यह सभी आरोपी लारेंस बिश्नोई गैंग से संबंधित हैं,जिसे हाल ही में आतंकी संगठन घोषित किया गया है। यह कार्रवाई दा कनाडा बॉर्डर सर्विसेज एजेंसी (सीबीएसए) की

तरफ से की गई है। एजेंसी ने ब्रिटिश कोलंबिया में पंजाबी मूल के व्यवसाय मालिकों को निशाना बनाकर चल रहे जबरन वसूली नेटवर्क से जुड़े एक जांच के बाद तीन भारतीय नागरिकों को निर्वासित कर दिया है। 7 नवंबर को घोषित ये निर्वासन, बीसी एक्सटॉर्शन टास्क फोर्स के तहत किया गया पहला निर्वासन है, जो सीबीएसए, आरसीएमपी और स्थानीय पुलिस एजेंसियों का एक संयुक्त अभियान है। टास्क फोर्स की स्थापना इस वर्ष के प्रारंभ में हुई थी।

माफिया के सीने से बुलडोजर धड़धड़ाकर निकलता है

गयाजी (एजेंसी)। मोतिहारी में यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जनसभा की। उन्होंने कहा, पहले चरण के रुझान बता रहे हैं कि एनडीए की सरकार आ रही है। लालटेन बुझ चुकी है। ये माफिया को संरक्षण देने वाले लोग हैं। यूपी में माफिया के सीने से बुलडोजर धड़धड़ाकर निकलता है। अब ये यूपी से बिहार की ओर मुड़ने वाला है। योगी ने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा, ये लोग फिर से लालटेन लेकर आए हैं। ये लालटेन नहीं है, डकैती डालने का एक सर्टिफिकेट था। ये वही लोग हैं जिन लोगों ने लालटेन की धुंधली लाइट में जातीय संघर्ष कराया था।

● **यूपी में माफियाओं को हमने यमराज का टिकट दिया-** यूपी में माफिया की क्या हालत है देखा ही होगा। उत्तर प्रदेश में उसके लिए 2 ही जगह है। एक यमराज के घर जाने का टिकट। दूसरा- उसने जो संपत्ति बनाई है, सरकार के कब्जे में लेकर गरीब के लिए आवास बन रहे हैं। जो राम का है वो ही हमारे काम का है। जो राम का है वो ही हमारे काम का है। ईवीएम खुलेगी तो फिर एक बार एनडीए सरकार बनेगी। आज बिहार में क्या नहीं है।

अपने पुराने बैंक खाते में पैसे जमा करके भूल गए?

जो आपका है उसे वापस दिलाने में आरबीआई आपकी मदद करेगा।

आपके बैंक के निष्क्रिय खाते (2 वर्ष से ज़्यादा और 10 वर्ष तक असक्रिय) में जमा पैसे / दावा न की गई जमा राशि (10 वर्ष से अधिक) को आरबीआई के डीईए फंड में ट्रांसफर कर दिया जाता है। आप या आपके क़ानूनी वारिस उसे कभी भी वापस ले सकते हैं।

दीया फंड — जागरूकता शिक्षा और जागरूकता निधि

आपके पैसे वापस पाने के 3 आसान चरण

1. आपके बैंक की किसी भी शाखा में जाएं, भले ही वो आपकी नियमित शाखा न हो।
2. केवाईसी दस्तावेजों (आधार, पासपोर्ट, मतदाता पहचान पत्र या ड्राइविंग लाइसेंस) के साथ फॉर्म जमा करें।
3. सत्यापन के बाद ब्याज समेत, यदि है तो, अपने पैसे वापस पाएं।

दावा न की गई संपत्ति के संबंध में आयोजित विशेष शिविरों में जाएं, जिसे देशभर के सभी ज़िलों में अक्तूबर से दिसंबर 2025 के बीच लगाए जाएँगे।

आपके दावा न किए गए पैसे के बारे में जानने के लिए

आपके बैंक की वेबसाइट पर खोजें या आरबीआई के UDGAM पोर्टल **(https://udgam.rbi.org.in)** पर देखें, जिसमें फ़िलहाल 30 बैंक शामिल हैं।

क्यूआर कोड स्कैन कीजिए

अधिक जानकारी के लिए
https://rbikehtahai.rbi.org.in देखिए
प्रतिक्रिया के लिए **rbikehtahai@rbi.org.in** पर लिखिए
आधिकारिक व्हॉट्सऐप नंबर 99990 41935

जनहित में जारी
भारतीय रिज़र्व बैंक
RESERVE BANK OF INDIA
www.rbi.org.in

एसजेवीएन ने सामूहिक गायन के साथ 'वंदे मातरम' की 150वीं वर्षगांठ मनाई

शिमला। श्री भूपेन्द्र गुप्ता, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक के मार्गदर्शन में, एसजेवीएन ने आज शिमला स्थित अपने कारपोरेट मुख्यालय में राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम के सामूहिक गायन का आयोजन करके इसकी 150वीं वर्षगांठ मनाई। इस कार्यक्रम में श्री अजय कुमार शर्मा, निदेशक (कार्मिक) एसजेवीएन तथा अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। एसजेवीएन ने अखिल भारत में अपनी सभी परियोजनाओं और कार्यालयों में सामूहिक गायन का आयोजन करके वर्ष भर चलने वाले इस समारोह की शुरुआत की। इस ऐतिहासिक अवसर पर, माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने नई दिल्ली से राष्ट्र को संबोधित किया तथा इस कार्यक्रम का एसजेवीएन कर्मचारियों के लिए सीधा प्रसारण किया गया। श्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि वंदे मातरम का सामूहिक गायन एक

गहन अनुभव है, जो एकता, साहस और गौरव की प्रेरणा देता है। माननीय प्रधानमंत्री ने इस बात पर बल देते हुए कहा कि ऐसा कोई लक्ष्य नहीं है, जिसे भारत हासिल न कर सके। उन्होने यह भी कहा कि यह समारोह सभी नागरिकों में नई ऊर्जा और गौरव का संचार करेगा तथा राष्ट्र के इतिहास में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि साबित होगी। इस अवसर पर, श्री अजय कुमार शर्मा ने कहा कि वंदे मातरम हमारे राष्ट्र की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का प्रतीक है। आज हम एक ऐसे क्षण के साक्षी बन रहे हैं, जो भारत की आत्मा से गहराई से जुड़ा एक भावनात्मक उत्सव है। यह पहल भारत सरकार द्वारा दिनांक 7 नवंबर, 2025 से 7 नवंबर, 2026 तक आयोजित किए जा रहे राष्ट्रव्यापी समारोहों का एक हिस्सा है, जिसका उद्देश्य राष्ट्रीय एकता, गौरव और सांस्कृतिक जागरूकता को बढ़ावा देना है। राष्ट्र निर्माण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि करते हुए, एसजेवीएन लिमिटेड इस महत्वपूर्ण अवसर पर राष्ट्रीय एकता और सांस्कृतिक चेतना को बढ़ावा देने के लिए वर्ष भर विभिन्न कार्यक्रमों और गतिविधियों का आयोजन करेगा।

जय राम ठाकुर ने की हमीरपुर की उपेक्षा: मुख्यमंत्री

● कहा- हमीरपुर मेडिकल कॉलेज पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह की देन ● कांगू स्कूल को सीबीएसई से संबद्ध करने की घोषणा ● मंझेली-भूंपल सड़क की जल्द बनाई जाएगी डीपीआर

शिमला। मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने आज हमीरपुर जिले के नादौन विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत मंझेली और कड़साई में जनसमस्याएं सुनीं और अधिकारियों को मौके पर समस्याओं के निराकरण के निर्देश दिए। उन्होंने मंझेली में पटवार वृत्त और स्वास्थ्य उप-केंद्र खोलने की घोषणा की। इस मौके पर उन्होंने महिला मंडलों को 1-1 लाख और 100-100 कुर्सियां देने की भी घोषणा की। इसके अतिरिक्त मंहिला मंडल भवनों के निर्माण के लिए 10 लाख रुपये देने का भी ऐलान किया। उन्होंने कहा कि मंझेली पंचायत की सड़कों के सुदृढ़ीकरण के लिए 50 लाख रुपये स्वीकृत किए जा चके हैं। उन्होंने मंझेली-भूंपल सड़क की डीपीआर शीघ्र बनाने के लिए लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कांगू स्कूल को सीबीएसई से संबद्ध करने की भी घोषणा की।

ठाकुर सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने कहा कि प्रदेश सरकार शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में बड़े सुधारात्मक कदम उठा रही है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार द्वारा की गई पहलों के परिणामस्वरूप हिमाचल प्रदेश राष्ट्रीय शिक्षा सूचकांक में शिक्षा के क्षेत्र में 21वें से पांचवें पायदान पर पहुंच गया है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में कई अस्पताल और मेडिकल कॉलेज में लगभग 20 साल पुरानी मशीनरी का इस्तेमाल कर रहे थे लेकिन वर्तमान सरकार इसके स्थान पर आधुनिक मशीनरी स्थापित कर रही है। उन्होंने कहा कि हमारे डॉक्टर दक्ष और निपुण हैं लेकिन पुरानी तकनीक ने उनकी कार्यकुशलता को सीमित कर दिया है। राज्य के लोगों को विश्व स्तरीय स्वास्थ्य सुविधाएं देने के लिए प्रदेश सरकार एम्स दिल्ली की तर्ज पर आधुनिक मशीनरी स्थापित कर रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमीरपुर मेडिकल कॉलेज को प्रदेश के सबसे आधुनिक और भव्य मेडिकल कॉलेज की तर्ज पर विकसित किया जा रहा है। भाजपा सांसद अनुराग ठाकुर के दावे को नकारते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि हमीरपुर मेडिकल कॉलेज पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह की देन है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार के कार्यकाल के दौरान मुख्यमंत्री ने सिर्फ आधारशिला रखी और इसके अलावा और कोई कार्य नहीं किया गया। डॉ. मनमोहन सिंह ने इस परियोजना के लिए 190 करोड़ रुपये स्वीकृत किए और वर्तमान प्रदेश सरकार ने निर्माण कार्य को पूरा करने के लिए अपने संसाधनों से 400 करोड़ रुपये की अतिरिक्त धनराशि जारी की।

ठाकुर सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर ने हमीरपुर की उपेक्षा की। उन्होंने कहा कि क्षेत्र से दो भाजपा विधायक होने के बावजूद मंत्रिमंडल में किसी को भी शामिल नहीं किया गया।

नादौन में खेल पर्यटन को प्रोत्साहित करने के सरकार के प्रयासों की ओर ध्यान आकर्षित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि 120 करोड़ रुपये की लागत से राज्य के पहले इंडोर स्टेडियम का निर्माण कार्य युद्ध स्तर पर चल रहा है। इंडोर स्टेडियम में स्विमिंग पूल, शूटिंग रेंज और 17 अन्य खेलों के लिए बुनियादी ढांचा तैयार किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि हॉकी और फुटबॉल स्टेडियम विकसित करने के लिए अतिरिक्त भूमि का अधिग्रहण किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि साहसिक खेलों को प्रोत्साहित करने और पर्यटकों को आकर्षिक करने के लिए नादौन में 59 करोड़ रुपये की लागत से राफ्टिंग कॉम्पलेक्स विकसित किया जाएगा जिससे स्थानीय आर्थिकी भी सुदृढ़ होगी। इसके अलावा 79 करोड़ रुपये की लागत से वेलनेस सेंटर और वाटर पार्क का निर्माण भी किया जा रहा है। वहीं लोगों को बेहतर आधारभूत सुविधाएं प्रदान करने के लिए कई अधोसंरचना परियोजनाओं की तैयारी चल रही है।

मुख्यमंत्री ने गत 23 वर्षों से नादौन के लोगों के अटूट विश्वास और भरपूर समर्थन पर आभार जताया तथा मंझेली में अपने बचपन के दिनों का स्मरण किया। उन्होंने कहा, ''मैं मंझेली में अपने दोस्तों के साथ खेलते हुए पला-बढ़ा और वो यादें आज भी मेरे मन में ताजा हैं।'' उन्होंने कहा कि नादौन के विकास में कोई कमी नहीं आएगी।

राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय चोढू के विद्यार्थियों ने अपनी निजी बचत से मुख्यमंत्री राहत कोष में 57 हजार रुपये का चेक भेंट किया। इस अवसर पर कई प्रतिनिधिमंडलों ने मुख्यमंत्री को सम्मानित किया।

मुख्यमंत्री ने 2.04 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाले प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र कड़साई की आधारशिला रखी। उन्होंने कहा कि फिलहाल प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र कड़साई किराये के भवन से कार्यशील होगा और आवश्यक स्टाफ की जल्द तैनाती की जाएगी। उन्होंने राष्ट्रीय पदक विजेता अर्नब सैनी और

उनके कोच सुखदेव और राज्य स्तरीय खेल प्रतियोगिताओं में पदक विजेता एथलीटों को सम्मानित किया।

कड़साई में जनसभा को संबोधित करते हुए ठाकुर सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने कहा कि प्रदेश सरकार ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए निरंतर प्रयास कर रही है। दुग्ध उत्पादन के साथ कच्ची हल्दी, गेहूं, मक्का और जौ पर न्यूनतम समर्थन मूल्य प्रदान किया जा रहा है। मनरेगा के तहत दिहाड़ी में 80 रुपये की बढ़ोतरी की गई है।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार ने सरकारी कर्मचारियों को पुरानी पेंशन बहाल करने का अपना वादा निभाया है। जबकि केंद्र सरकार ने इसके एवज में हिमाचल प्रदेश पर कई वित्तीय बंदिशें लगा दी हैं। विधायक कैप्टन रंजीत सिंह ने कहा कि मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंद्र सिंह सुक्खू के नेतृत्व में पूरे प्रदेश का चहुंमुखी विकास हो रहा है। उन्होंने कहा कि सुजानपुर विस क्षेत्र में करोड़ों रुपये के विकास कार्य युद्ध स्तर पर जारी हैं। जबकि भाजपा सरकार के कार्यकाल में तत्कालीन मुख्यमंत्री ने हमीरपुर का दौरा तक नहीं किया। उन्होंने कहा कि यह हमारे लिए गर्व का विषय है कि मुख्यमंत्री हमीपुर जिले से हैं। उन्होंने प्रदेश के लोगों से विकास के एजेंडे के प्रति एकजुट रहने का आह्वान किया।

उन्होंने कहा कि वर्तमान प्रदेश सरकार के खिलाफ जो आवाज उठा रहे हैं उनकी भ्रष्टाचार से बैकडोर एंट्री अब बंद कर दी गई है। ऐसे लोगों का काम प्रदेश की जनता को भ्रमित करना है, जनकल्याण से इनका कोई वास्ता नहीं है। उन्होंने कहा कि आगामी विधानसभा सत्र में अग्निवीर भर्ती का मुद्दा उठाया जाएगा और केंद्र सरकार को उनके लिए 15 साल की सेवा और पेंशन लाभ का प्रस्ताव भेजा जाएगा। पूर्व विधायक कुलदीप सिंह पठानिया, मंजीत सिंह डोगरा, कांगड़ा प्राथमिक सहकारी कृषि एवं ग्रामीण विकास बैंक के अध्यक्ष राम चंद्र पठानिया, हिमाचल प्रदेश ओबीसी वित्त एवं विकास निगम के उपाध्यक्ष डॉ. मोहन, हिमाचल प्रदेश कौशल विकास निगम के संयोजक अतुल करोहटा, एपीएमसी हमीरपुर अध्यक्ष अजय शर्मा, कांग्रेस नेता डॉ. पुष्पेंद्र वर्मा, सुमन भारती, कैप्टन पृथ्वी चंद, राजीव राणा, पंचायती राज संस्थाओं के प्रतिनिधि, उपायुक्त अमरजीत सिंह और पुलिस अधीक्षक भगत सिंह भी इस अवसर पर उपस्थित थे।

प्रदेश सरकार एच.पी.एम.सी. के उत्पादों को देश में सभी जगह तक पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध : जगत सिंह नेगी

एच.पी.एम.सी. का किया निरीक्षण, जांची व्यवस्थाएं

सोलन। राजस्व, बागवानी एवं जनजातीय विकास मंत्री जगत सिंह नेगी ने कहा कि प्रदेश सरकार हिमाचल प्रदेश बागवानी उत्पाद विपणन एवं प्रसंस्करण निगम (एच.पी.एम.सी.) के उत्पादों को देश में और अधिक लोकप्रिय बनाने तथा इनकी बिक्री बढ़ाने के लिए हर सम्भव प्रयास कर रही है। जगत सिंह नेगी आज सोलन ज़िला के परवाणू में हिमाचल प्रदेश बागवानी उत्पाद विपणन एवं प्रसंस्करण निगम (एच.पी.एम.सी.) संयंत्र का निरीक्षण करने के उपरांत उपस्थित अधिकारियों, कर्मचारियों एवं अन्य के साथ अनौपचारिक विचार-विमर्श कर रहे थे।

बागवानी मंत्री ने कहा कि हिमाचल प्रदेश के सेब की देश तथा विश्व में अलग पहचान है। हिमाचल के सेब को अपनी महक तथा गुणवत्ता के लिए जाना जाता है। प्रदेश सरकार का यह प्रयास रहा है कि एच.पी.एम.सी. के माध्यम से सेब प्रसंस्करण कर शेल्फ लाइफ बढ़ाई जाए। उन्होंने कहा कि एच.पी.एम.सी. अपने उत्पादों की गुणवत्ता को ओर बढ़ाने तथा उत्पादों में विविधता लाने के लिए कार्यरत है। एच.पी.एम.सी. के उत्पादों का विक्रय देश व प्रदेश में और अधिक बढ़ाने के लिए प्रयास किए जा रहे हैं।उन्होंने कहा कि एच.पी.एम.सी. के पास समुचित शीत भण्डारण सुविधाएं उपलब्ध हैं। निकट भविष्य में एच.पी.एम.सी. अपने लाभ में और वृद्धि करेगी। उन्होंने कहा कि इस वर्ष एच.पी.एम.सी. में लगभग 12,900 मीट्रिक टन सेब से 860 मीट्रिक टन ऐप्पल जून कंसन्ट्रैट तैयार किया गया है। लगभग 32 हजार मीट्रिक टन सेब नीलाम भी किया गया है। उन्होंने कहा कि लगभग एक लाख मीट्रिक टन सेब की 12 रुपए प्रति किलो रुपए के दर से खरीद भी की गई है। प्रदेश सरकार के इन प्रयासों से बागवान और अधिक लाभान्वित हुए हैं।

बागवानी मंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार किसानों और बागवानों को उनकी फसल का उचित मूल्य प्रदान करने, बेहतर विपणन सुविधाएं उपलब्ध करवाने तथा अन्य अधोसंरचनात्मक सुविधाएं प्रदान के लिए प्रतिबद्ध है।

जगत सिंह नेगी ने कहा कि प्रदेश सरकार द्वारा इस वर्ष सेब सीजन के दौरान व्यवस्थाओं को और बेहतर बनाया गया है। भारी बारिश के कारण अवरूद्ध मार्गों को समय पर खोला गया और यह सुनिश्चित बनाया गया कि बागवानों का उत्पादों समय पर मण्डियों तक पहुंचे। यह प्रदेश सरकार के सतत् प्रयासों का ही परिणाम है कि इस वर्ष लगभग 03 करोड़ सेब की पेटियों का विक्रय हुआ है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार बागवानी क्षेत्र को विकसित करने के साथ-साथ रोज़गार सृजन के लिए भी निरंतर प्रयासरत है। वर्तमान सरकार द्वारा बागवानों की सुविधा के लिए यूनिवर्सल कार्टन की व्यवस्था करने के साथ-साथ सेब को मण्डी तक समय पर पहुंचाने के लिए यातायात व्यवस्थाओं को भी बेहतर बनाया गया है। उन्होंने कहा कि व्यापारियों के लिए सोलन व परवाणू सेब मण्डी में बेहतर प्रबंध किए गए हैं। उन्होंने कहा कि यातायात प्रबंधन पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है। जगत सिंह नेगी ने इस अवसर पर एच.पी.एम.सी. के प्रसंस्करण संयंत्र में स्थापित मशीनरी, शीत भण्डारण केन्द्र, भण्डारण यार्ड सहित ट्रेटा पैकिंग सुविधा का निरीक्षण किया और अधिकारियों को उचित दिशा निर्देश जारी किए। उन्होंने कहा कि एच.पी.एम.सी. संयंत्र में फलों के जूस, स्क्वैश, जैम, आचार व फ्रूट वाइन इत्यादि के उत्पादन में उच्च गुणवत्ता पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है। उन्होंने इस अवसर पर एच.पी.एम.सी. की कार्यप्रणाली एवं सुधार के संबंध में भी जानकारी प्राप्त की। इस अवसर पर सहायक आयुक्त परवाणू शैफाली शर्मा, तहसीलदार कसौली जगपाल सिंह, एच.पी.एम.सी. की सहायक लेखा अधिकारी मोनिका कश्यप, एच.पी.एम.सी. की ए.टी.ओ. अंकिता सूद सहित संयंत्र के अन्य अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित थे।

लंज में बसाया जाएगा हिमाचल का पहला आधुनिक शहर: केवल सिंह पठानिया

● लंज कॉलेज में एनएसयूआई के कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि की शिरकत

● कहा.....युवाओं की सोच को दूरदर्शी बनाने का काम कर रहा एनएसयूआई छात्र संगठन

धर्मशाला। हिमाचल प्रदेश सरकार प्रदेश के कांगड़ा जिले में एक अत्याधुनिक और सुव्यवस्थित आधुनिक शहर बसाने जा रही है, जो चंडीगढ़ की तर्ज पर विकसित किया जाएगा। यह शहर हर तरह की आधुनिक सुविधाओं से युक्त होगा और प्रदेश की आर्थिक, सामाजिक व औद्योगिक प्रगति में मील का पत्थर साबित हो सकता है। यह जानकारी

शाहपुर के विधायक एवं मुख्य सचेतक केवल सिंह पठानिया ने लंज महाविद्यालय में एनएसयूआई छात्र संगठन के कार्यक्रम में मुख्य अतिथि बनकर पहुंचने पर दी। उन्होंने बताया इस योजना को लेकर उन्होंने कई बार मुख्यमंत्री हिमाचल प्रदेश और माननीय मंत्री राजेश धर्माणी से मुलाकात की। इस टाउनशिप के लिए उन्होंने उनका आभार व्यक्त किया जो आज यहां इस टाउनशिप प्लानिंग के कार्य को शुरू करने की योजना तैयार की गई है। उन्होंने जानकारी देते हुए बताया इस योजना को सेक्टर वाइज बनाया जाएगा

उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार ने इस महत्वाकांक्षी परियोजना की जिम्मेदारी हिमाचल प्रदेश शहरी विकास प्राधिकरण (हिमुडा) को सौंपी है। इस नए शहर का निर्माण लंज और तियारा क्षेत्र में किया जाएगा। यह क्षेत्र गगल एयरपोर्ट और फोरलेन हाईवे के निकट होने के कारण आवागमन की दृष्टि से अत्यंत उपयुक्त है।

उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार की यह परियोजना कांगड़ा को विकास का नया आयाम देगी। यह केवल एक शहर नहीं, बल्कि प्रदेश की आर्थिक तस्वीर को बदलने वाली नई दिशा का प्रतीक बनेगा। इससे युवाओं को रोजगार, स्थानीय लोगों को व्यावसायिक अवसर और क्षेत्र को पर्यटन के लिहाज से भी नई पहचान मिलेगी। श्री पठानिया ने कहा कि सरकार का उद्देश्य आने वाले वर्षों में हिमाचल को संतुलित, हरित और योजनाबद्ध शहरी विकास मॉडल की दिशा में अग्रसर करना है। यह परियोजना प्रदेश की भावी पीढ़ियों के लिए विकास और रोजगार का बड़ा द्वार खोलने वाली साबित होगी। उन्होंने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री और वह स्वयं भी छात्र राजनीति से निकलकर यहां तक पहुँचे हैं। उन्होंने कहा छात्र राजनीति का गहरा असर उनके जीवन पर पड़ा जिसके चलते उनके अंदर समाज के लिए कुछ करने की प्रेरणा जगी जिसके चलते वह आज यहां तक पहुंचे हैं। उन्होंने महाविद्यालय के सभी छात्रों को कहा कि वह किसी भी एक कार्य को अपने जीवन का लक्ष्य बनाएं और उसकी तरफ पूरी मेहनत करें सफलता अवश्य मिलती है। उन्होंने प्रदेश के मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त किया जो शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार करने के लिए निरंतर नए प्रयास कर रहे हैं।

उन्होंने कहा राजीव गांधी डे बोर्डिंग स्कूल बच्चों के भविष्य को एक नया आयाम देने के लिए अहम साबित होंगे। उन्होंने कहा स्कूलों का इंग्लिश मीडियम होना विद्यार्थियों के लिए अत्यंत लाभकारी होगा। उन्होंने प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री स्वर्गीय वीरभद्र सिंह को याद करते हुए कहा उनकी दूरगामी सोच के कारण आज लंज क्षेत्र में बच्चों के पढ़ने के लिए भव्य शिक्षा का यह मंदिर स्थापित हुआ था। उन्होंने बच्चों के सांस्कृतिक कार्यक्रमों को भी देखा। उन्होंने कॉलेज की अतिरिक्त दीवार, बैडमिंटन कोर्ट में मैट और टेबल टेनिस की सुविधा कॉलेज में देने की घोषणा की।

यह रहे उपस्थित - मुख्य अतिथि सहित प्रधानाचार्य संजय शर्मा, चंद्रशेखर डोगरा, हरनाम सिंह, सुमन मेहरा, धर्मचंद, रेखा देवी, आशा देवी, बलजीत कौर, जोगिंदर सिंह, नसीब सिंह, रंजीत सिंह बग्गा, संजय डोगरा, प्रमोद पठानिया, शिखा ठाकुर और रवि, आदित मेहरा, सूरज, अनमोल, एनएसयूआई के अन्य सदस्यों और छात्र मौजूद रहे।

दिल्ली के रिठाला में आग से कोहराम, 500 झुग्गियां जलकर राख

नई दिल्ली, एजेंसी। राजधानी दिल्ली के रोहिणी में शुक्रवार रात रिठाला मेट्रो स्टेशन के पास बसी झुग्गियों में भीषण आग लग गई। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंचीं दमकल की 29 गाड़ियों ने घंटों की कड़ी मशक्कत के आग पर काबू पाया। इस घटना में करीब 400 से 500 झुग्गियां जलकर राख हो गईं और इनमें रहने वाले हजारों लोग बेघर हो गए। वहीं दो लोग आग की चपेट में आकर झुलस गए, इनमें से एक की मौत हो गई, जबकि दूसरे की हालत गंभीर बनी हुई। इस घटना में एक बच्चे के घायल होने की खबर है। जानकारी के अनुसार, रोहिणी सेक्टर-5 में शुक्रवार रात करीब 10 :56 बजे रिठाला मेट्रो स्टेशन के पास दिल्ली जल बोर्ड स्टाफ क्वार्टर के नजदीक झुग्गियों में आग लग गई। आग लगभग 400-500 झुग्गियों (झोपड़ियों) में लगी थी। आग पर शनिवार सुबह काबू पा लिया गया। राजेश नाम का एक व्यक्ति (उम्र लगभग 30 साल) जल गया और उसे सफदरजंग अस्पताल में भर्ती कराया गया, जबकि मुन्ना नाम के एक मृत व्यक्ति (उम्र लगभग 30 साल) का शव बरामद कर स्थानीय पुलिस को सौंप दिया गया। दिल्ली फायर ऑफिसर एस.के. दुआ ने बताया, हमें जानकारी मिली थी कि रिठाला मेट्रो स्टेशन और दिल्ली जल बोर्ड के बीच स्थित बंगाली बस्ती की झुग्गियों में आग लग गई है।

पंजाब क्षेत्र ने नाटक, वाद्य यंत्र मे हरियाणा ने मारी बाजी

धर्मशाला मे अंतर-क्षेत्रीय सांस्कृतिक प्रतियोगिता का आयोजन

धर्मशाला। भारतीय खाद्य निगम हिमाचल प्रदेश क्षेत्र के तत्वाधान मे धर्मशाला मे अंतर-क्षेत्रीय सांस्कृतिक प्रतियोगिता का आयोजन किया गया । इस प्रतियोगिता मे देश के उत्तरी क्षेत्र के सभी प्रदेशों से आयी कुल 9 टीमों (दिल्ली, पंजाब, हिमाचल प्रदेश, हरियाणा, राजस्थान, उत्तराखंड, जम्मू-कश्मीर, उत्तर प्रदेश एवं आंचलिक कार्यालय) ने प्रतिभाग किया ।निगम के आंचलिक कार्यालय मे पदस्थ खेल प्रोत्साहन समिति (जेड एस पी सी) के महाप्रबंधक श्री जॉर्ज कुरियाकोस के मार्ग दर्शन तथा हिमाचल प्रदेश क्षेत्र के महाप्रबंधक श्री के के दास कुशल के निर्देशन मे सम्पन्न इस कार्यक्रम में महाप्रबंधक राजभाषा श्री संदीप कुमार पाण्डेय एवं महाप्रबंधक पंजाब क्षेत्र श्री बी श्रीनिवासन (आई.ए.एस) उपस्थिति रहे 7 कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य कार्यक्रम संयोजक श्री अमीर चंद (मण्डल प्रबंधक धर्मशाला) ने सभी अथितियों का सम्मान करके किया । सांस्कृतिक कार्यक्रम के अंतर्गत कुल चार श्रेणियों (गायन, समूह नृत्य, नाटक तथा वाद्य यंत्र वादन) मे प्रतियोगिताओ का आयोजन किया गया जिसमे राष्ट्र के खाद्य सुरक्षा प्रहरी अर्थात भारतीय खाद्य निगम के बहुप्रतिभा सम्पन्न कर्मचारियों ने अपनी मन मोहक कला का प्रदर्शन कर सभी दर्शकों का हृदय जीत लिया 7 कार्यक्रम मे पंजाब क्षेत्र ने नाटक, वाद्य यंत्र मे हरियाणा क्षेत्र, गायन मे उत्तराखंड तथा समूह नृत्य मे राजस्थान क्षेत्र प्रथम रहे । कार्यक्रम मे जहां अंतर्राष्ट्रीय हॉकी अंपायर और जेड एस पी सी प्रबंधक श्री परनाम सिंह को उनके विशिष्ट योगदान के लिए सम्मानित किया गया वहीं भारतीय खाद्य निगम प्रबंधक एवं गुलाबो सिताबो,सत्य मेव जयते तथा लाल रंग जैसी सामाजिक मुद्दों से जुड़ी फिल्मों सहित कई फिल्मों मे अभिनेता और सह-निर्देशक के रूप मे काम कर चुके श्री रेहान किदवई को उनके द्वारा निगम को दी गई सेवाओ के लिए लाइफ टाइम अचीवमेंट पुरस्कार से सम्मानित किया गया ।

कड़कड़ाती ठंड से निपटने दिल्ली सरकार का कोल्ड वेव ऐक्शन प्लान

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में नवंबर आते ही सुबह और शाम का तापमान गिरने लगा है। आज इस मौसम की सबसे ठंडी सुबह रही। न्यूनतम पारा सामान्य से 3.3 डिग्री सेल्सियस नीचे रेकॉर्ड किया गया है। मौसम विभाग पहले ही इस बार ला नीना के चलते भयंकर ठंड की चेतावनी दे चुका है, ऐसे में दिल्ली सरकार ने भी इससे निपटने के लिए कमर कस ली है। रेखा गुप्ता सरकार ने एक नया कोल्ड वेव ऐक्शन प्लान बनाया है। इसका मकसद कमजोर तबके के लोगों को अत्यधिक ठंड से बचाना है। जल्द ही आधिकारिक रूप से अधिसूचित होने वाली यह योजना, मौसम का पूर्वानुमान, स्वास्थ्य संबंधी तैयारी और आपातकालीन आश्रय प्रबंधन को एक ही रणनीति के तहत लाएगी। यह अल्पकालिक, मध्यमकालिक और दीर्घकालिक उपायों पर काम करेगी, जिन्हें मौसम के अनुसार सक्रिय किया जाएगा। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग के पूर्वानुमानों से पता चलता है कि अगले सप्ताह दिल्ली में तापमान 10डिग्री से नीचे गिर सकता है, दिसंबर के अंत और जनवरी में न्यूनतम तापमान 2-3 डिग्री तक रहने की संभावना है। मौसम विज्ञानियों का कहना है कि इस साल ला नीना की स्थिति से इस क्षेत्र में ठंड की लहरें तेज होने की संभावना है, जिससे शीत लहर के दिन अधिक बार आएंगे और रात का तापमान और गिरेगा। समीक्षा किए गए मसौदा योजना में कहा गया है कि ला नीना के दौरान उत्तर भारत में शीत लहरें अधिक गंभीर हो जाती हैं क्योंकि साफ आसमान रात में तेजी से ठंडक पैदा करता है। दिल्ली के लिए इसका मतलब है कि न्यूनतम तापमान सामान्य से 2-4 डिग्री तक नीचे गिर सकता है और जब रीडिंग 5डिग्री से नीचे जाती है, तो शीत लहर की स्थिति कई दिनों तक रह सकती है। इस कार्य ढांचे के केंद्र में दिल्ली आपदा प्रबंधन प्राधिकरण है, जो पूरे शहर में शीत लहर हॉटस्पॉट की मैपिंग और उन्हें अपडेट करने के लिए विभिन्न विभागों के साथ समन्वय करेगा। इन क्षेत्रों की पहचान जनसंख्या घनत्व, आवास और आजीविका की प्रोफाइल, स्वास्थ्य देखभाल तक पहुंच और अन्य कमजोर संकेतकों के डेटा का उपयोग करके की जाएगी। दिल्ली आपदा प्रबंधन प्राधिकरण , भारतीय मौसम विज्ञान विभाग के समन्वय से पांच दिन पहले ही चेतावनी जारी करेगा। ये अलर्ट टेलीविजन, रेडियो, अखबारों और सोशल मीडिया के माध्यम से साझा किए जाएंगे। प्रत्येक जिला आपदा प्रबंधन इकाई तैयारियों की निगरानी करने, आपातकालीन प्रतिक्रियाओं का समन्वय करने और भविष्य के लिए सबक दर्ज करने हेतु समीक्षा बैठकें आयोजित करेगी।

आवश्यक सूचना

ब्याठकों को सलाह दी जाती है कि किसी विज्ञापन पर प्रतिक्रिया से पहले विज्ञापन में प्रकाशित किसी उत्पाद या सेवा के बारे में पूरी तरह जांच पड़ताल कर लें। यह समाचार पत्र उत्पाद या सेवा की गुणवत्ता आदि के विवरण के बारे में विज्ञापनदाता द्वारा किये गये दावे उल्लेख की पुष्टि या समर्थन नहीं करता। समाचार पत्र उपरोक्त विज्ञापनों के बारे में किसी भी प्रकार से उत्तरदायी नहीं होगा।

RNI NO: HARHIN/2002/08034, Postal Regd No. HR/AB/54/23-25 , स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक एकान्ति राय गर्ग द्वारा जनपथ पब्लिशर्स, बूथ नं.: 437-पी (बी.पी.पेट्रोल पंप के पीछे) सेक्टर-8, पंचकूला से प्रकाशित। **सम्पादक:- एकान्ति रॉय गर्ग,** मुख्य कार्यालय: बूथ नं: 437-पी (बी.पी.पेट्रोल पंप के पीछे) सेक्टर-8 पंचकूला-134109(हरियाणा)। मो.: 9915606900, email : hindjanpath@gmail.com, argarg1610@gmail.com ।

4 माह से वेतन लंबित, बीपीएस महिला विश्वविद्यालय के कर्मचारियों का रोजाना धरना शुरू

कर्मचारी संघर्ष समिति ने 4 माह के लंबित वेतन भुगतान व स्थायी समाधान की मांग को लेकर मुख्यमंत्री और शिक्षा मंत्री से पत्र लिखकर की अपील

हिन्द जनपथ,चंडीगढ़ (ब्यूरो)। भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय, खानपुर कलां के शिक्षण एवं गैर-शिक्षण कर्मचारियों को जुलाई से अक्टूबर 2025 तक वेतन न मिलने के विरोध में संघर्ष समिति ने मुख्य द्वार पर धरना शुरू किया, जिसकी अध्यक्षता डॉ. राजेश द्वारा की जा रही है। समिति सचिव डॉ. सुमन द्वारा इस विरोध प्रदर्शन का संचालन किया जा रहा है। समिति की अध्यक्षा डॉ राजेश व सचिव डॉ सुमन ने बताया कि कुलपति प्रो. सुदेश और कुलसचिव प्रो. शिवालिक यादव को बार-बार अपील करने के बावजूद आश्वासन के सिवाय कोई ठोस कार्यवाही नहीं हुई और दीपावली से पहले और बाद में वेतन जारी करने का आश्वासन भी पूरा नहीं हुआ, जिससे कर्मचारी न चाहते हुए विवश होकर धरना दे रहे हैं।

कर्मचारियों ने कहा कि ÷एक ओर सरकार 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' की बात करती है, वहीं उत्तर भारत के एकमात्र महिला विश्वविद्यालय के सभी कर्मचारी वेतन न मिलने की मार झेल रहे हैं।÷ विश्वविद्यालय के कैंपस के स्कूल, स्नातक और स्नातकोत्तर स्तर एवं दोनों जींद व रिवाड़ी के रीजनल सेण्टर व साउथ कैंपस भैंसवाल सहित सभी कर्मचारी वेतन में अनियमितता से अत्यंत हतोत्साहित हैं। संघर्ष समिति के प्रतिनिधियों डॉ. इशानी, प्रो. सुरेंद्र मोर,श्रीमती प्रियंका और डॉ. विजय कुमार ने बताया कि हरियाणा सरकार द्वारा विश्वविद्यालय के 1355 कर्मचारियों के लिए अपर्याप्त बजट मिला है। एक माह का वेतन लगभग 9 करोड़ रुपये है, जबकि हाल फिलहाल कुछ दिन पहले ही सरकार द्वारा 35 करोड़ की राशि देना स्वीकृत हुआ है,जिससे चार माह के वेतन का भुगतान ही बड़ी कठिनाई से हो पाएगा। न सिर्फ गत 4 माह के वेतन वितरण को ले कर सभी कर्मचारी चिंता में हैं, बल्कि, भविष्य में भी नियमित वेतन न मिल पाने का भय भी उन्हें सता रहा है, जिससे उन्हें अपना और अपने परिवार का भविष्य अंधकारमय प्रतीत हो रहा है। समिति ने मुख्यमंत्री व शिक्षा मंत्री को पत्र लिखकर तत्काल विश्वविद्यालय को पर्याप्त बजट आंवटित कर समाधान करने की प्रार्थना की है। संघर्ष समिति ने पहले 28 अक्टूबर,2025 को सांकेतिक विरोध किया था, अब 7 नवंबर से प्रतिदिन शाम 3 से 4 बजे 1 घण्टे तक धरना जारी रखने का निर्णय लिया है। जब तक नियमित वेतन नहीं मिलेगा अपने दायित्वों को निभाते हुए धरना जारी रहेगा।

बागवानी फसलों की खेती के लिए अनुदान दे रही सरकार

नए बाग लगाने पर 24,500 रुपये से 1,40,000 रुपये तक प्रति एकड़ तक का प्रावधान

हिन्द जनपथ,चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा सरकार किसानों को बागवानी फसलों की खेती के लिए नए प्रावधान कर रही है। इसके लिए किसानों को बागवानी, फलों, सब्जियों फूलों और मसालों की खेती के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। उद्यान विभाग के एक प्रवक्ता ने इस संबंध में विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि बागवानी खेती में फलों के नए बाग लगाना, सब्जियों की खेती एकीकृत मॉडल के साथ करना, फलों की खेती, मसालों की खेती तथा खुशबूदार पौधों की खेती करना जैसे मद शामिल हैं। उन्होंने बताया कि इन फसलों की खेती के लिए किसानों को अनुदान के रूप में नए बाग लगाने पर 24,500 रुपये से 1,40,000 रुपये तक प्रति एकड़, सब्जियों की खेती पर एकीकृत मॉडल के तहत 15,000 रुपये प्रति एकड़, अनुसूचित वर्ग के लिए 25,500 रुपये प्रति एकड़, मसालों की खेती पर 15,000 रुपये से 30,000 रुपये प्रति एकड़, फूलों की खेती पर 8,000 रुपये से 40,000 रुपये प्रति एकड़ तथा खुशबूदार पौधों की खेती पर 8,000 रुपये प्रति एकड़ अनुदान दिया जाएगा। अनुदान का भुगतान सीधे किसान के खाते में किया जाएगा। अनुदान सहायता सीमा अधिकतम 5 एकड़ तक ही दी जाएगी। प्रवक्ता ने बताया कि योजनाओं का लाभ प्राप्त करने, आवेदन प्रक्रिया व अनुदान क्षेत्र सीमा के लिए किसान मेरी फसल, मेरा ब्यौरा, होर्टनेट पोर्टल (द्धशह्लद्गठ्ठद्गह.द्धशह्लद्धड्डह्ल4ड्डठ्ठड्ड.द्दश1.द्धठ्ठ) पर पंजीकरण कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त, लाभ प्राप्त करने वाले किसान के पास अपना आवेदन और व्यक्तिगत विवरण, परिवार पहचान पत्र, आवेदक के बैंक खाते का पूर्ण विवरण तथा जहां आवश्यक हो तो अनुसूचित जाति का प्रमाण पत्र जैसे आवश्यक दस्तावेज होने चाहिए।

महिला हेल्पलाइन 181 पर सरकार का मात्र 5.2 प्रतिशत रिस्पॉन्स, महिलाओं की सुरक्षा पर गंभीर सवाल: कुमारी सैलजा

कहा- हेल्पलाइन 181 को प्रभावी, पारदर्शी और भरोसेमंद बनाना सरकार की जिम्मेदारी

हिन्द जनपथ,चंडीगढ़ (ब्यूरो)। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की महासचिव, पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं सिरसा की सांसद कुमारी सैलजा महिला हेल्पलाइन 181 पर हरियाणा पुलिस की केवल 5.2 प्रतिशत रिस्पॉन्स दर को

बेहद चिंताजनक बताया है। कुमारी सैलजा ने कहा कि यह आंकड़ा राज्य में महिलाओं की सुरक्षा को लेकर सरकार की लापरवाही और संवेदनहीनता को उजागर करता है। मीडिया को जारी बयान में कुमारी सैलजा ने कहा कि हेल्पलाइन 181 महिलाओं को संकट की घड़ी में तुरंत सहायता देने के उद्देश्य से शुरू की गई थी, लेकिन इतनी कम प्रतिक्रिया दर यह दर्शाती है कि सरकार के दावे और धरातल की सच्चाई में बड़ा अंतर है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार महिला सुरक्षा जैसे गंभीर विषय को केवल प्रचार और आंकड़ों के खेल तक सीमित कर चुकी है। सांसद ने कहा कि यदि महिला हेल्पलाइन पर की गई 100 कॉल्स में से केवल 05 पर ही कार्रवाई हो रही है, तो यह न केवल प्रशासनिक तंत्र की नाकामी है बल्कि महिलाओं के भरोसे के साथ सीधा अन्याय है। उन्होंने मांग की कि मुख्यमंत्री इस रिपोर्ट को गंभीरता से लेते हुए हेल्पलाइन व्यवस्था की स्वतंत्र जांच करवाएं और पूरी जानकारी पारदर्शी ढंग से जनता के सामने रखें।

सांसद ने कहा कि जनता को यह जानने का अधिकार है कि कुल कितनी कॉल्स दर्ज हुईं, कितनी पर तत्काल मदद दी गई और किन मामलों में अब तक कार्रवाई लंबित है। उन्होंने कहा कि पारदर्शिता से ही जनता का विश्वास बहाल होगा और महिलाओं को यह भरोसा मिलेगा कि राज्य मशीनरी उनके साथ है। कांग्रेस सांसद ने कहा कि महिला सुरक्षा राजनीति का नहीं, बल्कि जिम्मेदारी और संवेदनशीलता का विषय है। सरकार को चाहिए कि महिला आयोग, पुलिस और सामाजिक संस्थाओं के प्रतिनिधियों को साथ लेकर हेल्पलाइन व्यवस्था की समीक्षा करे तथा जिन बिंदुओं पर सुधार की आवश्यकता है, वहां तत्काल कदम उठाए जाएं।

कुमारी सैलजा ने कहा कि कांग्रेस पार्टी महिलाओं की सुरक्षा और सम्मान के मुद्दे पर निरंतर संघर्षरत है। यदि राज्य सरकार ने इस विषय पर ठोस कार्रवाई नहीं की, तो कांग्रेस महिला मोर्चा पूरे प्रदेश में महिला सुरक्षा जनजागरण अभियान चलाएगा।

भारत के विकास को नरेंद्र मोदी जी के प्रधानमंत्री बनते ही पहिए लग गए हैं, राष्ट्र दिल की गहराईयों से उन्हें आर्शीवाद दे रहा है : ऊर्जा मंत्री अनिल विज

हिन्द जनपथ,चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा के ऊर्जा, परिवहन एवं श्रम मंत्री श्री अनिल विज ने कहा कि भारत के विकास को नरेंद्र मोदी जी के प्रधानमंत्री बनते पहिये लग गए हैं और राष्ट्र दिल की गहराईयों से उन्हें आर्शीवाद दे रहा है। आज प्रधानमंत्री जी ने चार वंदे भारत ट्रेनों को शुरू किया है जिसमें से एक फिरोजपुर से अम्बाला छावनी होते हुए नई दिल्ली तक चलाई गई है। यह ट्रेन महज साढ़े छह घंटे में फिरोजपुर से दिल्ली पहुंचेगी, इतना तेज ट्रेन चलने से लोगों का समय बचेगा और वह अपने कामकाज जल्दी कर सकेंगे। श्री विज आज अम्बाला छावनी रेलवे स्टेशन पर फिरोजपुर से दिल्ली तक चलाई गई वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन के अम्बाला छावनी रेलवे स्टेशन पर स्वागत के उपरांत पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। इस दौरान मंत्री अनिल विज ने ट्रेन में सवार यात्रियों को गुलाब के फूल देते हुए उनका स्वागत किया। इस अवसर पर मंत्री अनिल विज, राज्यसभा सांसद कार्तिकेय व अम्बाला नगर निगम की मेयर शैलजा सचदेवा ने वंदेभारत ट्रेन को अम्बाला छावनी रेलवे स्टेशन से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। ऊर्जा मंत्री अनिल विज ने पत्रकरों से बातचीत के दौरान कहा कि आज प्रधानमंत्री जी ने चार वंदेभारत को शुरू किया है जिनमें एक बनारस से खुजराओं तक, दूसरी लखनऊ से सहारनपुर तक, तीसरी एरनाकुलम से बंगलौर तक और चौथी फिरोजपुर से दिल्ली तक चलाई गई है। उन्होंने कहा कि एक समय था जब कोयले वाली छूक-छूक गाड़ियां चलती थी। वह जन्म से रेलवे कालोनी में रहते थे और रेलवे स्टेशन पर खेल-खेलकर वह बड़े हुए तथा स्टेशन को बदलते हुए उन्होंने देखा। एक समय था जब पानीपत से लुधियाना के लिए पीएल वन पीएल टू चलती थी। गाड़ी में लुधियाना तक जाते थे तो कपड़े व शक्ल काली हो जाती थी तथा अपनी शक्ल तक नहीं पहचानी जाती थी। मगर आज वंदेभारत चलाकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस देश में रेलवे को अंतरराष्टीय रेलवे के मुकाबले पर लाकर खड़ा कर दिया है।

हाई स्पीड ट्रेन में चाय की एक भी बूंद नहीं छलकी थी = मंत्री अनिल विज – ऊर्जा मंत्री अनिल विज ने कहा कि वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन 160 किलोमीटर प्रतिघंटे की स्पीड से चलती है और पहले जब वंदेभारत एक्सप्रेस चली थी तो वह रेलमंत्री अवश्विनी वैष्णव के साथ अम्बाला से दिल्ली गए थे और तब ट्रेन में उन्होंने चाय पी थी। हाईस्पीड ट्रेन चलने के दौरान चाय की एक भी बूंद ट्रेन में नहीं झलकी थी, यह इस गाड़ी की विशेषता है। उन्होंने कहा यह एसी ट्रेन है जिसमें आरामदायक कोच लगे है और बेहतरीन खाना इसमें दिया जाता है।

शिक्षा के साथ-साथ नैतिक मूल्यों को भी जीवन में धारण करें विद्यार्थी: राज्यपाल प्रो. असीम कुमार घोष

● डिग्री केवल एक दस्तावेज नहीं, बल्कि यह एक जिम्मेदारी का प्रतीक और समाज के प्रति एक वचन है: राज्यपाल ● माननीय राज्यपाल प्रो. असीम कुमार घोष भिवानी के टीआईटीएस के दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में हुए शामिल ● राज्यपाल ने संस्थान के करीब 300 स्नातक और स्नातकोत्तर विद्यार्थियों को डिग्री प्रदान की

हिन्द जनपथ,चंडीगढ़ (ब्यूरो)।

हरियाणा के राज्यपाल माननीय प्रो. असीम कुमार घोष ने कहा हरियाणा जैसे प्रगतिशील राज्य में द टेक्नोलॉजिकल इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्सटाइल एंड साइंसेज जैसी संस्थाएं राज्य की औद्योगिक क्षमता और मानव संसाधन को सशक्त बना रही हैं। भविष्य के भारत को ऐसे ही संस्थानों की आवश्यकता है। उन्होंने विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे शिक्षण के साथ-साथ नैतिक मूल्यों को भी जीवन में धारण करें और समाज व राष्ट्र की समृद्धि में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएं। डिग्री केवल एक दस्तावेज नहीं, बल्कि यह एक जिम्मेदारी का प्रतीक और समाज के प्रति एक वचन है।

राज्यपाल माननीय प्रो.असीम कुमार घोष स्थानीय द टेक्नोलॉजिकल इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्सटाइल एंड साइंसेज के दीक्षांत समारोह को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। दीक्षांत समारोह में उनकी धर्मपत्नी श्रीमती मित्रा घोष भी मौजूद रहीं। समारोह में संस्थान की तरफ से राज्यपाल को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। इस दौरान राज्यपाल प्रो.घोष ने विभिन्न विषयों से पास आउट लगभग 300 स्नातक एवं स्नातकोत्तर विद्यार्थियों को डिग्री प्रदान की। उन्होंने कहा कि टीआईटीएंडएस जैसी संस्थाएं तकनीकी और औद्योगिक शिक्षा के भविष्य की दिशा निर्धारित कर रही हैं। उन्होंने कहा कि विद्यार्थी केवल रोजगार के लिए नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण की भावना से कार्य करें। यह दीक्षांत समारोह केवल डिग्री प्राप्ति नहीं, बल्कि 'ज्ञान को कर्म में रूपांतरित करने' का अवसर है।

उन्होंने कहा कि आज का यह दिन केवल डिग्रियां प्रदान करने का अवसर नहीं है, बल्कि यह बुद्धिमत्ता, परिश्रम और ज्ञान की साधना का उत्सव है। यह दिन जीवन का एक निर्णायक क्षण है। उन्होंने कहा कि शिक्षा का अंत दीक्षांत के साथ नहीं होता, बल्कि यह हर नए चुनौती के साथ पुन= प्रारंभ होती है। इस तकनीक और कृत्रिम बुद्धिमत्ता के युग में, हमारी सच्ची विजय मशीनों को अधिक बुद्धिमान बनाने में नहीं, बल्कि स्वयं को अधिक मानवीय बनाने में निहित है।

राज्यपाल ने कहा कि हमारा देश एक ऐतिहासिक मोड़ पर खड़ा है। विकसित भारत 2047 के आह्वान के साथ, भारत का सपना है, एक ऐसे भविष्य का, जो युवा शक्ति, वैज्ञानिक प्रगति और नैतिक नेतृत्व से प्रेरित हो। सच्ची शिक्षा का मूल्य इस बात से नहीं आंका जाता कि आप कितनी ऊंचाई तक पहुंचे, बल्कि इस बात से देखा जाता है कि आपने कितनों को अपने साथ ऊपर उठाया है। सफलता में विनम्रता और आपकी समृद्धि में सेवा की भावना होनी चाहिए। दीक्षांत समारोह में अपने विचार प्रकट करते हुए एमडी यूनिवर्सिटी रोहतक के कुलपति प्रो. राजबीर सिंह ने कहा टीआईटी महर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय परिवार का गौरव है और हमारे सहयोगी संस्थानों में अग्रणी स्थान रखता है। यह संस्थान शिक्षा, उद्योग और अनुसंधान के बीच एक सशक्त सेतु के रूप में कार्य कर रहा है।

संस्थान के अध्यक्ष आरके डालमिया ने कहा कि टीआईटी संस्थान का ध्येय केवल ज्ञानार्जन तक सीमित नहीं है, बल्कि ऐसे युवा तैयार करना है जो आत्मनिर्भर, संवेदनशील और दूरदर्शी हों। उद्योग और शिक्षा जगत के बीच साझेदारी को सशक्त बनाना हमारा सतत् प्रयास है। संस्थान के निदेशक प्रो. बीके बेहेरा ने कहा कि यह गौरव का विषय है कि टीआईटीएस ने शिक्षा, अनुसंधान और नवाचार को एक ही सूत्र में पिरोया है। यह संस्थान तकनीकी उत्कृष्टता के साथ-साथ मानवीय मूल्यों को भी समान महत्व देता है। उनका लक्ष्य है कि यहां का प्रत्येक विद्यार्थी अपने क्षेत्र में न केवल विशेषज्ञ बने, बल्कि समाज के लिए प्रेरणा का स्रोत भी बने।

दीक्षांत समारोह में संस्थान के एलुमनी एवं विभिन्न संस्थानों में उच्च मुकाम हासिल करने वाले आईएमजेएस सिद्धू (अध्यक्ष, वर्धमान टेक्सटाइल्स, बद्दी), अनिल जैन (चेयरमैन, जैन कॉर्ड्स), हरीश सर्राफ (संस्थापक एवं सीईओ, निप्पॉन डेटा सिस्टम्स), और सुभाष भार्गव (प्रबंध निदेशक, कलरेंट) को राज्यपाल ने टीआईटीएस संस्थान की तरफ से सम्मानित किया। लक्ष्मण गौड़ के नेतृत्व में राज्यपाल प्रो. घोष को स्काऊट एंड की टुकड़ी ने पायलेट किया।

इटली-आधारित मलकीत सिंह की हत्या में शामिल दो केएलएफ गुर्गे अमृतसर से गिरफ्तार; पांच हथियार बरामद

● गिरफ्तार आरोपी बिक्रमजीत 2018 में राजा सांसी स्थित एक धार्मिक स्थल पर हुए ग्रेनेड हमले में भी शामिल था : डीजीपी गौरव यादव

चंडीगढ़/अमृतसर । मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के निर्देशों के तहत पंजाब को सुरक्षित राज्य बनाने के लिए चल रहे अभियान के दौरान एक बड़ी सफलता हासिल करते हुए, अमृतसर ग्रामीण पुलिस ने इटली-आधारित मलकीत सिंह की हत्या में शामिल दो आरोपियों को अमृतसर के राजा सांसी क्षेत्र से गिरफ्तार कर उनके कब्जे से पांच आधुनिक हथियार बरामद किए हैं। यह जानकारी आज यहां पंजाब पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) गौरव यादव ने दी।

गिरफ्तार किए गए व्यक्तियों की पहचान बिक्रमजीत सिंह उर्फ बिक्रम, निवासी गांव धारीवाल, अमृतसर, और करणबीर सिंह, निवासी गांव सैसरा कलां, अमृतसर के रूप में हुई है। बरामद हथियारों में एक विदेशी .30 बोर पी एक्स5 पिस्तौल, एक .30 बोर पिस्तौल, एक विदेशी .45 बोर पिस्तौल, एक .32 बोर पिस्तौल, एक रिवॉल्वर और 20 जिंदा कारतूस शामिल हैं। जानकारी के अनुसार, 1 नवंबर 2025 की शाम करीब 7 बजे मलकीत सिंह अपने पिता के साथ गांव धारीवाल में खेतों में गेहूं की बुवाई कर रहा था, तभी दो अज्ञात व्यक्तियों ने उस पर गोलियां चला दीं। गंभीर रूप से घायल होने के कारण मलकीत सिंह ने अस्पताल में दम तोड़ दिया।

डीजीपी गौरव यादव ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी बिक्रमजीत सिंह आतंकी संगठन खालिस्तान लिबरेशन फोर्स (केएलएफ) से जुड़ा हुआ है और उसका पुराना आपराधिक रिकॉर्ड है। उस पर विस्फोटक अधिनियम, हत्या के प्रयास और आर्म्स एक्ट के तहत कई मामले दर्ज हैं। उन्होंने आगे बताया कि बिक्रमजीत 2018 में राजा सांसी स्थित एक धार्मिक स्थल पर हुए ग्रेनेड हमले में भी शामिल था। डीजीपी ने कहा कि प्रारंभिक जांच से पता चला है कि अपने विदेशी हैंडलरों के निर्देश पर आरोपी बिक्रमजीत ने पंजाब में सनसनीखेज अपराधों को अंजाम देने के लिए सीमा पार से अवैध हथियार मंगवाए थे। इस कार्रवाई के संबंध में और जानकारी साझा करते हुए डीआईजी बॉर्डर रेंज संदीप गोयल ने बताया कि विश्वसनीय सूचना के आधार पर एसएसपी मनिंदर सिंह की निगरानी में अमृतसर ग्रामीण पुलिस टीमों ने आरोपी बिक्रमजीत को गांव धारीवाल स्थित गुरुद्वारा साहिब के पास से गिरफ्तार किया। उन्होंने बताया कि बिक्रम के खुलासे के बाद दूसरे आरोपी करणबीर सिंह को कुकरांवाला के पास बस अड्डे से गिरफ्तार किया गया। इन पुलिस टीमों का नेतृत्व डीएसपी गुरिंदर नागरा कर रहे थे।

डीआईजी ने कहा कि केएलएफ के इन दो गुर्गों की गिरफ्तारी से पंजाब पुलिस ने राज्य में संभावित सनसनीखेज अपराधों की साजिश को नाकाम कर दिया है। एसएसपी मनिंदर सिंह ने बताया कि इस मामले में आरोपियों के अन्य नेटवर्क और कनेक्शनों का पता लगाने के लिए आगे जांच जारी है, ताकि पूरे मॉड्यूल का पर्दाफाश किया जा सके। उन्होंने कहा कि आने वाले दिनों में और गिरफ्तारियां और बरामदगियां संभव हैं।

इस संबंध में केस अमृतसर ग्रामीण के थाना राजा सांसी में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 103(1) और 3(5) तथा आर्म्स एक्ट की धारा 25 और 27 के तहत एफआईआर नंबर 177, दिनांक 2/11/2025 दर्ज किया गया है।

34.78 लाख लोगों तक पहुँची सामाजिक सुरक्षा योजनाओं की राशियाँ

● मंत्री के निर्देश — हर योग्य लाभार्थी तक पारदर्शी ढंग से पहुँचे सरकारी सहायता

चंडीगढ़ । पंजाब सरकार कमजोर वर्गों के कल्याण और सामाजिक सुरक्षा को सुनिश्चित करने के लिए लगातार प्रयासरत है। इसी सिलसले में, सामाजिक सुरक्षा, महिला एवं बाल विकास मंत्री डॉ. बलजीत कौर ने बताया कि चालू वित्त वर्ष के दौरान विभिन्न सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के अंतर्गत अब तक 3624.46 करोड़ रूपए की राशि जारी की जा चुकी है। उन्होंने बताया कि पंजाब सरकार ने वित्त वर्ष 2025ङ्क26 के लिए 6175 करोड़ रुपए का बजट प्रावधान किया है, ताकि सभी योजनाओं के लाभार्थियों को समय पर सहायता मिल सके। डॉ. बलजीत कौर ने जानकारी दी कि बुजुर्ग पेंशन योजना के अंतर्गत अब तक 2400.70 करोड़ रुपए की राशि जारी की जा चुकी है, जबकि इस योजना के लिए 4100 करोड़ रुपए का बजट निर्धारित किया गया है। इसके अलावा, विधवा और आश्रित महिलाओं को वित्तीय सहायता के रूप में 693.04 करोड़ रुपए, आश्रित बच्चों को 242.77 करोड़ रुपए, और दिव्यांग व्यक्तियों को 287.95 करोड़ रुपए जारी किए गए हैं। इस प्रकार इन योजनाओं के तहत कुल 1223.65 करोड़ रुपए की राशि जारी की जा चुकी है। इन वर्गों के लिए पंजाब सरकार द्वारा 2075 करोड़ रुपए का बजट प्रावधान किया गया है। उन्होंने बताया कि वर्तमान में राज्य के 34.78 लाख लाभार्थी विभिन्न सामाजिक सुरक्षा योजनाओं का लाभ उठा रहे हैं, जो यह दर्शाता है कि पंजाब सरकार जन-हित के प्रति पूरी तरह प्रतिबद्ध है। कैबिनेट मंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि मुख्यमंत्री श्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व में सरकार जनता के कल्याण के लिए समर्पित है। इसलिए हर योग्य लाभार्थी तक योजनाओं का लाभ पारदर्शी ढंग से पहुँचाना सुनिश्चित किया जाए।÷सरकार का हर कदम लोगों के जीवन को बेहतर बनाने की दिशा में है,÷ डॉ. बलजीत कौर ने कहा।

मुख्यमंत्री ने बटाला में नए बने तहसील कॉम्प्लेक्स को जनता को समर्पित किया

कहा, राज्य सरकार ने नागरिक केंद्रित सेवाएं प्रदान करने के एक नए युग की शुरुआत की है

बटाला (गुरदासपुर) । एक और महत्वपूर्ण नागरिक-केंद्रित पहल के तहत पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने आज यहां नए बने तहसील कॉम्प्लेक्स को जनता को समर्पित किया, जिसका उद्देश्य नागरिकों को एक ही छत के नीचे सभी सामान्य प्रशासनिक सेवाएं प्रदान करना है।

पत्रकारों से बातचीत करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि नया तहसील कॉम्प्लेक्स 10 करोड़ रुपये की लागत से तैयार हुआ है। उन्होंने कहा कि वे स्वयं को सौभाग्यशाली मानते हैं कि उन्हें इस पवित्र शहर के विकास में योगदान देने का अवसर मिला है। मुख्यमंत्री ने बताया कि इस नए कॉम्प्लेक्स के निर्माण से अब 314 गांवों के लोग एक ही स्थान पर विभिन्न सरकारी सेवाओं का लाभ उठा सकेंगे।

भगवंत सिंह मान ने कहा कि बटाला उपमंडल के अलावा विधानसभा क्षेत्र फतेहगढ़ चूड़ियां, कादियां, श्री हरगोबिंदपुर साहिब और बटाला के साथ-साथ डेरा बाबा नानक और काहनूवां के कुछ गांव इस तहसील के अधिकार क्षेत्र में आते हैं।

उन्होंने कहा कि इस प्रकार छह विधानसभा क्षेत्रों के निवासियों को इस सुविधा का लाभ मिलेगा। मुख्यमंत्री ने बताया कि इस कॉम्प्लेक्स की नींव 4

जनवरी 2024 को रखी गई थी और यह डेढ़ एकड़ भूमि में बनाया गया है। उन्होंने कहा कि इस तहसील कॉम्प्लेक्स में एसडीएम, तहसीलदार, कानूनगो और पटवारियों के कार्यालयों के साथ एक नागरिक सेवा केंद्र भी स्थापित किया गया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इस कॉम्प्लेक्स में एक अत्याधुनिक ई-रजिस्ट्री कार्यालय भी बनाया गया है और जनता की सुविधा के लिए लिफ्ट की भी व्यवस्था की गई है। उन्होंने बताया कि यहां आरामदायक बैठने की व्यवस्था, साफ पेयजल की सुविधा और एक उत्कृष्ट प्रतीक्षालय (वेटिंग रूम) भी बनाया गया है। उन्होंने कहा कि यह नया तहसील कॉम्प्लेक्स न्यायिक परिसर और पुलिस लाइन के पास स्थित है, जिससे नागरिकों के प्रशासनिक कार्य और भी सरल हो जाएंगे। एक प्रश्न के उत्तर में मुख्यमंत्री ने कहा कि केंद्र में भाजपा के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार पंजाब विश्वविद्यालय में पिछले दरवाजे से प्रवेश करने का प्रयास कर रही है, लेकिन राज्य सरकार किसी भी कीमत पर ऐसा होने नहीं देगी। उन्होंने कहा कि आरंभ से ही चंडीगढ़ स्थित पंजाब विश्वविद्यालय हमारे राज्य की भावनात्मक, सांस्कृतिक, साहित्यिक और समृद्ध विरासत का हिस्सा रहा है। उन्होंने अफसोस जताया कि विश्वविद्यालय के अस्तित्व को बदलने के लिए लगातार कोशिशें की जा रही हैं, परंतु पंजाब सरकार विद्यार्थियों के व्यापक हितों को ध्यान में रखते हुए ऐसे किसी भी प्रयास को सफल नहीं होने देगी।

संपादकीय

आवारा कुत्तों को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने दिखाया सख्त रुख

उच्चतम न्यायालय ने आवारा कुत्तों को लेकर एक बार फिर जो कहा है, वह जन सुरक्षा के लिहाज से अहम है। दरअसल, संस्थागत क्षेत्रों और राजमार्गों से इन्हें हटाने के आदेश को व्यापक परिप्रेक्ष्य में लेने की जरूरत है। इसमें कोई दोराय नहीं कि न केवल राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, बल्कि देशभर में आवारा कुत्तों की समस्या गंभीर है। इस संबंध में मीडिया रपटों को अदालत ने कुछ समय पहले संज्ञान में लिया था। तब अदालत ने स्पष्ट कर दिया था कि लोगों की सुरक्षा से कोई समझौता नहीं किया जाएगा। इस बार भी अदालत ने अपने आदेश में जन सुरक्षा को केंद्र में रखा है।

गौरतलब है कि शीर्ष अदालत की विशेष पीठ ने शुक्रवार को आवारा कुत्तों के मामले में कई बातें कहीं। अदालत ने शैक्षणिक केंद्रों, अस्पतालों, रेलवे स्टेशनों और बस अड्डों जैसे संस्थागत क्षेत्रों में कुत्तों के काटे जाने की बढ़ती घटनाओं को संज्ञान में लिया है। इस बार अधिकारियों को सचेत किया गया है। न्यायालय ने भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण सहित सभी प्राधिकारियों को आदेश दिया है कि राजमार्गों से आवारा कुत्तों और अन्य मवेशियों को हटा कर निर्दिष्ट आश्रय स्थलों में ले जाया जाए। नगर निकायों के माध्यम से ऐसे संस्थागत क्षेत्रों की पहचान करनी होगी जहां आवारा कुत्ते पाए जाते हैं। मनुष्य और पशु के बीच लगातार जटिल होते इस मसले पर अदालत ने सख्त रुख दिखाया है। आवारा कुत्तों का प्रबंधन, सुरक्षा और स्वास्थ्य उसकी प्राथमिकता में हैं। सवाल है कि गंभीर होती गई इस समस्या के लिए कौन जिम्मेदार है? यह कहना गलत न होगा कि पशु जन्म नियंत्रण नियमों को गंभीरता से लिया गया होता, तो आवारा कुत्तों की संख्या बेतहाशा नहीं बढ़ती और न ही उन्हें सड़कों से उठाने की नौबत आती। हालांकि पिछली बार अदालत ने अपने संशोधित आदेश में कुत्तों के बंध्याकरण और टीकाकरण के बाद उन्हें उसी जगह छोड़ने का निर्देश दिया था।

भारत की रेल पटरियां देश की धमनियां कही जाती हैं, जो प्रतिदिन करोड़ों लोगों को उनके गंतव्य तक पहुंचाती हैं, जो अर्थव्यवस्था का इंजन चलाती हैं, जो इस विशाल देश की सामाजिक-सांस्कृतिक एकता का प्रतीक हैं लेकिन जब इन्हीं पटरियों पर बार-बार मौत की चीखें गूंजती हैं तो सवाल केवल हादसों का नहीं रहता बल्कि उस पूरे तंत्र की आत्मा पर उठता है, जिसने सुरक्षा को केवल एक चुनावी 'घोषणापत्र' सरीखा बनाकर रख दिया है। बिलासपुर के लालखदान में हुआ हालिया रेल हादसा इसी गहरी लापरवाही का ताजा उदाहरण है, जहां एक मेमू ट्रेन मालगाड़ी से टकरा गई, 11 यात्रियों की मौत हो गई और 25 से ज्यादा घायल हो गए। इंजन मालगाड़ी के गार्ड केबिन पर चढ़ गया और वह मंजर किसी युद्धस्थल से कम नहीं था।

आखिर कब खत्म होगी रेल दुर्घटनाएं

योगेश कुमार गोयल

छत्तीसगढ़ के बिलासपुर की यह दुर्घटना देश के लिए महज एक और संख्या नहीं है बल्कि इस बात की प्रतीक है कि भारत के रेल तंत्र में तकनीक, सतर्कता और जवाबदेही का घोर अभाव है। बिलासपुर कलेक्टर के अनुसार, ट्रेन कोरबा से बिलासपुर के लिए रवाना हुई थी और गतौरा-बिलासपुर के बीच मालगाड़ी से टकरा गई। इस टक्कर ने एक बार फिर यह उजागर कर दिया कि देश में रेलवे की सुरक्षा व्यवस्था आज भी 'कागज पर कवच' से ज्यादा कुछ नहीं है। इस हादसे की भयावहता के साथ ही जब हम इसी साल के कुछ अन्य रेल हादसों पर नजर डालते हैं, तो एक सिहरन सी उठती है। महाराष्ट्र के ठाणे में जून 2025 में चार यात्रियों की मौत केवल इसलिए हुई थी क्योंकि भीड़भाड़ वाली दो लोकल ट्रेनों में पायदान पर लटकते यात्रियों के बैग आपस में टकरा गए थे। बिहार के कटिहार में जून 2025 में अवध असम एक्सप्रेस रेलवे ट्रॉली से टकरा गई, जिससे एक ट्रॉलीमैन की मौत और चार कर्मचारी गंभीर घायल हुए। मार्च में ओडिशा के कटक जिले में बेंगलुरू-कामाख्या सुपरफास्ट एक्सप्रेस के 11 डिब्बे पटरी से उतर गए थे। अप्रैल 2025 में झारखंड के साहेबगंज में दो मालगाड़ियों की टक्कर में दो लोगों की मौत हुई। जुलाई 2025 में उसी जिले के बरहड़वा में बिना लोको पायलट की 14 बोगियां तेज रफ्तार से दौड़ती हुई दूसरी मालगाड़ी से जा टकराईं। बिलासपुर का हादसा तो इस साल का सबसे बड़ी रेल दुर्घटना बन चुका है। यह स्पष्ट संकेत है कि हादसे अब अपवाद नहीं बल्कि एक भयानक पैटर्न बन चुके हैं। हर बार

रेल मंत्रालय बयान देता है, 'दोषियों पर कार्रवाई होगी', 'मुआवजा दिया जाएगा', 'जांच समिति गठित की गई है', और फिर कुछ ही दिनों में सब भुला दिया जाता है। सवाल है कि क्या रेलवे अब केवल 'प्रतिक्रिया देने वाला तंत्र' बन गया है, जहां कार्रवाई केवल तभी होती है, जब हादसा हो चुका होता है? भारत में रेल हादसों का इतिहास उतना ही पुराना है, जितनी रेल सेवा स्वयं। भारत में हर साल बहुत बड़ी संख्या में होने वाले रेल हादसों में से करीब 70 प्रतिशत हादसे मानव त्रुटि के कारण होते हैं यानी कि या तो सिग्नलिंग सिस्टम में गलती या ट्रैक निरीक्षण में लापरवाही या फिर ट्रेन संचालन में मानवीय भूल। शेष हादसे तकनीकी खराबी, पुरानी पटरियों, रखरखाव की कमी और ओवरलोडिंग के कारण होते हैं।

इन तथ्यों से यह साफ हो जाता है कि भारत की रेल प्रणाली में सुरक्षा संस्कृति का अभाव है। यहां तकनीक पर निवेश से अधिक जोर घोषणाओं पर है। बीते वर्षों से 'कवच' सिस्टम को लेकर खूब प्रचार किया गया, कहा गया कि यह एक ऐसा स्वदेशी एंटी-कोलिजन सिस्टम है, जो दो ट्रेनों को टकराने से बचाएगा लेकिन आज की हकीकत यह है कि देश के केवल 4 प्रतिशत रेल नेटवर्क पर ही कवच लागू हुआ है, बाकी 96 प्रतिशत ट्रैक आज भी मानव सतर्कता पर निर्भर हैं और यही सबसे बड़ा खतरा है। रेल प्रशासन का रवैया भी उतना ही असंवेदनशील है। हादसे के बाद मृतकों के परिजनों को मुआवजा देने की घोषणा कर दी जाती है लेकिन यह मुआवजा न किसी बच्चे को उसका पिता लौटा सकता है, न किसी पत्नी को उसका पति, न किसी मां को उसका बेटा। जरूरत मुआवजे की नहीं, जवाबदेही की है।

यह दुर्भाग्य है कि जिस भारतीय रेलवे को 'विश्व की चौथी सबसे बड़ी रेल व्यवस्था' कहा जाता है, वहां अब भी अधिकांश ट्रैक ब्रिटिश कालीन तकनीक पर चल रहे हैं। ट्रेन ड्राइवरों को 8 से 12 घंटे तक बिना विश्राम रेल चलाने की मजबूरी, सिग्नलिंग उपकरणों की खराबी और निरीक्षण प्रणाली की औपचारिकता, ये सब मिलकर दुर्घटना की जमीन तैयार करते हैं। ऐसी किसी भी घटनां के बाद हर बार राजनीतिक बयानबाजी शुरू होती है, रेल मंत्री हादसे की उच्चस्तरीय जांच का ऐलान करते हैं और कुछ हफ्तों बाद कोई नई परियोजना या वंदे भारत उद्घाटन के बीच वह घटना जनता की स्मृति से मिट जाती है लेकिन जो परिवार अपनों को खो चुके होते हैं, उनके लिए वह हादसा जीवनभर की सजा बन जाता है।

भारत में आज रेलवे की सबसे बड़ी आवश्यकता है सुरक्षा का वास्तविक आधुनिकीकरण। केवल कवच सिस्टम ही नहीं बल्कि ट्रैक मॉनिटरिंग के लिए ड्रोन सर्वे, स्वचालित सिग्नलिंग, लोको पायलट के थकान-निगरानी उपकरण और रीयल-टाइम संचार प्रणाली की अनिवार्यता। 2024 में रेलवे ने दावा किया था कि 2027 तक 50,000 किलोमीटर नेटवर्क कवच से लैस होगा लेकिन आज की प्रगति देखकर यह लक्ष्य किसी दिवास्वप्न जैसा लगता है। नवंबर 2024 तक कवच सिस्टम लगभग 1,548 किलोमीटर ट्रैक पर लागू हो चुका था और उसके बाद से धीमी गति से इसका विस्तार जारी है। ऐसे में 2027 तक 50,000 किलोमीटर कवच से लैस करने का लक्ष्य प्राप्त करना अभी बहुत चुनौतीपूर्ण दिख रहा है और लक्ष्य से काफी पीछे है। विस्तृत कवच नेटवर्क के लिए काफी संसाधन और समय की आवश्यकता है। सवाल यह भी है कि जब देश अंतरिक्ष में चंद्रयान उतार सकता है तो पटरियों पर सुरक्षित यात्रा क्यों नहीं सुनिश्चित कर सकता? यह केवल तकनीक का नहीं, प्राथमिकता का प्रश्न है। जब तक सुरक्षा को मुनाफे से ऊपर नहीं रखा जाएगा, जब तक रेल बजट में सुरक्षा खंड को लागत नहीं बल्कि निवेश नहीं माना जाएगा, तब तक यह रक्तरंजित यात्रा जारी रहेगी।

बहरहाल, अब समय आ गया है, जब रेल हादसों को मात्र दुर्घटनाएं कहकर टाला नहीं जा सकता क्योंकि ये घटनाएं अब प्रशासनिक अपराधों का रूप ले चुकी हैं। हर साल निर्दोष नागरिकों की जानें जाती हैं और जिम्मेदारी जांच रिपोर्टों की धूल में दबी रह जाती है। देश को अब उस मानसिकता से बाहर निकलना होगा, जहां 'हादसे के बाद कार्रवाई' ही नीति बन चुकी है। आवश्यकता है ऐसी व्यवस्था की, जो दुर्घटनाओं से पहले सतर्कता और रोकथाम सुनिश्चित करे। यात्रियों की सुरक्षा कोई दया नहीं, उनका संवैधानिक अधिकार है, जो केवल कागज पर नहीं, पटरियों पर भी सुरक्षित होना चाहिए। जब तक हर ट्रेन यात्रा भय से नहीं, विश्वास से शुरू और समाप्त नहीं होती, तब तक भारतीय रेल प्रगति की नहीं, असंवेदनशीलता की प्रतीक बनी रहेगी। सच्चा विकास तभी होगा, जब हर गंतव्य तक पहुंचने वाली ट्रेन हर यात्री को सुरक्षित जीवन की गारंटी दे सके।

मुस्कुराकर शुरू की गई बातचीत का असर सबसे गहरा होता है

चंदन कुमार चौधरी

उम्मीद लेकर हमारे पास मुस्कुराते हुए पहुंचे किसी कनिष्ठ कहे-माने जाने वाले व्यक्ति से बातचीत शुरू हो और उसे शुरुआत में ही डांट-फटकार की भाषा या सख्त लहजे में कुछ कहा जाए, तो इसका सामान्य असर क्या पड़ता है? आमतौर पर होगा यही कि उस कनिष्ठ व्यक्ति का उत्साह मंद हो जाएगा और उसके चेहरे से मुस्कुराहट जाती रहेगी। उसके बाद वह बातचीत तो करेगा, लेकिन हमें वरिष्ठ मानते हुए एकतरफा तौर पर वह हमारी बात को ध्यानपूर्वक सुनेगा।

इसे एक मामूली-सा उदाहरण कहा जा सकता है, लेकिन व्यवहार में इसका महत्त्व बड़ा होता है। इस तरह के असामान्य व्यवहार से किसी के कोमल मन को गहरा दुख पहुंच सकता है। वह यह सोचने पर मजबूर हो सकता है कि सामने वाला यह बात सामान्य तरीके से भी तो कह सकता था! पता नहीं, किस कारण से उसने ऐसा किया!

छोटा हो या बड़ा, हर किसी की यह दिली ख्वाहिश होती है कि उसके साथ सम्मानजनक तरीके से बातचीत की जाए। ऐसी इच्छा रखने वाले लोग समाज में हर जगह होते हैं। चाहे घर हो या कार्यालय, सफर में हों या रेस्तरां में। एक छोटी-सी इच्छा यही रहती है कि उसे प्यार मिले, सम्मान मिले, लेकिन इसके उलट उसके साथ दुर्व्यवहार करने वाले लोग यह भूल जाते हैं कि अगर उनके साथ भी कोई दूसरा व्यक्ति ऐसा ही करे, तब उन्हें कैसा महसूस होगा। अगर कोई कनिष्ठ व्यक्ति सम्मान और प्यार की भूख रखता है, तो वरिष्ठ माने जाने वाले लोगों की तो यह स्वाभाविक इच्छा होगी?

अगर कोई व्यक्ति ऐसा सोचता है तो यह एक स्वाभाविक लालसा है। मगर हम सामने वाले को सम्मान नहीं दे पा रहे हैं और चाहते हैं कि हमें सम्मान मिलता रहे तो यह संभव नहीं हो पाता। एकतरफा कुछ भी लंबा नहीं चलता। अगर हम ऊंचे पद पर बैठे हों, तो डरा-धमका कर या किसी की मजबूरी का फायदा उठा कर सामने वाले व्यक्ति से सम्मान पाते हुए दिख भी जाएं, लेकिन यह दिखावे से ज्यादा कुछ नहीं होता। यह स्थायी भी नहीं होता। जिस दिन हमारा यह पद जाएगा, सामने वाला व्यक्ति हमारा सम्मान करना बंद कर देगा। शायद इसलिए कहा जाता है कि हम इज्जत कमा सकते हैं, लेकिन किसी से छीन नहीं सकते हैं।

यों भी, इज्जत कमाना कोई आसान काम नहीं होता। इसके लिए अपने अहंकार को दरकिनार करना पड़ता है। मन को उदार बनाना पड़ता है। संकुचित सोच से दूर होना पड़ता है। अपनी अवधारणाओं पर विचार करना और जरूरी होने पर उसे तोड़ना पड़ता है। ये सब बातें व्यक्ति के भीतर तभी आ पाती हैं, जब उसके माता-पिता ने उसे इस तरह के संस्कार दिए हों या उसने अभ्यास कर खुद को इस तरह का बनाया हो। जो व्यक्ति ऐसा नहीं कर पाता है, उसे सामने वालों से ढेरों शिकायतें रहती हैं। उसे लगता है कि मुझे वह नहीं मिल पा रहा है, जो मुझे मिलना चाहिए।

हालांकि इस तरह सोचते समय वह यह ध्यान में नहीं रखता है कि वह खुद भी किसी के साथ उचित व्यवहार नहीं कर रहा है। वह अधिकार की बात तो सोचता है, लेकिन यह भूल जाता है कि उसके कुछ कर्तव्य भी हैं। अगर हम अपने कर्तव्य को पूरा न करें और अधिकार की ही बातें करते रहें, तो यह बेमानी हो जाता है।

कई बार देखा जाता है कि लोग हमेशा समाज, कार्यस्थल, परिवार, कुटुंब या जीवन में कहीं भी ऐसे व्यक्ति को याद करते हैं, जो सद्व्यवहार वाले हों। भले ही उस व्यक्ति से किसी के हितों की पूर्ति हो पा रही हो या नहीं। वे उसके गुणों को सराहते हैं।

ऐसे व्यक्ति जब संसार से चले जाते हैं या दोनों के बीच स्थान की भी दूरी हो जाती है, तब भी वे उसे याद करते हैं। सम्मान देने वाले को व्यक्ति अपने सुख और दुख, सब तरह की बात आसानी से बता देते हैं। यहां तक कि मालिक और नौकर के बीच में भी एक दूसरे को बराबर सम्मान देने की स्थिति होती है, तो बेहतर संबंध बन जाता है और कई बार उनका रिश्ता पिता-पुत्र की तरह का हो जाता है। दूसरी ओर, दुर्व्यवहार करने वाले व्यक्ति केवल आलोचना के ही पात्र होते हैं। उन्हें मन से कोई पसंद नहीं करता है।

शिक्षक, माता-पिता, वरिष्ठ जन और समाज के गणमान्य व्यक्ति हमेशा यह कहते पाए जाते हैं कि सम्मान देने से सम्मान मिलता है। अगर किसी को कुछ दे नहीं सकते हो, तो कम से कम सम्मान तो दे ही दिया जाए। इसमें कुछ लगता नहीं है। सिर्फ दो मीठे बोल काफी होते हैं। और अगर इतना भी नहीं कर सकते हैं, तो कम से कम किसी के साथ दुर्व्यवहार तो नहीं ही करना चाहिए, उसके मन को कष्ट नहीं पहुंचाना चाहिए या उसका अपमान नहीं करना चाहिए। मनुष्य के भीतर एक मन होता है जो बहुत कोमल होता है।

उसे सुख-दुख और अच्छाई-बुराई का अनुभव होता है। किसी व्यक्ति को दुख पहुंचाने से किसी को कोई लाभ मिलता हो, ऐसा नहीं है। मगर कुछ लोगों के अहं की कैद इतनी प्रबल होती है कि वर्चस्व के मानस में जीते हुए वे इस सवाल पर सोचते भी नहीं। अगर हम किसी को सम्मान देते हैं, तो बदले में हमें सम्मान मिलता है। ऐसा करना कोई बहुत मुश्किल काम नहीं है।

वर्ग पहेली 5907

संकेतः बाएं से दाएं

1. विश्व का एकमात्र देश जिससे होकर भूमध्य रेखा और मकर रेखा दोनों ही गुजरती है (3)
4. इस देश का मॉण्ट्रियल शहर सेंट लौरेंस नदी के किनारे बसा है (3)
7. हमवार (4)
9. चमक, अंगदीप्ति, जलाल (3)
10. नामधारण करने वाला, नामधारी (3)
12. अनुभवहीन सरल, नादानी (3)
14. कई संख्याओ का जोड़, योग, तुला (3)
16. व्यायाम, ड्रिल, वर्जिश (4)
18. नमूने के तौर पर बनाया गया, खुरदरा (2)
19. थोड़ा, कम, न्यून (2)
20. हजरत मुहम्मद की छंदोबद्ध स्तुति (2)
21. डकैती, लूट (4)
23. हिसाब-किताब लिखने वाला कर्मचारी, अभिकर्ता (3)
24. हरजत मूसार के धर्म का अनुयायी (3)

ऊपर से नीचे

1. पीतल को अंग्रेजी में यह कहते है (2)
2. भोजन करने की क्रिया को यह भी कहते है (3)
3. पैरो से कुचलना, पैर का आघात (5)
4. चरण स्पर्श करना, पांव चूमना, बड़े व्यक्ति से मुलाकात (उर्दू) (5)
5. ख्याति, नामवारी, शोहरत, संज्ञा (2)
6. पत्र आदि पहुंचाने की सरकारी व्यवस्था (2)
8. भाग्य को अंग्रेजी में यह कहते है (2)
11. धनवान, रईस, मालदार, जिसके पास अपार संपत्ति हो (3)
12. जिसकी कल्पना न की जा सकें (5)
13. रखना, स्थिर करना (3)
15. जिससे केसर पड़ा हो, केसरिया (4)
17. ऐसा वाद्य जिसमें तार लगे हों (2)
19. पुराणनुसार एक सूर्यवंशी राजा जो दशरथ के पिता थे, जो श्रीरामचंद्र के दादा थे (2)
22. उत्तम पुरूष बहुवचन सर्वनाम सूचक शब्द (2)

वर्ग पहेली 5906 का हल

ब्रा	य	न	ला	रा		ना	का
स	म		रा	ज	द		म
	ज	ल	द		ह	वा	ना
जि		स	त्ता	धी	श		
रा		ल		मा	त	ह	त
फ	र	सा		प		ल	
	क		स	न	म	क	दा
इ	बा	द	त		ति		सी

भारत में राज्य सरकारों के ऋणों में भारी वृद्धि इन राज्यों की अर्थव्यवस्था को ले डूबेगी

प्रह्लाद सबनानी

किसी भी नागरिक, वाणिज्यिक संस्थान, राज्य सरकार अथवा केंद्र सरकार द्वारा उत्पादक कार्यों के लिए बाजार से ऋण लेना केवल तब तक ही सही हैं जब तक बाजार से लिए गए ऋण से कम से कम उस स्तर तक आय का अर्जन हो कि इस ऋण के ब्याज एवं किश्त का भुगतान इस आय से आसानी से किया जा सके। परंतु, किसी भी व्यक्ति अथवा संस्थान द्वारा बाजार से ऋण यदि अनुत्पादक कार्य के लिए लिया जा रहा है तो इस ऋण के ब्याज एवं किश्त का भुगतान करना निश्चित ही मुश्किल कार्य हो सकता है। आज भारत के कुछ राज्यों की बजटीय स्थिति पर भारी दबाव पड़ता हुआ दिखाई दे रहा है क्योंकि इन राज्यों ने बाजार से भारी मात्रा में ऋण लिया हैं एवं इस ऋण का उपयोग अनुत्पादक कार्यों यथा बिजली के बिल माफ करना, नागरिकों के खातों में सीधे राशि जमा करना, मुफ्त पानी उपलब्ध कराना, कुछ पदार्थों पर सब्सिडी उपलब्ध कराना, आदि के लिए किया जा रहा है। इन राज्यों की स्थिति इस कदर बिगड़ चुकी है कि इन्हें ऋणों पर अदा किए जाने वाले ब्याज एवं किश्तों के भुगतान हेतु भी ऋण लेना पड़ रहा हैं। यदि कुछ और वर्षों तक इन राज्यों की यही स्थिति बनी रही तो निश्चित ही यह राज्य दिवालिया होने की स्थिति में पहुंच जाने वाले हैं।

हाल ही के कुछ वर्षों में केंद्र सरकार द्वारा भी बाजार से ऋण लेने की राशि में वृद्धि देखी जा रही है। वर्ष 2019 में केंद्र सरकार पर 1.74 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर का ऋण बक़ाया था जो वर्ष 2025 में, लगभग दुगना होते हुए, बढ़कर 3.42 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर का हो गया है और वर्ष 2029 तक इसके 4.89 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर तक हो जाने की सम्भावना व्यक्त की जा रही है। भारत का सकल घरेलू उत्पाद आज 4.19 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर पर पहुंच गया है। इस प्रकार, भारत सरकार का ऋण, भारत के सकल घरेलू उत्पाद के 80 प्रतिशत के स्तर को पार कर गया है। केंद्र सरकार एवं राज्य सरकारों की निर्भरता ऋण पर लगातार बढ़ती हुई दिखाई दे रही है जिसे देश की अर्थव्यवस्था के स्वास्थ्य की दृष्टि से उचित नहीं कहा जा सकता है। आज केंद्र सरकार पर 200 लाख करोड़ रुपए की राशि का ऋण बक़ाया है एवं समस्त राज्य सरकारों पर 82 लाख करोड़ रूपए का ऋण बकाया है, इस प्रकार केंद्र एवं राज्य सरकारों पर संयुक्त रूप से 282 लाख करोड़ रुपए का ऋण बक़ाया है जो देश के सकल घरेलू उत्पाद का 81 प्रतिशत है।

एक तरह से भारतीय अर्थव्यवस्था ऋण के ऊपर विकसित की जा रही है। जबकि, भारतीय आर्थिक दर्शन ऋण पर निर्भरता को प्रोत्साहन नहीं देता है। चाणक्य के अर्थशास्त्र में, राजा के पास कोष में आधिक्य होने का वर्णन मिलता है। राजा के पास यदि ऋण के स्थान पर कोष का आधिक्य होगा तब वह राज्य अपने नागरिकों के कल्याण पर अधिक राशि खर्च करने की स्थिति में रहेगा। अर्थात, प्राचीन भारत में राज्यों का आधिक्य का बजट रहता था, उसी स्थिति में वे राज्य अपने नागरिकों के कल्याण के कार्यों को तेज गति से चलाने की स्थिति में रहते थे। राज्य का खजाना ही यदि खाली हो तो वे किस प्रकार से राज्य के नागरिकों के लिए भलाई के कार्य कर सकते हैं।

आज का राशिफल

मेष

आज फिजूल के खर्चे से बचना होगा। किसी व्यक्ति, बैंक या संस्था से ऋण सोच समझकर लें। पुराने मित्रों का सहयोग मिलेगा और अच्छे मित्र भी बढ़ेंगे। आज पत्नी पक्ष से उत्तम सहयोग प्राप्त हो सकता है। रात्रि का समय परिवारजनों के साथ आमोद प्रमोद में बीतेगा।

वृष

आज के दिन बहुत व्यस्तता भरा रहने वाला है। आज ज्यादा भागदौड़ वाले कार्यों को करते समय सावधानी बरतें। पैर में चोट लगने की आशंका नजर आ रही है। आपकी निर्णय लेने की क्षमताओं के कारण आपको आज लाभ मिल सकता है। आज रुके हुए कार्यों की पूर्ति होगी।

मिथुन

किसी शारीरिक रोग से पीड़ित हैं तो आज के दिन आपके कष्टों में वृद्धि हो सकती है। आज आपके सामाजिक कार्यों में किसी प्रकार का व्यवधान दिख रहा है। हालांकि इस दौरान कुछ अकस्मात लाभ होने से आपकी धर्म, अध्यात्म के प्रति रुचि बढ़ेगी। संतान पक्ष से हर्षवर्धक समाचार मिलेगा।

कर्क

आज का दिन आपके लिए उत्तम रहने वाला है। आपके परिश्रम का अच्छा फल मिलेगा। संतान के प्रति आपका विश्वास और अधिक मजबूत होगा। आज ननिहाल पक्ष से प्रेम एवं विशेष सहयोग मिलने की संभावना है। आप अपनी शान शौकत के लिए धन खर्च करेंगे जिससे आपके शत्रु परेशान होंगे।

सिंह

आज मानसिक अशान्ति, खिन्नता एवं उदासीनता के कारण आप भटक सकते हैं। माता-पिता के सहयोग और आशीर्वाद से दिन के उत्तरार्ध में राहत मिलेगी। ससुराल पक्ष से आज नाराजगी के संकेत मिलेंगे। मधुर वाणी का प्रयोग करें अन्यथा सम्बन्धों में कटुता आ जाएगी। यदि नेत्रों से संबंधित कोई कष्ट है तो उसमें सुधार होता दिख रहा है।

कन्या

आज आप में निर्भीकता का भाव रहेगा तथा साहसपूर्वक अपने कठिन कार्यों को सम्पन्न करने में सक्षम रहेंगे। आपको अपने माता-पिता का सुख सहयोग प्राप्त होगा। पत्नी को शारीरिक कष्ट से कुछ आपको परेशानी हो सकती है। इस दौरान फालतू के खर्चों का योग भी बनता हुआ दिख रहा है।

तुला

आज का दिन आपके लिए शुभ फलकारक रहने वाला है। आपके अधिकार व संपत्ति में वृद्धि होगी। आप दूसरों के भले की सोचेंगे एवं दिल से सेवा भी करेंगे। नवम आय भाव में बृहस्पति मिथुन राशि का होकर विराजमान है अतः आज आप अपने गुरु के प्रति पूर्ण भक्ति भाव व निष्ठा रखें। आज नए कार्यों में इनवेस्ट करना आपके लिए शुभ रहेगा।

वृश्चिक

आज आपका मन अशांत एवं परेशान रहने वाला है। व्यापार वृद्धि के लिए किए गए प्रयास निष्फल हो सकते हैं। सायंकाल तक आप अपने धैर्य तथा प्रतिभा से शत्रु पक्ष पर विजय प्राप्त करने में सफल रहेंगे। राज्य में जुड़े किसी प्रकार के वाद विवाद में सफलता मिलने की पूर्ण संभावना है।

धनु

आज आपकी विद्या, बुद्धि, ज्ञान की वृद्धि होगी। आपके अंदर दान पुण्य एवं परोपकार की भावना विकसित होगी। आप धार्मिक अनुष्ठानों में रुचि लेकर पूर्ण सहयोग करेंगे। भाग्य की ओर से भी आपको पूर्ण सहयोग मिलेगा, आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। विकार के उभरने की संभावना है। ऐसे में सावधान रहें तथा खान पान पर सयंम बरतें।

मकर

आज आपको बहुमूल्य वस्तुओं की प्राप्ति होगी। इस दौरान कुछ ऐसे अनावश्यक खर्चे भी सामने आएंगे जो कि न चाहते हुए भी मजबूरी में करने पड़ेंगे। ससुराल पक्ष से मान सम्मान मिलेगा। अपने व्यवसाय में भी आपका मन लगेगा एवं रुके हुए कार्य पूर्ण हो जाएंगे। किसी नए कार्य में इनवेस्ट करना भविष्य में आपको लाभ देगा।

कुंभ

आज का दिन बुद्धि विवेक से नई-नई खोज करने में व्यतीत होगा। आप सीमित एवं आवश्यकतानुसार ही व्यय करें। आपको अपने परिवार के लोगों से विश्वासघात होने की संभावना है। सांसारिक सुख भोग, नौकर चाकरों का सुख पूर्ण रूप से मिलेगा। सायंकाल से लेकर रात्रि तक समीप की यात्रा भी हो सकती है, जो लाभकारी रहेगी।

मीन

आज चतुर्थ भाव में मिथुन राशि का बृहस्पति होने के कारण बहुत समय से लटका हुआ पुत्र या पुत्री से संबंधित किसी विवाद का हल निकल आएगा। खुशमिजाज व्यक्तित्व होने के कारण अन्य व्यक्ति आपसे सम्बन्ध बनाने की चेष्टा करेंगे। सामाजिक सम्मान मिलने से आपका मनोबल बढ़ा रहेगा। रात्रि में प्रियजनों व परिजनों से हास्य विनोद रहेगा।

आईपीओ में ऊंचे भाव पर बेचे गए शेयरों का मामला पकड़ रहा तूल

नई दिल्ली, एजेंसी। नायका, पेटीएम और लेंसकार्ट जैसे आईपीओ में ऊंचे भाव पर बेचे गए शेयरों का मामला अब तूल पकड़ रहा है। सेबी के पूर्णकालिक सदस्य कमलेश वार्ष्णेय ने कहा, आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) का मूल्यांकन कोई नियामकीय कमी नहीं है। लेकिन हमें यह देखना होगा कि खुदरा निवेशकों के हितों की रक्षा के लिए हम किस तरह से और अधिक सुरक्षा उपाय कर सकते हैं। बृहस्पतिवार को ही सेबी चेयरमैन तुहिन कांत पांडे ने भी आईपीओ में शेयरों के ऊंचे मूल्य को लेकर चिंता जताई थी। हालांकि, उन्होंने कहा कि आईपीओ मूल्यांकन में नियामक हस्तक्षेप नहीं करेगा।। इससे पहले विश्लेषकों और बड़े निवेशकों ने भी लेंसकार्ट आईपीओ के ऊंचे भाव को लेकर सवाल उठाया था। लेंसकार्ट का इश्यू 382–402 रुपये के भाव पर आया था। लिस्टिंग के बाद इसकी पूंजी 69,700 करोड़ रुपये होगी। यह 28.26 गुना भरा था। कमलेश वार्ष्णेय ने मुंबई में एक कार्यक्रम में कहा कि बाजार नियामक का पूंजीगत मुद्दे के नियंत्रण से दूर जाना एक सही कदम है, लेकिन एंकर निवेशकों की ओर से मूल्यांकन उचित, प्रभावी और कुशलतापूर्वक हो। मैं यह नहीं कह रहा हूं कि यह एक नियामक अंतर है, लेकिन यह विचार के लिए अच्छा है। चाहे इस समय किया जा रहा मूल्यांकन सही हो या नहीं। हमने देखा है कि बहुत सारे आईपीओ आ रहे हैं, जहां खुदरा निवेशक मूल्यांकन को लगातार चुनौती दे रहे हैं। वार्ष्णेय ने कहा, जब एंकर निवेशक मूल्यांकन कर रहे हों, तो सेबी को खुद को इससे दूर रखना चाहिए। जो वह कर रहा है और जो शायद सही भी है, लेकिन इस स्थिति से समझौता किए बिना हम यह कैसे सुनिश्चित कर सकते हैं कि एंकर निवेशकों द्वारा मूल्यांकन भी उचित, प्रभावी और कुशलतापूर्वक हो रहा है। हमें अल्पसंख्यक शेयरधारकों से बहुत सारी शिकायतें मिल रही हैं कि उनके हितों से समझौता किया गया है। यह एक और नियामकीय कमी है और मेरी राय में शायद सेबी को भविष्य में इस पर काम करना होगा।

अमेरिका में एयरपोर्ट्स का दिल्ली से भी बुरा हाल, 1200 से अधिक फ्लाइट्स कैंसिल

नई दिल्ली, एजेंसी। अमेरिका में सरकारी शटडाउन का असर अब आम लोगों पर भी पड़ने लगा है। शुक्रवार को इसकी वजह से 1,200 से ज्यादा फ्लाइट्स रद्द कर दी गईं। इससे यात्रियों को परेशानी हुई। थैंक्सगिविंग हॉलिडे में अब कुछ ही हफ्ते रह गए हैं और अगर शटडाउन जल्दी खत्म नहीं हुआ तो आने वाले दिनों में यह परेशानी और बढ़ सकती है। यह फ्लाइट कैंसिलेशन धीरे–धीरे होने वाली कटौती का पहला चरण है। यह 4 प्रतिशत से शुरू हुई है और अगले हफ्ते 10 प्रतिशत तक पहुंच सकती है। देश की सबसे बड़ी एयरलाइन कंपनी अमेरिकन एयरलाइंस ने 220 फ्लाइट्स रद्द कीं। डेल्टा ने भी करीब 170 फ्लाइट्स कम कर दीं जबकि साउथवेस्ट एयरलाइंस ने लगभग 100 फ्लाइट्स कैंसिल कर दीं।फ्लाइट अवेर के अनुसार गुरुवार को 6,800 से ज्यादा फ्लाइट्स लेट हुईं और 200 फ्लाइट्स रद्द भी हुईं। शटडाउन के कारण कई कर्मचारी बिना सैलरी के काम कर रहे हैं। ट्रंप प्रशासन ने एयर ट्रैफिक कंट्रोलर्स पर काम का बोझ कम करने के लिए फ्लाइट्स में कटौती करने को कहा था। अटलांटा, नेवार्क, डेनवर, शिकागो, ह्यूस्टन और लॉस एंजिल्स जैसे एयरपोर्ट सबसे ज्यादा प्रभावित हुए। सरकारी शटडाउन की वजह से कई सरकारी कर्मचारी या तो घर भेज दिए गए हैं या बिना तनख्वाह के काम कर रहे हैं।

वर्ल्ड बैंक ने भी माना, फाइनेंशियल सिस्टम पहले से ही मजबूत

नई दिल्ली, एजेंसी। वर्ल्ड बैंक की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि अगर भारत को 2047 तक 30 ट्रिलियन डॉलर की इकॉनमी बनना है, तो उसे फाइनैंशल सेक्टर में सुधारों को और तेजी देनी होगी। साथ ही, निजी पूंजी जुटाने को भी बढ़ावा देना होगा। वर्ल्ड बैंक की फाइनेंस सेक्टर असेसमेंट रिपोर्ट में यह माना गया है कि भारत के वर्ल्ड क्लास डिजिटल पब्लिक इन्फ्रास्ट्रक्चर और सरकारी प्रोग्राम्स ने पुरुषों और

महिलाओं दोनों के लिए वित्तीय सेवाओं की पहुंच को काफी बेहतर बनाया है।

रिपोर्ट में खास तौर पर महिलाओं के लिए बैंक खातों के इस्तेमाल को और बढ़ावा देने के लिए भी सुझाव दिए गए हैं। इसके अलावा आम लोगों और एमएसएमई (छोटे और मझोले कारोबार) के लिए अलग-अलग तरह के फाइनैंशल प्रोडक्ट्स तक पहुंच आसान बनाने की भी बात कही गई है।

पिटल मार्केट की बड़ी ताकत

वर्ल्ड बैंक की रिपोर्ट में इस बात पर जोर दिया गया है कि 2017 के पिछले असेसमेंट के बाद से भारत का फाइनैंशल सिस्टम ज्यादा मजबूत, डायवर्सिफाइड और समावेशी हुआ है। रिपोर्ट में कहा गया है कि तमाम सुधारों ने भारत को 2010 के दशक की मुश्किलों और कोरोना महामारी के असर से उबरने में मदद की। वित्त मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि भारत आईएमएफ वर्ल्ड बैंक की जॉइंट टीम द्वारा किए गए फाइनैंशल सेक्टर के इस मूल्यांकन का स्वागत करता है।कि पिछले एफएसएपी के बाद से कैपिटल मार्केट (इक्विटी, सरकारी बॉन्ड और कॉरपोरेट बॉन्ड) जीडीपी के 144 प्रतिशत से बढ़कर लगभग 175 प्रतिशत हो गया है।

अनिल अंबानी की एक साल पुरानी कंपनी में इस्तीफों की झड़ी

नई दिल्ली, एजेंसी। दिग्गज उद्योगपति अनिल अंबानी की मुश्किलें लगातार बढ़ती जा रही हैं। उनकी कंपनी रिलायंस पावर के रिन्यूएबल एनर्जी वेंचर रिलायंस एन यू एनर्जीज में हालात ठीक नहीं हैं। ईटी की एक रिपोर्ट के मुताबिक लॉन्च होने के करीब एक साल के अंदर ही कंपनी के सीईओ मयंक बंसल और सीओओ राकेश स्वरूप ने इस्तीफा दे दिया है। ये दोनों ही रिन्यूएबल एनर्जी सेक्टर की बड़ी कंपनी नवीकरण से आए थे। इन दोनों बड़े अधिकारियों के अलावा, करीब एक दर्जन और एग्जीक्यूटिव्स ने भी कंपनी छोड़ दी है। यह सब तब हो रहा है जब अनिल अंबानी और उनकी कंपनियों पर लॉ एनफोर्समेंट एजेंसियों की कार्रवाई तेज हो गई है। हाल ही में प्रवर्तन निदेशालय ने मनी लॉन्ड्रिंग के मामले में 7,500 करोड़ रुपये से ज्यादा की संपत्ति फ्रीज की थी। इसमें ऑफिस, घर और 132 एकड़ से ज्यादा जमीन शामिल है। इंडस्ट्री के एक सूत्र ने बताया कि अनिल अंबानी ग्रुप में चल रही उथल–पुथल के कारण एन यू एनर्जी यूनिट से कई लोगों ने नौकरी छोड़ दी है। ऐसे में नए लोगों को ढूंढने में थोड़ा समय लग सकता है। मयंक बंसल और राकेश स्वरूप ने इस बारे में कोई भी टिप्पणी करने से इनकार कर दिया। हालांकि रिलायंस पावर के एक प्रवक्ता ने ईमेल के जरिए बताया कि मयंक बंसल और राकेश स्वरूप ने 30 सितंबर को इस्तीफा दिया था ताकि वे अपने खुद के नए बिजनेस शुरू कर सकें।

विराट कोहली और अनुष्का शर्मा आए हैं खाने, न कोई बिजनेस डिग्री न कोई निवेशक

अनुभव के बिना खड़ा किया बेन्ने डोसा का साम्राज्य

नई दिल्ली, एजेंसी।
यह कहानी है फिल्म प्रोड्यूसर अखिल अय्यर और साइकॉलोजिस्ट श्रिया नारायण की। दोनों को डोसा कुछ ज्यादा ही पसंद था। वह कामकाज के सिलसिले में अपना घर छोड़ कर मुंबई शिफ्ट हुए। लेकिन वह अक्सर ऑथेंटिक अपने पसंदीदा डोसे के लिए भटकते रहते थे। उन्हें यह मिला नहीं। बस उन दोनों ने मिल कर मुंबई में ही एक ऐसा डोसा कैफे बना दिया जहां आप ऑथेंटिक बेंगलुरु डोसा का आनंद ले सकते हैं। उनका कैफे इतना फेमस हुआ कि वहां क्रिकेट विराट कोहली, रोहित शर्मा ही नहीं बल्कि फिल्म एक्ट्रेस अनुष्का शर्मा और दीपिका पादुकोण भी डोसा खाने पहुंचे हैं।

इस रेस्टोरेंट की कहानी के पीछे एक ऐसा कपल है जिनके पास मैनेजमेंट की कोई डिग्री नहीं थी, न ही कोई निवेशक उनके पीछे खड़ा था। यहां तक कि उनके पास रेस्टोरेंट चलाने का कोई अनुभव भी नहीं था। उनके पास बस एक ऐसी रेसिपी थी जिसका स्वाद घर जैसा था और एक ऐसा विश्वास था जो उनकी ज़िंदगी बदल सकता था। मुंबई के इस जोड़े ने, जो कभी शहर में अपने पसंदीदा दावणगेरे-स्टाइल डोसा को ढूंढने के लिए संघर्ष करते थे, एक ऐसा फ़ूड ब्रांड बनाया है जो अब हर महीने लगभग 1 करोड़ कमाता है। बिना एमबीए, रेस्टोरेंट के अनुभव या किसी निवेशक की फंडिंग के, अखिल अय्यर और श्रिया नारायण ने अपनी अच्छी-खासी नौकरियां छोड़ीं और एक छोटा सा डोसा कैफे खोला, जो अब एक वायरल सक्सेस स्टोरी बन गया है।

स्वाद की चाहत जिसने एक आइडिया को जन्म दिया: शादी के तुरंत बाद, यह जोड़ा मुंबई आ गया। वहां उन्हें बचपन में खाये अपने घर के स्वादिष्ट, कुरकुरे डोसे की याद आने लगी। पूरे शहर में ढूंढने के बावजूद, उन्हें बेंगलुरु-स्टाइल का ऑथेंटिक स्वाद कहीं नहीं मिला। यह निराशा उनके लिए एक टर्निंग पॉइंट साबित हुई। उन्होंने हार मानने के बजाय, खुद ही वह स्वाद बनाने का फैसला किया। अब सवाल उठा कि बचपन में खाये डोसा बनाना सिखाएगा कौन? तब अखिल ने बेंगलुरु का रूख किया। वहां के एवेन्यू रोड स्थित एक सीजंड डोसा मास्टर से इसे बनाने की ट्रेनिंग ली। उन्होंने वहां बेन्ने डोसा बनाने के लिए परफेक्ट बैटर बनाना सीखा, उसमें खमीर उठाने के लिए कितने समय तक रखना होगा, किस टैम्परेचर पर डोसा बनाएं तो करारा बनेगा आदि का लेसन सीखा। उसके बाद मुंबई लौट आए। इस सफलता के दम पर, जोड़े ने अपने पहले आउटलेट, बांद्रा में सफलता के बाद, जुहू में दूसरा आउटलेट भी खोला। इस बात का प्रमाण बन गई है कि साहस और निरंतरता औपचारिक योग्यता और बड़े पूंजी से ज़्यादा मायने रखती है। संस्थापकों का कहना है कि उनकी सफलता एक साधारण विश्वास से आई~ घर के स्वाद के प्रति सच्चे रहें और ग्राहक वापस ज़रूर आएंगे।

किचन के प्रयोगों से एक आरामदायक कैफे तक

मुंबई पहुंच कर तुरंत कैफे शुरू नहीं हो पाए। क्योंकि बिना किसी हॉस्पिटैलिटी अनुभव या औपचारिक ट्रेनिंग के, इस जोड़े ने अपने बैटर और चटनी को परफेक्ट बनाने में ही महीनों लगाए। उन्होंने कर्नाटक से खास भारी कास्ट–आयरन तवे मंगवाए ताकि उस पर डोसा सिंक कर वैसा ही कुरकुरा बन सके, जैसा वे बचपन में खाते थे। बहुत सारे ट्रायल और एरर के बाद, उन्होंने मई 2024 में बेन्ने नाम से 12 सीटों वाला एक कैफे खोला। उनका ध्यान सिर्फ सादे, ताज़े डोसे पर था, बिना किसी फैंसी प्लेटिंग या फ्यूजन ट्विस्ट के। इस रेस्टोरेंट में मेनू छोटा रखा गया, खाना असली स्वाद वाला था, और ग्राहक लाइन लगाकर खड़े रहते थे। वह टेबल खाली होने का इंतजार शांति से करते थे। उनके ग्राहकों में ऑफिस जाने वाले लोग, विद्यार्थी और खाने के शौकीन सभी शामिल थे। ये लोग इस जगह पर उमड़ने लगे, जिससे यह छोटा सा काउंटर एक चर्चा का विषय बन गया। आज, यह कैफे हर दिन लगभग 800 डोसे बेचता है, जिनकी कीमत ?250 से ?300 है। उनकी मासिक कमाई ?1 करोड़ तक पहुंच जाती है। सेलिब्रिटीज़ ने भी इस कैफे पर ध्यान दिया। साल 2024 में, विराट कोहली और अनुष्का शर्मा बेन्ने डोसा कैफे में आए। उनके आने से कैफे की लोकप्रियता और बढ़ गई। इसके बाद क्रिकेटर रोहित शर्मा, फिल्मी सितारे रणबीर सिंह, दीपिका पादुकोण जैसे सेलिब्रेटी की कतार लग गई।

कंपनी का रेवेन्यू पहली बार 15,000 करोड़ रुपये के पार

बजाज ऑटो का शेयर 53 प्रतिशत उछला

नई दिल्ली, एजेंसी।
दोपहिया और तिपहिया गाड़ियां बनाने वाली कंपनी बजाज ऑटो ने शुक्रवार को अपना दूसरी तिमाही का रिजल्ट घोषित कर दिया। दूसरी तिमाही में कंपनी का प्रॉफिट 53 प्रतिशत बढ़कर 2,122 करोड़ रुपये रहा। पिछले साल इसी अवधि में यह 1,385 करोड़ रुपये था। इस तिमाही में कंपनी का रेवेन्यू 19 प्रतिशत बढ़कर 15,735 करोड़ रुपये रहा। पिछले साल इसी तिमाही में यह 13,247 करोड़ रुपये था। कंपनी ने बताया कि उसका रेवेन्यू 15,000 करोड़ रुपये के पार जाकर एक नया रिकॉर्ड बना है। इस दौरान कंपनी की महंगी गाड़ियों की ज्यादा बिक्री हुई और साथ ही स्पेयर पार्ट्स की सेल भी सबसे अच्छी रही।

कंपनी ने कहा कि उसके सभी बिजनेस अच्छा कर रहे हैं। हालांकि पिछली तिमाही के मुकाबले इस तिमाही में कंपनी का प्रॉफिट 4 प्रतिशत कम हुआ है। पिछली तिमाही में मुनाफा 2,210 करोड़ रुपये था। वहीं, इस तिमाही में रेवेन्यू पिछली तिमाही से 20 प्रतिशत बढ़ा है। अप्रैल-जून 2026 की तिमाही में यह 13,133 करोड़ रुपये था। कंपनी ने बताया कि उसका स्टैंडअलोन

ईबीआईटीडीए पहली बार 3,000 करोड़ रुपये के पार गया है। ईबीआईटीडीए मार्जिन बढ़कर 20.5 प्रतिशत हो गया है।

घरेलू मोटरसाइकिल सेगमेंट खासकर स्पोर्ट्स सेगमेंट में कंपनी की बिक्री बढ़ी है। बजाज ऑटो की घरेलू दोपहिया वाहनों की बिक्री 5,96,576 यूनिट रही, जो पिछले साल की इसी अवधि के 6,36,801 यूनिट से 6 प्रतिशत कम है। हालांकि, पिछली तिमाही के मुकाबले यह 13 प्रतिशत ज्यादा है। कमर्शियल वाहनों की बिक्री 1,44,217 यूनिट रही, जो पिछले साल की इसी अवधि के 1,39,910 यूनिट से 3 प्रतिशत ज्यादा है।

इस दौरान निर्यात में 35 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। कंपनी ने दूसरी तिमाही में 5,53,327 गाड़ियां एक्सपोर्ट कीं, जो पिछले साल की इसी अवधि के 4,44,793 यूनिट से 24 प्रतिशत ज्यादा है। पिछली तिमाही के मुकाबले निर्यात में 16 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। शुक्रवार को कंपनी का शेयर बीएसई पर 0.09 प्रतिशत तेजी के साथ 8724.20 रुपये पर बंद हुआ। कंपनी का 52 हफ्ते का उच्चतम स्तर 10,189.95 रुपये और न्यूनतम स्तर 7,088.25 रुपये है।

2027 तक भारत कैसे बनेगा 30 लाख करोड़ डॉलर की अर्थव्यवस्था?

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत को 2047 तक 30 लाख करोड़ डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने के लिए कई कदम उठाने होंगे। इनमें प्रमुख रूप से वित्तीय क्षेत्र में सुधारों को और गति देने व निजी पूंजी जुटाने को बढ़ावा देने की जरूरत है। विश्व बैंक ने शुक्रवार को जारी रिपोर्ट में कहा कि भारत के विश्व स्तरीय डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढांचे और सरकारी कार्यक्रमों ने पुरुषों और महिलाओं के लिए वित्तीय सेवाओं तक पहुंच में उल्लेखनीय सुधार किया है। विश्व बैंक की वित्तीय क्षेत्र मूल्यांकन (एफएसए) रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत द्वारा सहकारी बैंकों पर नियामक प्राधिकरण का विस्तार करने की जरूरत है। प्रमुख नियमों को कड़ा करना व प्रभावशीलता बढ़ाने के लिए नियामक और पर्यवेक्षी विभागों का पुनर्गठन किया जाना चाहिए। एजेंसी ने एनबीएफसी के लिए पैमाना आधारित विनियमन का भी स्वागत किया है, जो इस विविध उद्योग की विभिन्न जरूरतों को पहचानता है। बैंकों और एनबीएफसी की बेहतर निगरानी के लिए ऋण जोखिम प्रबंधन ढांचे को और मजबूत करने की सिफारिश की है। रिपोर्ट में कहा गया है कि पिछले एफएसएपी के बाद से पूंजी बाजार (इक्विटी, सरकारी बॉन्ड और कॉरपोरेट बॉन्ड) जीडीपी के 144 फीसदी से बढ़कर 175 फीसदी हो गए हैं। इन लाभों को एक मजबूत पूंजी बाजार बुनियादी ढांचे और विविध निवेशक आधार का समर्थन प्राप्त है। रिपोर्ट में अधिक पूंजी जुटाने के लिए ऋण वृद्धि तंत्र, जोखिम साझाकरण सुविधाएं और प्रतिभूतिकरण प्लेटफॉर्म विकसित करने का सुझाव दिया गया है।

हर 2 सेकंड में एक कार और हर सेकंड 3 दोपहिया!

इस फेस्टिव सीजन ऑटो कंपनियों की हो गई चांदी

नई दिल्ली, एजेंसी।
फेस्टिव डिमांड और जीएसटी रेट्स में कटौती का सबसे ज्यादा फायदा ऑटोमोबाइल इंडस्ट्री को हुआ है। इस त्योहारी मौसम में करीब 7,67,000 पैसेंजर गाड़ियां बिकीं। इनमें कार, एसयूवी और वैन शामिल हैं। 42 दिन के इस फेस्टिव सीजन में करीब 40.5 लाख दोपहिया गाड़ियां भी बिकीं। इनमें मोटरसाइकिल, स्कूटर और मोपेड शामिल हैं। इसका मतलब है कि हर दिन औसतन 18,261 गाड़ियां और 96,500 दोपहिया वाहन बिके।

इंडस्ट्री की एक रिपोर्ट के मुताबिक ऑटो कंपनियों के लिए यह अब तक का सबसे अच्छा त्योहारी सीजन साबित हुआ। हुंडई मोटर्स इंडिया लिमिटेड के होल टाइम डायरेक्टर और सीओओ तरूण गर्ग बताते हैं कि जीएसटी रेट्स में कमी की उम्मीद में लोगों ने खरीदारी रोककर रखी थी। 22 सितंबर को नवरात्रि के पहले दिन से जैसे ही जीएसटी के नए रेट्स लागू हुए, बड़ी संख्या में लोग गाड़ियों के शोरूम पहुंचे। इस कारण डीलरों को अपने शोरूम सामान्य से कहीं ज्यादा देर तक खुले रखने पड़े। हालत यह हो गई कि डीलरों के पास गाड़ियों की डिलीवरी देने के लिए समय कम पड़ गया।

फेडरेशन ऑफ ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशन के आंकड़ों के मुताबिक इस साल त्योहारी सीजन में पीवी सेगमेंट में 23 प्रतिशत की

बढ़ोतरी हुई जबकि दोपहिया वाहन सेगमेंट में 22 प्रतिशत की बढ़ोतरी देखी गई। बिक्री में इस उछाल से कमाई भी रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई। अनुमान है कि क्क्ष्ठ सेगमेंट से 76,700 से 84,400 करोड़ रुपये का टर्नओवर हुआ। वहीं, दोपहिया वाहन सेगमेंट से 36,500 से 40,500 करोड़ रुपये का टर्नओवर हुआ। कार की कीमत औसत कीमत 10 से 11 लाख रुपये और दोपहिया वाहन की 90,000 हजार से 1 लाख रुपये रही। ग्रामीण बाजारों में गाड़ियों की बिक्री में 3 गुना और दोपहिया वाहनों की बिक्री में 2 गुना ग्रोथ देखी गई। अच्छी बारिश के कारण फसलें अच्छी हुईं और गाड़ियों के लिए फाइनेंस आसानी से उपलब्ध हो गया। इन सब वजहों से ऑटोमोबाइल कंपनियों को ग्रामीण मांग का भरपूर फायदा मिला। वित्तीय वर्ष 2026 में पहली बार ग्रामीण इलाकों से कार और एसयूवी की बिक्री का हिस्सा 40 प्रतिशत को पार कर गया और यह लगभग 42 प्रतिशत पर पहुंच गया। वित्तीय वर्ष 2024 और 2025 में ग्रामीण बाजारों का औसत हिस्सा 38 प्रतिशत था।

ग्रो के आईपीओ पर टूटे निवेशक, 18 गुना सब्सक्रिप्शन लेकिन घट गया जीएमपी

नई दिल्ली, एजेंसी।
देश के प्रमुख रिटेल इनवेस्टमेंट प्लेटफॉर्म ग्रो के आईपीओ में निवेशकों का जबरदस्त उत्साह देखने को मिला है। कंपनी ने अपने आईपीओ के आखिरी दिन 17.6 गुना सब्सक्रिप्शन हासिल किया। इसका मतलब है कि कंपनी ने जितने शेयर बिक्री के लिए रखे गए थे, उससे लगभग 17.6 गुना ज्यादा लोगों ने उन्हें खरीदने की इच्छा जताई। कुल मिलाकर 641.86 करोड़ रुपये के बिड मिले, जबकि 36.47 करोड़ शेयर ही ऑफर पर थे।

रिटेल इंडिविजुअल इन्वेस्टर्स कैटगरी में इसे 9.43 गुना सब्सक्रिप्शन मिला। इस कैटगरी में 6.63 करोड़ शेयर रिजर्व थे। नॉन-इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स में इसे 14.20 गुना सब्सक्रिप्शन

मिला जबकि क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स कैटगरी में 22.02 गुना सब्सक्रिप्शन मिला। हालांकि, ग्रे मार्केट में ग्रो के आईपीओ का प्रीमियम थोड़ा नरम पड़ गया है। ग्रो आईपीओ का ग्रे मार्केट प्रीमियम अब महज 5 रुपये रह गया है। यह इश्यू प्राइस (100 रुपये) से करीब 5 प्रतिशत ज्यादा है। इससे यह उम्मीद लगाई जा रही है कि शेयर लिस्टिंग के समय लगभग 105 रुपये पर लिस्ट हो सकता है। यह प्रीमियम पहले 14.5 प्रतिशत था। बेंगलुरु की कंपनी ग्रो के आईपीओ में 1,060 करोड़ रुपये का फ्रेश इश्यू और 5,572 करोड़ रुपये का ऑफर फॉर सेल शामिल है। फ्रेश इश्यू से मिले पैसों का इस्तेमाल कंपनी अपने क्लाउड इन्फ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करने, ब्रांड बनाने और मार्केटिंग पर खर्च करने के लिए करेगी। इस आईपीओ को कोटक महिंद्रा कैपिटल, जेपी मॉर्गन, सिटीग्रुप, एक्सिस कैपिटल और मोतीलाल ओसवाल इन्वेस्टमेंट एडवाइजर्स मिलकर मैनेज कर रहे हैं। आईपीओ में बोली 4 नवंबर 2025 को शुरू हुई और 7 नवंबर 2025 को बंद हुई। शेयरों के अलॉटमेंट का आधार 10 नवंबर 2025 को फाइनल होने की उम्मीद है। कंपनी के शेयर बीएसई और एनएसई पर 12 नवंबर 2025 को लिस्ट हो सकते हैं। ग्रो की स्थापना 2017 में फ्लिपकार्ट के पूर्व एग्जीक्यूटिव ललित केशरे, हर्ष जैन, ईशान बंसल और नीरज सिंह ने की थी। यह तेजी से भारत का सबसे बड़ा रिटेल इन्वेस्टमेंट प्लेटफॉर्म बन गया है। जून 2025 तक, इसके 47.9 मिलियन (4.79 करोड़) एक्टिव ह्स्थ्र यूजर्स थे।

आत्मविश्वास को दर्शाता है गैरजरूरी चीजों को मना करना

ज्यादातर लोग मानते हैं कि अगर वे ऑफिस में किसी काम को 'ना' कहेंगे, तो उनकी इमेज खराब होगी। इस डर से लोग उन कामों को भी मना नहीं करते,जो उनकी जॉब प्रोफाइल का हिस्सा नहीं होते। मगर ठोस कारण के साथ गैरजरूरी चीजों को मना करना आपके आत्मविश्वास को दर्शाता है।

प्रभाव को आंकें

जब भी आपके मन में किसी काम को 'ना' कहने की बात आए, तो सबसे पहले खुद से पूछें कि आपके मना करने से सबसे बुरा प्रभाव क्या होगा फिर अपने वर्कलोड को देखते हुए ही कोई निर्णय लें। पहले सुनें अगर आप अपने बॉस की किसी बात से असहमत हैं, तो अपना नजरिया रखने से पहले उनकी बात पूरी सुनें और सोचें कि आपके दीर्घावधि करियर प्लान में इससे कुछ फायदा होगा या नहीं। अगर नहीं, तो उनके सामने सम्मान पूर्वक अपनी बात रखें। अगर आपने उनके आइडिया को ध्यान में रखते हुए अपनी बात कही, तो वे आपकी बात जरूर सुनेंगे।

गलतफहमियों से बचें

आपको जो भी टास्क दिया जा रहा है, उससे आपके प्रोजेक्ट पर क्या असर पड़ेगा, अपने सीनियर्स को यह समझाने की कोशिश करें और हो सके,तो अपने फैक्ट्स शेयर करें। इससे गलतफहमियां नहीं होंगीं और आपको अतिरिक्त काम के दबाव से भी छुटकारा मिलेगा।

भारी पड़ती आदत

अक्सर लोग नई जॉब में हर काम को अपने हाथ में ले लेते हैं, ताकि अपने बॉस को खुश कर सकें। मगर उनकी यही आदत बाद में उन पर भारी पड़ जाती है। इसलिए शुरू से ही एक सीमा तय करें, ताकि कोई भी सीनियर आपका फायदा न उठा सके।

टाइमिंग देखें

किसी भी काम के लिए हामी भरने या उसे मना करने की टाइमिंग बहुत मायने रखती है। ऐसे में अगर ऑफिस में आपकी नकारात्मक इमेज बनाई जा रही है, तो किसी भी काम को मना करने से बचें। ऐसे वक्त में ज्यादा से ज्यादा परफॉर्म करने की कोशिश करें।

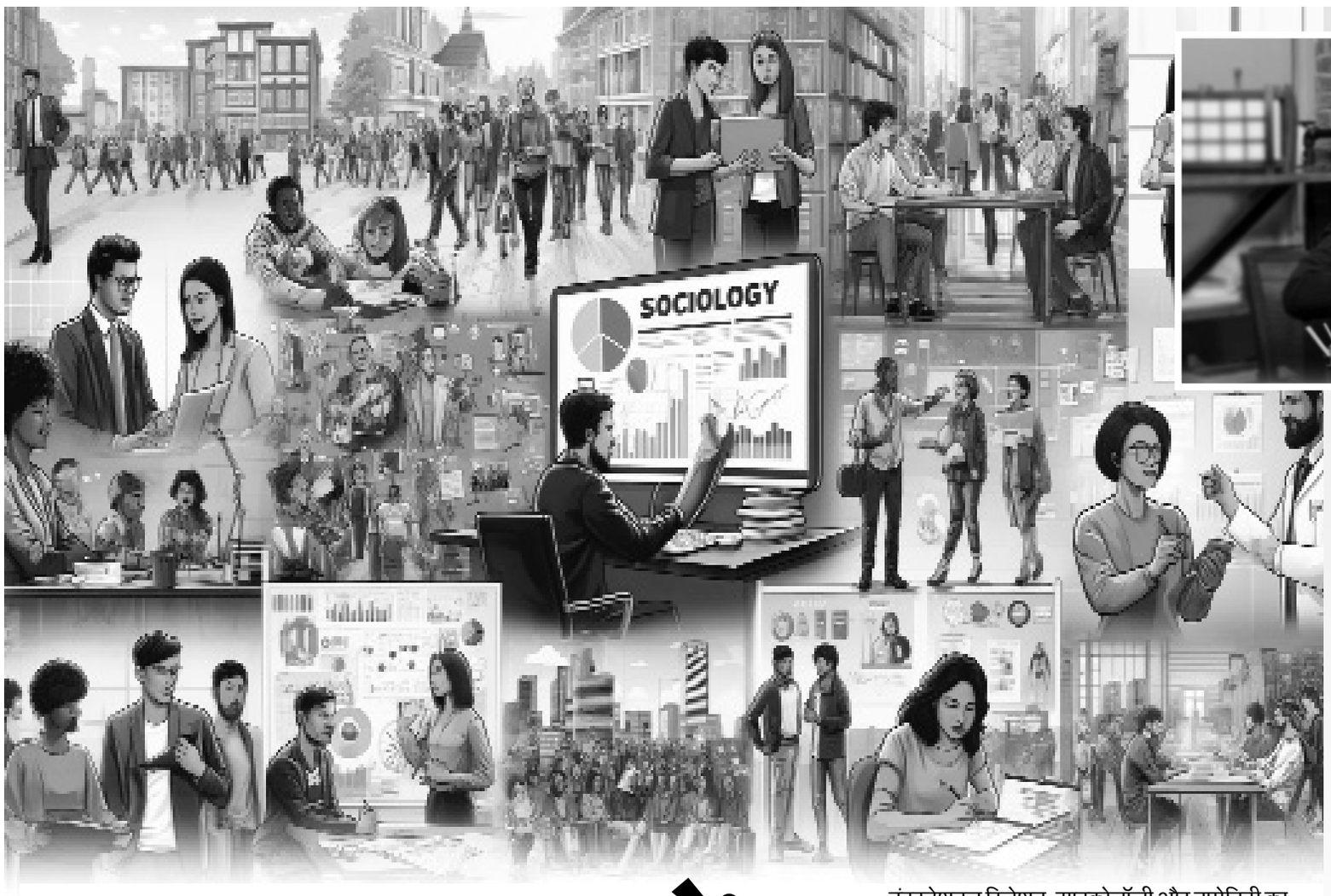

समाजशास्त्र में हैं अवसरों की अपार संभावनाएं

समाजशास्त्र समाज में रहने वाले लोगों से जुड़ा हुआ विषय है। सीधा समाज से जुड़ा होने के कारण आज के दौर में इसका बड़ा महत्व है। मौजूदा दौर में इसकी तुलना एमबीए से की जाती है। इसमें रोजगार की अपार संभावनाएं हैं। यह विषय न केवल साधारण बल्कि रोचक भी है। समाज की जीवन में अहम भूमिका है और इसी समाज का अध्ययन इस विषय में किया जाता है।

मानव समाज के अध्ययन को समाजशास्त्र कहते हैं। भौगोलिक परिस्थितियों के अनुसार पूरी दुनिया में मनुष्य की सामाजिक संरचना बदल जाती है। हर समाज की अलग-अलग परंपराएं होती हैं। आधुनिकीकरण और बढ़ती जटिलताओं के कारण अब समाजशास्त्र के अंतर्गत चिकित्सा, सैन्य संगठन, जनसंपर्क और वैज्ञानिक ज्ञान का भी अध्ययन किया जाता है। आर्थिक, राजनीतिक और सांस्कृतिक प्रणालियों में समाजशास्त्र की शुरुआत भी पश्चिमी देशों से ही हुई। समाजशास्त्र समाज में रहने वाले लोगों से जुड़ा हुआ विषय है। सीधे समाज से जुड़ा होने के कारण आज के दौर में इसका बड़ा महत्त्व है। मौजूदा दौर में इसकी तुलना एमबीए से की जाती है। इसमें रोजगार की अपार संभावनाएं हैं। यह विषय न केवल साधारण बल्कि अत्यंत रोचक भी है। समाज की जीवन में अहम भूमिका है और इसी समाज का अध्ययन इस विषय में किया जाता है।

अवसरों के अंबार

समाज शास्त्र में अवसरों की कोई कमी नहीं है। शिक्षा और गैर सरकारी संगठनों के साथ काम करने के अलावा आप प्रशासनिक सेवा, मीडिया और कारपोरेट घरानों में भी अपने लिए नौकरी तलाश सकते हैं। सोशल साइंस के विभिन्न विषयों में जॉब अवसर हाल के दिनों में सबसे ज्यादा बढ़े हैं। एमए के बाद प्रशासनिक सेवा और रिसर्च इंस्टीट्यूट में प्रवेश पाने के लिए सोशल साइंस सबसे बेहतर विषय है। मीडिया में भी इस विषय के जानकारों की काफी मांग है क्योंकि वे समाज और उससे जुड़ी घटनाओं को दूसरों की तुलना में बेहतर तरीके से समझ पाते हैं और इन विषयों पर अपना पक्ष रखते हुए दर्शकों और पाठकों को उसके अनछुए पहलुओं से भी रू-ब-रू करवा पाते हैं। समाजशास्त्र के छात्र एनजीओ के साथ भी काम कर सकते हैं। साथ ही वे समाज से जुड़े अन्य विषयों जैसे पर्यावरण, लिंगभेद आदि पर भी काम कर सकते हैं। इसके अलावा अध्यापन के क्षेत्र में भी काफी अच्छे अवसर हैं।

शैक्षणिक योग्यता

समाजशास्त्र में विशेषज्ञता हासिल करने के लिए कला संकाय में स्नातक होना आवश्यक है। इसके साथ सोशल साइंस, पोलिटिकल साइंस, इंटरनेशनल रिलेशन, साइकोलॉजी और ह्यूमेनिटी का व्यावहारिक ज्ञान होना अनिवार्य है। पोस्ट ग्रेजुएशन के बाद इसमें पीएचडी की जा सकती है।

वेतनमान

समाजशास्त्र के क्षेत्र में वेतन इस बात पर निर्भर करता है कि आप ने सरकारी क्षेत्र में ज्वाइन किया है या निजी क्षेत्र में। आप अपने देश में ही रोजगार पर लगे हैं या फिर विदेश में किसी एनजीओ के साथ कार्यरत हैं। इस फील्ड में आरंभिक वेतन लगभग 15000 से 20000 हजार तक है। कार्य अनुभव और पद के अनुसार वेतन बढ़ता जाता है।

विभिन्न कोर्सेज

- अप्लाइड सोशोलॉजी
- सोशोलॉजी ऑफ रिलीजन
- इकॉनोमिक सोशोलॉजी
- पोलिटिकल सोशोलॉजी
- सोशोलॉजी ऑफ किनशिप

समाजशास्त्र के उद्देश्य

- सामाजिक जीवन में आ रहे परिवर्तनों की पहचान करना।
- समाज से अंधविश्वास एवं नकारात्मक सोच को दूर करने का प्रयास करना।
- सामाजिक विशेषताओं की पहचान कर मानवता को एकसूत्र में बांधने का प्रयास करना।

विदेशों में भी अवसर

समाजशास्त्र में विशेषज्ञता हासिल करने के बाद रोजगार की संभावनाएं काफी होती हैं। ये अवसर अपने देश में भी हैं, पर विदेशों में भी समाजशास्त्र विशेषज्ञों की काफी मांग है। यूनिसेफ और रेडक्रॉस जैसी संस्थाएं समाजशास्त्र के विशेषज्ञों को काफी अच्छे पैकेज पर अवसर उपलब्ध करवाती हैं। यानी कि इसका करियर विस्तार विदेशों तक संभावनाएं पैदा करता है।

प्रमुख शिक्षण संस्थान

- हिमाचल प्रदेश यूनिवर्सिटी, शिमला (हिप्र)
- गवर्नमेंट कालेज धर्मशाला (हिप्र)
- कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र
- पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़
- दिल्ली यूनिवर्सिटी, नई दिल्ली
- जामिया मिलिया इस्लामिया, दिल्ली
- बरकतउल्लाह विश्वविद्यालय, भोपाल
- देवी अहिल्या बाई विश्वविद्यालय, इंदौर
- जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, दिल्ली
- टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंसेज, मुंबई

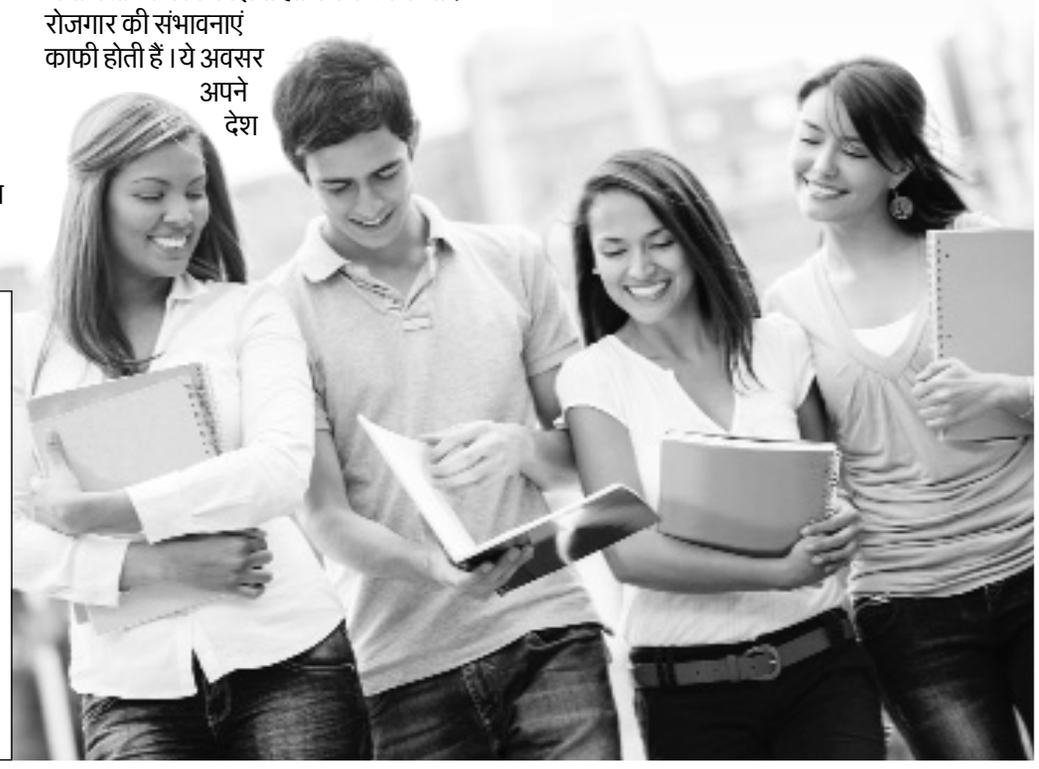

क्यों खास है समाजशास्त्र

मनुष्य एक सामाजिक प्राणी है। बिना समाज के मनुष्य जीवन की कल्पना भी नहीं की जा सकती। इस कारण समाज का महत्त्व बढ़ा है और जरूरत बढ़ी है समाजशास्त्र की। समाज शास्त्र यह जानने के लिए जरूरी है कि जिन परिस्थितियों में हम रह रहे हैं उसकी विसंगतियों को दूर कैसे किया जाए। इसी तरह यह हमें अपने पारंपरिक मूल्यों व बाहरी दुनिया के बीच संतुलन बनाने एवं व्यक्तिगत व सार्वजनिक क्रियाओं को पूरा करने का विवेक भी देता है। एक तरह से कहा जाए तो सभी तरह की नीतियों और रणनीतियों का संबंध मानव जीवन की उन्नति से जुड़ा होता है इसलिए करियर के लिहाज से इस विषय का महत्व स्वत- ही बढ़ जाता है। मानव सभ्यता, संस्कृति, सोसायटी, जातीयता और सामाजिक संगठन आदि की जानकारी से हम अपने वर्तमान को अधिक बेहतर बना सकते हैं। इन सारे विषयों के बारे में बच्चों को शिक्षित कर उनका बेहतर समाजीकरण किया जा सकता है। इससे समाज में हमारी अपनी संस्कृति की तादात्मयता बनी रहती है।

कॅरियर ग्रोथ के लिए जरूरी नहीं कि आप बार-बार जॉब बदलें

अधिकतर कंपनियां ऐसे लोगों के साथ काम करना चाहती हैं जो टीम में बेहद अच्छी तरह काम करना जानते हों। ऐसे में अगर आप फ्रेशर हैं और अपने कॅरियर को तेजी से आगे बढ़ाना चाहते हैं तो आपको टीम में काम करना आना चाहिए।

पढ़ाई कंप्लीट करने के बाद जब छात्र अपनी प्रोफेशनल लाइफ में कदम रखते हैं तो उनकी जिन्दगी काफी बदल जाती है। कॉलेज की मौज-मस्ती के बाद उन्हें अपने कॅरियर को लेकर काफी सजग होना पड़ता है, ताकि वह अपना बेहतर भविष्य बना सके। कॅरियर में ग्रोथ के लिए यह जरूरी नहीं है कि आप बार-बार अपनी जॉब या कंपनी बदलें, बल्कि आपकी पहली जॉब ही आपको नई ऊचांइयों पर ले जा सकती है, बस जरूरत है कि आप कुछ बातों का खास ध्यान दें। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको फ्रेशर्स के लिए कुछ बेहतरीन कॅरियर टिप्स के बारे में बता रहे हैं-

टीम में काम करना

कॅरियर एक्सपर्ट बताते हैं कि अधिकतर कंपनियां ऐसे लोगों के साथ काम करना चाहती हैं जो टीम में बेहद अच्छी तरह काम करना जानते हों। ऐसे में अगर आप फ्रेशर हैं और अपने कॅरियर को तेजी से आगे बढ़ाना चाहते हैं तो आपको टीम में काम करना आना चाहिए। आपको ऑफिस में कई पर्सनैलिटीज के लोग मिलेंगे, जिनके साथ आपको सहज रूप से काम करना चाहिए। साथ ही किसी भी जिम्मेदारी को उठाना आना चाहिए।

दबाव में काम करना

यह एक ऐसा स्किल है, जो फ्रेशर्स के अंदर कम ही देखने में मिलता है। हालांकि कॅरियर एक्सपर्ट कहते हैं कि अगर आप प्रेशर के बीच बेहतर तरीके से परफॉर्म कर सकते हैं तो यकीनन अपने कॅरियर में तेजी से ग्रोथ कर सकते हैं। अत्यधिक काम के दबाव में खुद को शांत रखते हुए सही तरीके से काम करने की कला किसी भी कंपनी में उच्चाधिकारियों को इंप्रेस कर सकती हैं।

बेहतर कम्युनिकेशन

यह एक ऐसा कॅरियर टिप्स है, जो सिर्फ फ्रेशर्स के लिए ही नहीं, बल्कि हर युवा के लिए जरूरी है। आप अपने काम में चाहें कितना भी माहिर हों, लेकिन अगर आपके कम्युनिकेशन स्किल बेहतर नहीं है तो आप उसे सबके साथ पेश नहीं कर सकते, जिससे आपको अपने कॅरियर में ग्रोथ नहीं मिलती। इसलिए अपने वर्क स्किल्स के साथ-साथ आपको मौखिक व लिखित कम्युनिकेशन स्किल्स को शॉर्प करने पर भी फोकस करना चाहिए।

अन्य स्किल्स

इनके अलावा भी ऐसी कई बाते हैं जो आपके कॅरियर को प्रभावित कर सकती है। मसलन, आपका टाइम मैनेजमेंट कैसा है, आप अपने काम को लेकर कितना फलेक्सिबल हैं या फिर आप अपने वाडरोब पर कितना ध्यान देते हैं। जैसी कई छोटी-छोटी बातें आपके कॅरियर को बना भी सकती हैं और बिगाड़ भी सकती हैं। इसलिए इन सभी बातों पर आपको पूरा ध्यान देना चाहिए।

महिला वनडे विश्व कप 2029 के लिए आईसीसी ने टीमों की संख्या बढ़ाई

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत और श्रीलंका में आयोजित महिला वनडे विश्व कप 2025 में भाग लेने वाली टीमों की संख्या 8 थी। 2029 में होने वाले अगले महिला वनडे विश्व कप के लिए आईसीसी ने टीमों की संख्या बढ़ाने की घोषणा की है। आईसीसी की तरफ से जारी बयान में कहा गया, 卐आईसीसी बोर्ड, महिला विश्व कप 2025 की सफलता को आगे बढ़ाने के लिए अगले टूर्नामेंट में टीमों की संख्या 8 से बढ़ाकर 10 करने पर सहमत है। हाल में संपन्न विश्व कप में लगभग 300000 दर्शकों ने स्टेडियम में जाकर मैच

देखे। यह किसी भी महिला क्रिकेट प्रतियोगिता में दर्शकों की उपस्थिति का नया रिकॉर्ड है। ऑन-स्क्रीन दर्शकों की संख्या भी दुनिया भर में करीब 50 करोड़ रही, जो नया रिकॉर्ड है।卐 टीमों की संख्या बढ़ाने का फैसला शुक्रवार को दुबई में हुई बोर्ड की बैठक में लिया गया। फैसले का उद्देश्य महिला क्रिकेट को वैश्विक स्तर पर आगे बढ़ाना है। 2 नई टीमों के आने से निश्चित रूप से प्रतियोगिता में प्रतिस्पर्धा और रोमांच बढ़ेगा। साथ ही दर्शकों की संख्या भी बढ़ेगी। टीमों की संख्या बढ़ने से आयरलैंड जैसी टीम को विश्व कप खेलने का मौका मिल सकता है जिसने पिछले कुछ समय में लगातार अच्छा प्रदर्शन किया है। महिला विश्व कप 2025 में भारत, पाकिस्तान, श्रीलंका, बांग्लादेश, ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड, न्यूजीलैंड और दक्षिण अफ्रीका ने शिरकत की। मैच राउंड रॉबिन फॉर्मेट में खेले गए। भारत, ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड और दक्षिण अफ्रीका सेमीफाइनल में पहुंची थीं। भारत ने ऑस्ट्रेलिया को और दक्षिण अफ्रीका ने इंग्लैंड को हराकर फाइनल में जगह बनाई थी। 2 नवंबर को खेले गए फाइनल में भारत ने दक्षिण अफ्रीका को हराकर अपना पहला विश्व कप जीता। भारतीय महिला टीम आईसीसी वनडे विश्व कप जीतने वाली एशिया की पहली टीम है। भारत के अलावा ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड और न्यूजीलैंड पूर्व में विजेता रहे हैं।

अनिसिमोवा को हराकर खिताबी मुकाबले में सबालेंका

रयबाकिना से होगा सामना

नई दिल्ली, एजेंसी। आर्यना सबालेंका ने सेमीफाइनल में अमांडा अनिसिमोवा को 6-3, 3-6, 6-3 से शिकस्त दी। इसी के साथ सबालेंका ने डब्ल्यूटीए फाइनल चैंपियनशिप के लिए एलेना रयबाकिना के खिलाफ मुकाबले में जगह बना ली है। अमांडा अनिसिमोवा के खिलाफ शुरुआती दौर में तनावपूर्ण मुकाबले के बाद मैच सबालेंका के पक्ष में झुकने लगा। उन्होंने अपने पहले सेट को 6-3 से जीता। आर्यना सबालेंका दूसरे सेट की शुरुआत में ही लय खो बैठीं,

जिसका फायदा उठाते हुए अनिसिमोवा ने 4-0 की बढ़त बना ली। जल्द ही यह स्पष्ट हो गया कि मुकाबला निर्णायक सेट की ओर बढ़ रहा है। इस सेट को अनिसिमोवा ने 6-3 से अपने नाम किया। सबालेंका ने तीसरे सेट में अपनी लय फिर से हासिल की। उन्होंने लगातार ऐस लगाकर स्कोर 3-3 से बराबर कर दिया था। इसके बाद एक जबरदस्त बैकहैंड लगाकर निर्णायक ब्रेक हासिल किया। सबालेंका को शुरुआत में कुछ दबाव का सामना करना पड़ा, लेकिन शीर्ष वरीयता प्राप्त खिलाड़ी ने तीसरे सेट को 6-3 से अपने नाम करते हुए फाइनल में जगह पक्की कर ली। दूसरी ओर, रयबाकिना ने एक सेट से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए जेसिका पेगुला को 4-6, 6-4, 6-3 से हराया, जिससे उनका अपराजेय क्रम बरकरार रहा है।

फीडे विश्व कप शतरंजः मैराथन टाईब्रेक जीतकर प्रज्ञानंदा तीसरे दौर में

निहाल सरीन हुए बाहर

गोवा, एजेंसी। फीडे विश्व कप 2025 के दूसरे दौर के टाईब्रेक मुक़ाबले में कई रोमांचक मुकाबलों के बीच कई दिग्गज खिलाड़ी विश्व कप से बाहर हो गए तो कई नें किसी तरह अपनी जगह अगले दौर में बना ली । आज सबसे ज्यादा नजरे थी भारत के आर प्रज्ञानन्दा पर जो प्रतियोगिता के तीसरे वरीय खिलाड़ी होने के साथ ही पिछले बार के विश्व कप उपविजेता भी है पर आज दो बार समय ऐसा आया जब प्रज्ञानंदा विश्व कप से बाहर होने की कगार पर पहुँच गए थे । औस्ट्रेलिया के टेमुर कुयबोकोरोव से दोनों क्लासिकल बाज़ियाँ ड्रॉ होने के बाद आज पहले टाईब्रेक में 15 मिनट के रैपिड मुक़ाबले में पहली बाजी ड्रॉ रही और दूसरी बाजी में प्रज्ञानन्दा नें सफ़ेद मोहरो से एक भारी भूल की और वह बाजी हारने के बेहद करीब पहुँच गए , पर किसी तरह एंडगेम में एक मोहरो कम होते हुए भी उन्होने अपने घोड़े और वजीर से राजा को ऐसा फसाया की बाजी ड्रॉ पर समाप्त हो गयी और

पहले टाईब्रेक के बाद स्कोर 2-2 हो गया , तीसरे टाईब्रेक में 10 मिनट के दो रैपिड में प्रज्ञानन्दा पपहली बाजी हार गए और 3-2 से पीछे हो गए दूसरी बाजी में करो या मरो की स्थिति में उन्होने जीत दर्ज की और दूसरे टाईब्रेक के बाद स्कोर 3-3 हो गया । अंत में आखिरकार उन्होने तीसरे टाईब्रेक की दोनों 5 मिनट की ब्लिट्ज़ बाज़ियाँ जीतकर 5-3 से टाईब्रेक जीत लिया और तीसरे राउंड में प्रवेश कर गए । भारत के विदित गुजराती नें अर्जेन्टीना के शतरंज के मेसी कहे जाने वाले फ़ौस्तीनों औरो को टाईब्रेक में 2.5-1.5 से पराजित करते हुए अगले दौर में प्रवेश किया ।

अन्य भारतीय खिलाड़ियों में निहाल सरीन का विश्व कप से बाहर होना सबसे बड़ी खबर रही वह दिव्या देशमुख को पराजित करने वाले ग्रीस के अरदीतिस कोरकोलूस से 1.5-0.5 से टाईब्रेक हार गए और पहले टाईब्रेक के बाद ही विश्व कप से बाहर हो गए ।

आंध्र प्रदेश ने महिला क्रिकेटर श्री चरणी को दिया बड़ा इनाम

2.5 करोड़ रुपए नकद पुरस्कार ये सब भी मिला

नई दिल्ली, एजेंसी। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने तेलुगु क्रिकेटर श्री चरणी के लिए एक बड़े इनाम की घोषणा की। श्री चरणी उस भारतीय महिला क्रिकेट टीम की सदस्य हैं जिसने हाल ही में वर्ल्ड कप जीता है।

मुख्यमंत्री ने भारत की ऐतिहासिक जीत में उनके शानदार प्रदर्शन और योगदान को देखते हुए उन्हें 2.5 करोड़ रुपए का नकद पुरस्कार, घर बनाने के लिए कडप्पा में 1,000 स्क्वायर गज जमीन और राज्य सरकार में ग्रुप-1 ऑफिसर का पद देने की घोषणा की। सुश्री श्री चरणी ने मुख्यमंत्री और आईटी और मंत्री नारा लोकेश से सीएम कैंप ऑफिस में मुलाकात की, जहां उनका गर्मजोशी से स्वागत किया गया। बातचीत के दौरान सुश्री श्री चरणी ने वर्ल्ड कप जीत के खुशी के पलों को साझा किया और प्रोत्साहन और समर्थन के लिए मुख्यमंत्री और राज्य सरकार का आभार व्यक्त किया। उन्हें बधाई देते हुए मुख्यमंत्री ने भारतीय महिला क्रिकेट टीम की तारीफ की और कहा कि उन्होंने भारतीय महिलाओं की ताकत और काबिलियत दिखाई है। उन्होंने कहा कि उनकी जीत ने देश भर की महत्वाकांक्षी महिला एथलीटों के लिए एक मजबूत मिसाल कायम की है। उन्होंने सुश्री श्री चरणी और टीम को भविष्य के टूर्नामेंट में और भी ज्यादा सफलता की शुभकामनाएं दीं।

हॉगकॉग सुपर सिक्ससः

पाकिस्तान से जीत के बाद कुवैत से हारा भारत

- 36 गेंदों पर बनाने थे 107 रन, इस स्कोर पर निपट गई कार्तिक की टीम

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत ने दिनेश कार्तिक की कप्तानी में हॉन्गकॉन्ग सुपर सिक्सेज में अपनी शुरुआत शानदार की थी और पाकिस्तान को पहले मैच में 2 रन से हरा दिया था, लेकिन दूसरे मैच में भारत को कुवैत के हाथों बुरी तरह से हार का सामना करना पड़ा। कुवैत के खिलाफ भारत ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया जो सही साबित नहीं हुई। कुवैत ने भारतीय गेंदबाजों की जमकर पिटाई करते हुए 36 गेंदों पर यानी 6 ओवर में ही 5 विकेट पर 106 रन कूट डाले। भारत को जीत के लिए 107 रन का टारगेट मिला था, लेकिन दिनेश कार्तिक की टीम 5.4 ओवर में 6 विकेट पर 79 ही बना पाई और उसे 24 रन से हार मिली।

भारत की खराब बल्लेबाजी, मिली हार- कुवैत के खिलाफ भारत की बैटिंग काफी खराब रही और इस टीम के सभी बल्लेबाज आउट हो गए। ओपन करने आए रॉबिन उथप्पा जो पाकिस्तान के खिलाफ प्लेयर ऑफ द मैच बने थे इस मुकाबले में डक पर आउट हो गए और इस प्रेशर से भारत निकल ही नहीं पाया।

महिला क्रिकेटर ने पूर्व चयनकर्ता पर लगाया आरोप

नई दिल्ली, एजेंसी। बांग्लादेश महिला क्रिकेट में एक बार फिर बवाल मचा है। टीम की अनुभवी तेज़ गेंदबाज़ जहानारा आलम ने लंबे मौन के बाद कुछ ऐसे खुलासे किए हैं, जिन्होंने पूरे बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड को हिला कर रख दिया है। जहानारा का दावा है कि उन्हें वर्षों से टीम मैनेजमेंट के कुछ सदस्यों द्वारा लगातार अपमान, अनुचित प्रस्ताव और मानसिक प्रताड़ना का सामना करना पड़ा।

वरिष्ठ अधिकारी और दिवंगत तौहीद महमूद का भी नाम

तेज़ गेंदबाज़ ने एक और बड़ा खुलासा करते हुए बताया कि दिवंगत तौहीद महमूद, जो बीसीबी से जुड़े थे, ने भी उनके प्रति अनुचित व्यवहार किया। जहानारा का कहना है कि तौहीद ने बीसीबी कर्मचारी सरफराज बाबू के ज़रिए उन्हें प्रस्ताव भिजवाया था। उनके मुताबिक, जब मैंने ऐसे प्रस्तावों को नकारा, तो उसी वक्त से मेरे साथ दुर्व्यवहार शुरू हो गया। मुझे नीचा दिखाया गया, अपशब्द कहे गए, और टीम के भीतर मेरा माहौल बिगाड़ा गया।

मानसिक संघर्ष के बीच चुप्पी तोड़ी

मानसिक स्वास्थ्य कारणों से क्रिकेट से ब्रेक ले चुकीं जहानारा ने पहली बार सार्वजनिक रूप से कहा कि 2022 महिला विश्व कप के दौरान उन्हें टीम के एक अधिकारी द्वारा अश्लील प्रस्ताव मिला था। उनका आरोप है कि पूर्व चयनकर्ता और टीम मैनेजर मंजुरुल इस्लाम ने उन्हें आगे बढ़ने का मौका देने के बदले 'निजी एहसान' मांगने की कोशिश की। जहानारा ने कहा, हम खिलाड़ी हैं, हमारी पहचान हमारे खेल से होती है। लेकिन जब अपने ही संस्थान के लोग आपको असुरक्षित महसूस कराएं, तो बोलना मुश्किल हो जाता है। कई बार चाहकर भी हम विरोध नहीं कर पाते क्योंकि करियर दांव पर होता है।

विश्व की पूर्व नंबर एक खिलाड़ी

ताई जु यिंग ने बैडमिंटन से संन्यास लिया पीवी सिंधू ने दी मार्मिक विदाई

नई दिल्ली, एजेंसी। तोक्यो ओलंपिक की रजत पदक विजेता और चीनी ताइपे की महिला बैडमिंटन की दिग्गज खिलाड़ी ताई जु यिंग ने खेल से संन्यास ले लिया है जिसके साथ उनके शानदार करियर का अंत हो गया है, जिसमें उन्होंने 17 [illegible] विश्व टूर खिताब जीते और 12 टूर्नामेंट में उपविजेता रहीं। अपनी कलात्मकता और कलाई के जादू के लिए मशहूर 31 वर्षीय शटलर ने कहा कि लगातार चोटिल होने के कारण उन्हें संन्यास का फैसला करना पड़ा। उन्होंने अपना आखिरी बीडब्ल्यूएफ खिताब 2024 में इंडिया ओपन में जीता था। ताई जु ने शुक्रवार को अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर लिखा, 'एक खूबसूरत अध्याय समाप्त हो गया है। बैडमिंटन, आपने मुझे जो कुछ भी दिया है, उसके लिए आभार। उन्होंने कहा, 'आखिरकार मेरी चोटों ने मुझे कोर्ट छोड़ने पर मजबूर कर दिया। मैं अपने करियर का अंत उस तरह नहीं कर पाई जैसा मैंने सोचा था और मुझे यह बात स्वीकार करने में थोड़ा समय लगा। दक्षिणी ताइवान के शहर काऊशुंग में जन्मी ताई जु पिछले साल से चोटों से जूझ रही थी और अंतरराष्ट्रीय सर्किट पर वापसी नहीं कर

पाई। विश्व चैंपियनशिप दो बार की पदक विजेता ने कहा कि फिलहाल उनका ध्यान कुछ समय शांति के साथ बिताने पर है। उन्होंने लिखा, 'मैंने अभी तक यह तय नहीं किया है कि मैं आगे क्या करूंगी, लेकिन फिलहाल मैं अलार्म घड़ियों के बिना जीवन का आनंद लेने जा रही हूं। भारत की दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू ने ताई जु को भविष्य के लिए शुभकामनाएं देते हुए एक्स पर एक मार्मिक संदेश लिखा। सिंधू ने कहा, 'पंद्रह वर्षों से अधिक समय तक आप मेरी ऐसी प्रतिद्वंद्वी रही जिन्होंने मुझे हर बार मेरी सीमा तक धकेला। मेरे जीवन के दो सबसे महत्वपूर्ण पदक रियो 2016 ओलंपिक में रजत और 2019 विश्व चैम्पियनशिप में स्वर्ण मैंने आपके साथ उन मैराथन और सांस थाम देने वाले मुकाबलों के बाद हासिल किए। उन्होंने कहा, 'रियो में हमारे बीच प्री-क्वार्टर फाइनल में मुकाबला हुआ था और बासेल में क्वार्टर फाइनल में। इन दोनों अवसरों पर मुझे हमेशा की तरह कड़ी मेहनत करनी पड़ी। और हां, आपने 2021 में मुझे सेमीफाइनल में हरा दिया था और यही नहीं मुझे एशियाई खेलों में मुझे स्वर्ण पदक जीतने से

रोक दिया था। इन पलों को याद करके मैं आज भी मुस्कुरा जाती हूं।

सिंधू ने लिखा, 'मैं इस बात नहीं छिपाऊंगी, मुझे आपके साथ खेलना बिल्कुल पसंद नहीं था। आपकी कलाई की कला, आपका चालाकी भरा खेल, आपकी शांत प्रतिभा ने मुझे उससे भी ज़्यादा गहराई तक जाने के लिए प्रेरित किया, जितना मैंने कभी सोचा भी नहीं था। आपका सामना करने से एक खिलाड़ी के रूप में मैं बदल गई। भारतीय खिलाड़ी ने कहा, 'लेकिन प्रतिद्वंद्विता से परे हमारे बीच अच्छी दोस्ती और एक दूसरे के प्रति सम्मान था। आपके संन्यास लेने से ऐसा लग रहा है जैसे मैंने अपने सफर का एक हिस्सा को दिया हो। खेल को और मुझे आपके जादू की कमी खलेगी। मुझे अब यह एहसास होने लगा है कि मेरी पीढ़ी के खिलाड़ी धीरे-धीरे खेल को अलविदा कहने लगे हैं और कोई भी चीज आपको इसके लिए तैयार नहीं करती।

अनुष्का शर्मा से शादी के बाद बदल गए कोहली!

मोहम्मद कैफ बोले- अब विराट पहले से ज्यादा शांत दिखते हैं...

नई दिल्ली, एजेंसी। टीम इंडिया के पूर्व कप्तान विराट कोहली ने हाल ही में ऑस्ट्रेलिया दौरे के जरिए इंटरनेशनल क्रिकेट में वापसी की. कोहली ऑस्ट्रेलिया टूर पर तीन मैचों की वनडे सीरीज में 74 रन बनाए. ये सभी रन उन्होंने सिडनी में हुए वनडे सीरीज के आखिरी मुकाबले में बनाए थे. उससे पहले कोहली लगातार दो मैचों में शून्य पर आउट हुए थे. अब कोहली साउथ अफ्रीका के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज में खेलते नजर आ सकते हैं, जिसका शुरुआती मुकाबला 30 नवंबर को रांची में निर्धारित है. विराट कोहली को लेकर अब टीम इंडिया के पूर्व क्रिकेटर मोहम्मद कैफ ने बड़ा बयान दिया है. कैफ ने कहा है कि शादी के बाद विराट कोहली की सोच और स्वभाव में काफी सकारात्मक बदलाव आया है. कैफ के अनुसार अनुष्का शर्मा से शादी के बाद कोहली पहले से ज्यादा शांत, परिपक्व और संतुलित हो गए हैं. कैफ ने अपने यूट्यूब चैनल पर एक फैन के सवाल का जवाब देते हुए कोहली को लेकर ये बातें कहीं. मोहम्मद कैफ ने कहा, विराट कोहली अब थोड़े शांत हो गए हैं. वह एक पिता हैं. शादी से पहले और शादी के बाद, दोनों में बहुत अंतर है. मैं उनसे पंजाब किंग्स के खिलाफ एक आईपीएल मैच के दौरान मिला था. उन्होंने उस मैच में कगिसो रबाडा की गेंद पर सामने की ओर चौका लगाया था. शायद उन्होंने अर्धशतक बनाकर मैच जिताया था. वो एक सीमिंग पिच थी. हमारी उनसे तब अच्छी बातचीत हुई थी. वह बहुत शांत थे. उन्होंने मुझसे कहा कि अगर मैंने शुरुआत में रबाडा पर अटैक नहीं किया होता, तो वह मुझे खेलने नहीं देता.

श्री शिवराज सिंह चौहान

केंद्रीय ग्रामीण विकास और कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री

'नक्शा': विश्वसनीय भू-अभिलेखों और नागरिक सशक्तिकरण के लिए एक नई पहल

जब भारत एक समावेशी और विकसित भविष्य की कल्पना करता है, तो इसका सबसे मज़बूत आधार-स्तंभ भूमि है। चाहे घर हो, खेत हो, दुकान हो या स्मार्ट सिटी का सपना हो - विकास का प्रत्येक रूप भूमि पर अवस्थित होता है। हालाँकि, सच्चाई यह है कि वर्षों से हमारे भू-अभिलेख अधूरे, भ्रामक और अक्सर विवादों में उलझे रहे हैं। परिणामस्वरूप, आम नागरिकों को संपत्ति खरीदने, ज़मीन विरासत में प्राप्त करने, ऋण प्राप्त करने या सरकारी योजनाओं का लाभ उठाने में बड़ी चुनौतियों का सामना करना पड़ा है।

इन दीर्घकालिक समस्याओं के समाधान के लिए, प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में, ग्रामीण विकास मंत्रालय के अंतर्गत भूमि संसाधन विभाग ने ÷नक्शा÷ (राष्ट्रीय शहरी निवास-स्थल भू-स्थानिक ज्ञान-आधारित भूमि सर्वेक्षण) कार्यक्रम की शुरुआत की है। यह भारत में भूमि प्रबंधन, प्रशासन और भूमि-रिकॉर्ड रख-रखाव में बदलाव लाने की एक पहल है। यह कार्यक्रम एक पारदर्शी, डिजिटल और सत्यापित भू-अभिलेख प्रणाली का निर्माण कर रहा है, जो न केवल नागरिकों के जीवन को आसान बनाएगी, बल्कि कस्बों और शहरों के विकास को भी गति प्रदान करेगी।

भारत में, भूमि पंजीकरण लंबे समय से एक जटिल व दस्तावेज-आधारित प्रक्रिया रही है। बिक्री विलेख, स्टाम्प शुल्क, पंजीकरण शुल्क, पटवारी सत्यापन और तहसील स्तर पर प्रस्तुतियाँ ङ्क ये सभी नागरिकों के लिए पूरी प्रणाली को बोझिल बना देती थीं। पुराने रजिस्टर और फाइलों में न केवल त्रुटियां मौजूद थीं, बल्कि इनमें आसानी से छेड़छाड़ की जा सकती थी, जो कई विवादों का मूल कारण होता है। अस्पष्ट संपत्ति अभिलेखों की वजह से बैंकों से ऋण प्राप्त करने की संभावना कम हो गयी थी।

उत्तराधिकार या दाखिल-खारिज की प्रक्रिया अक्सर वर्षों तक अदालतों में अटकी रहती थी। गलत माप, अस्पष्ट सीमाएँ और स्थानीय राजनीतिक हस्तक्षेप ने इन समस्याओं को और गंभीर बना दिया। यही कारण है कि लाखों भारतीयों के लिए, सुरक्षा के स्रोत के रूप में भूमि का महत्त्व कम होता गया और यह जोखिम का प्रमुख स्रोत बन गई।

'नक्शा' आपकी भूमि की डिजिटल पहचान का प्रतीक

नक्शा- डिजिटल पारदर्शिता की ओर कदम - नक्शा कार्यक्रम, सटीक और डिजिटल भू-रिकॉर्ड तैयार करने के लिए ड्रोन सर्वेक्षण, जीएनएसएस मानचित्रण और जीआईएस उपकरण जैसी उन्नत तकनीकों का लाभ उठाता है। इस पहल के तहत, नागरिकों को 'योरप्रो' (शहरी संपत्ति स्वामित्व रिकॉर्ड) कार्ड मिलता है, जो स्वामित्व का एक डिजिटल प्रमाण है और संपत्ति के लेन-देन को आसान बनाता है। सरकार 'योरप्रो' कार्यक्रम को समर्थन दे रही है। नक्शा के साथ, लोगों को अब स्वामित्व की पुष्टि के लिए दस्तावेजों या बिचौलियों पर निर्भर रहने की ज़रूरत नहीं है। इससे ऋण प्राप्त करने, बिक्री पूरी करने, उत्तराधिकार प्राप्त करने और विवादों का निपटारा करने की प्रक्रिया तेज़ और अधिक पारदर्शी हो गयी है। अंततः, नक्शा केवल एक तकनीकी सुधार नहीं है - यह नागरिक सशक्तिकरण, समानता और भू-स्वामित्व में कानूनी आश्वासन की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

नक्शा कार्यक्रम मुख्य रूप से उन नागरिकों को लाभान्वित करता है, जो लंबे समय से अधूरे या अप्रचलित भू-दस्तावेजों पर निर्भर रहे हैं। नगरपालिकाओं और स्थानीय परिषदों के पास अब स्वच्छ, सटीक भू-स्थानिक डेटा तक पहुँच की सुविधा है, जिससे बेहतर निर्णय लेना और पारदर्शिता सुनिश्चित होती है। नागरिक आसानी से ऑनलाइन प्रारूप मानचित्र देख सकते हैं और आपत्तियाँ दर्ज कर सकते हैं, जिससे इस प्रक्रिया में जनता की भागीदारी सुनिश्चित होती है। यह डिजिटल प्रणाली कराधान को अधिक निष्पक्ष और पारदर्शी बनाती है, साथ ही शहरी नीति-निर्माण और अवसंरचना डिज़ाइन की सटीकता और गति में सुधार करती है। संक्षेप में, जो भू-रिकॉर्ड कभी धूल भरे रजिस्टरों में केवल हस्तलिखित प्रविष्टियों के रूप में मौजूद था, वह अब रंगीन, इंटरैक्टिव और पारदर्शी डिजिटल मानचित्रों में विकसित हो गया है। यह आधुनिक, डेटा-संचालित शासन की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

नक्शा कार्यक्रम का प्रभाव व्यक्तिगत स्वामित्व और प्रशासनिक दक्षता से कहीं आगे तक फैला हुआ है और यह आपदा प्रबंधन और शहरी नीति-निर्माण के लिए एक महत्वपूर्ण उपकरण के रूप में उभर रहा है। अवस्थिति की ऊँचाई का विस्तृत डेटा प्रदान करके, यह लोगों को बाढ़-जोखिम वाले क्षेत्रों की पहचान करने में सक्षम बनाता है, जबकि चक्रवात, भूकंप या आग की स्थिति में, यह बिना किसी देरी के बचाव और राहत कार्यों को शुरू करने की सुविधा देता है। सत्यापित डिजिटल स्वामित्व रिकॉर्ड यह भी सुनिश्चित करते हैं कि मुआवजा और सहायता सही लाभार्थियों तक शीघ्रता से पहुँचे। इससे आपदा के बाद, पूर्वस्थिति को बहाल करने की प्रक्रिया अधिक कुशल हो जाती है। इसके अलावा, नक्शा संतुलित और सतत अवसंरचना विकास को बढ़ावा देकर दीर्घकालिक शहरी सुदृढ़ता का समर्थन करता है। अनिवासी भारतीयों (एनआरआई) और दिव्यांगजनों जैसे कमजोर समूहों के लिए, नक्शा सुरक्षा और सुलभता प्रदान करता है–उन्हें संपत्ति के रिकॉर्ड ऑनलाइन देखने और सत्यापित करने की सुविधा देता है, किसी भी धोखाधड़ी और अतिक्रमण के जोखिम को कम करता है, और सरकारी कार्यालयों के बार-बार चक्कर लगाए बिना आसान पहुँच सुनिश्चित करता है। संक्षेप में, नक्शा केवल एक तकनीकी सुधार नहीं है, बल्कि दुनिया भर के उन नागरिकों के लिए विश्वास और सशक्तिकरण का प्रतीक है, जिनकी भारत की भूमि और इसके भविष्य में हिस्सेदारी है।

14 नवंबर को किया जाएगा कवि सम्मेलन का आयोजन

हिन्द जनपथ,भिवानी (ब्यूरो)। 14 नवम्बर को राष्ट्रीय साहित्यिक संस्था शब्दाक्षर की प्रांतीय शाखा के तत्वावधान में एक कवि सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा।इस दौरान मुख्य अतिथि श्री भरत सिंह परमार जी टीएम भिवानी, वरिष्ठ समाज सेवी व विशिष्ठ अतिथि श्री रामेश्वर जांगड़ा जी होंगे जबकि (मुंद्रा) गुजरात से ओमप्रकाश शर्मा फनिर्मल'' सम्मेलन की अध्यक्षता करेंगे और इस संस्था के संस्थापक व राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री रवि प्रताप कोलकाता हैं। कार्यक्रम में बालीबुड गीतकार श्री सुरेश भारती फनादान'' (हिसार) प्रसिद्ध गजलकार राजेश भारती, (कैथल) वरिष्ठ गीतकार मधु गोयल कैथल, युवा कवियित्री राजबाला फराज'' हिसार, वरिष्ठ कवि अक्षय राज भिवानी, डॉ. मनोज भारत भिवानी, भिवानी से वरिष्ठ कवि राजेश फसरल'', सुनीता करोथवाल भिवानी, श्री सुरेश जांगड़ा झुंझनू राजस्थान से तथा प्रसिद्ध मूर्तिकार, चित्रकार, वास्तुकार, इंजिनियर, साहित्यकार श्री सुरेश, कवि कलाकार चैहडक़लां (भिवानी) से मुख्य आकर्षक होंगे।

रक्षा पेंशनभोगियों की सुविधा के लिए विशेष कैंप सेक्टर 13 में 10 नवंबर को: अरूण कुमार

हिन्द जनपथ,भिवानी (ब्यूरो)। रक्षा मंत्रालय के सभी सेवा पेंशनभोगी और पारिवारिक पेंशनभोगियों और परिवार पेंशन भोगियों की सुविधा के लिए 10 नवंबर को स्थानीय हुडा सैक्टर-13 स्थित स्पर्श सेवा केंद्र पर एक विशेष कैंप लगाया जाएगा, जिसमे पेंशनरों की सभी समस्याओं का समाधान किया जाएगा। इसके साथ ही डिजिटल जीवन प्रमाण पत्र अभियान चलाया जाएगा। ये जानकारी देते हुए स्पर्श सेवा केंद्र के प्रभारी अधिकारी अरुण कुमार ने जानकारी देते हुए बताया कि जिन पेंशनभोगियों को कोई भी समस्या है तो वे इस कैंप में भाग ले सकते हैं। साथ ही जिन पेंशनरों का माह नवंबर में जीवन प्रमाण पत्र देय है, वे पेंशनर भी इस कैंप में भाग ले सकते हैं। कैंप में एक टीम दिल्ली से भी पेंशनर की सुविधा के लिए आएगह, जिस द्वारा पेंशनरों की समस्याओं का समाधान किया जायेगा।उन्होंने बताया कि कैंप में आने वाले अपना आधार कार्ड, सर्विस पेंशन बुक, बैंक पासबुक, मोबाइल नंबर जो पेंशन से व आधार कार्ड से लिंक हो, आदि सभी दस्तावेज साथ लेकर आएं, अन्यथा वार्षिक पहचान सम्भव नहीं हो पाएगी। अधिक जानकारी के लिए स्पर्श सेवा केंद्र सेक्टर 13, भिवानी, रक्षा मंत्रालय की आधिकारिक वेबसाइट, टेलीफोन नं.- 01664-256053 और स्पर्श टोल फ्री नं.- 1800-180-5325पर संपर्क कर सकते हैं।

ट्रेन संख्या 14662/14661 (शालीमार एक्सप्रेस) में नए LHB रेक की शुरुआत

जम्मू 8 नवंबर 2025, उत्तर रेलवे के जम्मू मंडल से संचालित होनी वाली ट्रेन संख्या 14662 (जम्मू से बाड़मेर) और 14661 (बाड़मेर से जम्मू) में जल्द ही नए साक्करेक लगाए जाएंगे। यह बदलाव यात्रियों को बेहतर और अधिक आरामदायक यात्रा अनुभव प्रदान करेगा। साक्करेक अपनी उन्नत सुरक्षा सुविधाओं, जैसे कि एंटी -क्लाइबिग (chock -a- block) और बेहतर कैक्रशवथीनेस के लिए जाने जाते हैं। जो की यात्रियों की सुरक्षा को बढ़ाते हैं। यह नया कदम रेलवे आधुनिकरण और यात्री सेवा में सुधार के प्रति उसकी प्रतिबद्धता को दर्शाता हैं। साक्करेक में यात्रा का अनुभव पहले से बेहतर होगा, जिसमें अधिक आधुनिक और आरामदायक सीटें, बहेतर सस्पेंशन और अधिक स्थान शामिल हैं।

इस नए साक्करेक पर वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्री उचित सिंघल ने बताया, कि ट्रेन संख्या 14662 में नए साक्करेक दिनांक 15 जनवरी 2026, से लगाए जाएंगे तथा ट्रेन संख्या 14661 में नए LHB रेक दिनांक 18 जनवरी 2026, से लगाए जाएंगे। इन साक्करेको में यात्रियों के लिए व्यापक और बेहतर दृश्य अनुभव प्रदान करने के लिए बड़ी खिड़कियां और आंतरिक रोशनी की बेहतर व्यवस्था हैं। साक्कोचों को लगभग 100 किमी प्रति घंटे या उससे अधिक की गति पर चलने के लिए डिजाइन किया गया हैं।

श्री गुरु तेग बहादुर जी पूरे विश्व के मानवाधिकारों के प्रथम महानायक: मुख्यमंत्री सैनी

- सिरसा के रोड़ी से शुरू हुई 'हिंद की चादर' श्री गुरु तेग बहादुर जी के 350वें शहीदी वर्ष की पवित्र यात्रा
- 24 नवंबर को कुरुक्षेत्र में होगा समापन, 25 नवंबर को प्रधानमंत्री होंगे महासमागम में मुख्य अतिथि

हिन्द जनपथ,चंडीगढ़ (ब्यूरो)। 'हिंद की चादर' श्री गुरु तेग बहादुर जी के 350वें शहीदी दिवस के मौके पर पवित्र यात्रा का शुभारंभ शनिवार को सिरसा के रोड़ी की पावन भूमि से किया गया। हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी की मौजूदगी में गुरुसर रोड़ी साहिब गुरुद्वारा में अरदास का कार्यक्रम हुआ। इस दौरान मुख्यमंत्री ने पवित्र गुरुग्रंथ साहिब के समक्ष अरदास करते हुए प्रदेश की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की। इस मौके पर अपने संबोधन में मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि श्री गुरु तेग बहादुर जी केवल सिखों अथवा भारत के ही नहीं, बल्कि पूरे विश्व के मानवाधिकारों के प्रथम महानायक हैं। यह यात्रा गुरु जी के तप, त्याग, विचार और धर्म की रक्षा के लिए दिए गए सर्वोच्च बलिदान को जन-जन तक पहुंचाने का एक व्यापक महाअभियान है। उन्होंने कहा कि श्री गुरु तेग बहादुर जी के 350वें शहीदी वर्ष के उपलक्ष्य में प्रदेश में चार पवित्र यात्राएं निकाली जाएंगी। ये यात्राएं पूरे हरियाणा को कवर करेंगी और 24 नवंबर को कुरुक्षेत्र में इनका समापन होगा। उसी दिन वहां सर्व धर्म सम्मेलन भी आयोजित किया जाएगा। अगले दिन 25 नवंबर को श्री गुरु तेग बहादुर जी के शहीदी दिवस पर कुरुक्षेत्र में महासमागम का आयोजन होगा। इसमें माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि श्री गुरु तेग बहादुर जी का हरियाणा की पावन धरा से का गहरा सम्बन्ध रहा है। 1665 में सिख धर्म के मुख्यालय को धमतान, परगना जींद, बांगर देश (अब हरियाणा) में स्थानांतरित किया था। इस निर्णय का कारण यह था कि इस क्षेत्र को सीधे दक्षिण में लोहगढ़ से जोड़ा गया था। इसी तरह 1665 में, श्री गुरु तेग बहादुर साहिब ने बांगर देस से लोहगढ़ की यात्रा की। वे जींद, कैथल, चीका, कराह, सियाना सईदा और फिर पिहोवा गए, जहां उन्होंने सिख संगत से मुलाकात की। इसके बाद फिर गुरु साहिब जिला कुरुक्षेत्र के गाँव बारना रवाना हुए, जहाँ मनसद भाई सुधा ने उनका अभिवादन किया। इसी तरह थानेसर, लाडवा, यमुनानगर क्षेत्र में भी उनका जाना हुआ। मुख्यमंत्री ने कहा कि हरियाणावासियों का सौभाग्य है कि यहां श्री गुरु तेग बहादुर जी के पावन चरण कई बार पड़े। उन्होंने यहां अनेक बार अपने प्रवास के दौरान संगत को दिव्य ज्ञान दिया और धर्म की रक्षा के लिए प्रेरित किया। जहां-जहां वे पधारे वहां उनकी याद को सदैव बनाए रखने के लिए गुरुघर स्थापित हैं जो सदियों से उनकी शिक्षाओं की ज्योति का प्रकाश फैला रहे हैं। ये 30 से भी अधिक स्थान अब पावन तीर्थ बन गए हैं और साल भर संगतें उन गुरूघरों में जाकर अपने जीवन को संवार रही हैं।

युवाओं के लिए प्रेरणादायक अवसर - मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में युवाओं के लिए कहा कि श्री गुरु तेग बहादुर जी का 350वां शहीदी वर्ष इसलिए भी अहम है क्योंकि इसके जरिए युवाओं को बताना है कि वर्तमान भारत की नींव अनेक बलिदानों, तप और त्याग से मजबूत बनी है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के कुशल नेतृत्व में सरकार भारत की आध्यात्मिक यात्रा और विरासत को वैश्विक पहचान दिलाने में कोई कमी नहीं छोड़ेगी। इसी के तहत पिछले 11 वर्षों में सिख विरासत, महापुरुषों, गुरुगद्दियों, ऐतिहासिक स्थलों को जो महत्व मिला है, वह हमारी राष्ट्र नीति का हिस्सा है। श्री गुरु नानक देव जी की 550वीं जयंती से लेकर आज श्री गुरु तेग बहादुर जी की शहीदी के 350वें स्मृति वर्ष तक भारत गति से आगे बढ़ रहा है। सरकार द्वारा किये गए कार्यों का जिक्र करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 1984 में हुए दंगों में जिन सिख परिवारों ने अपनों को खोया था, सरकार ने हरियाणा के ऐसे 121 परिवारों के एक-एक सदस्य को सरकारी नौकरी देने का प्रावधान किया है।

17वें जनजातीय युवा आदान प्रदान कार्यक्रम का सफल समापन

सांस्कृतिक एकता और प्रेरणा की भावना के साथ 200 युवाओं ने चंडीगढ़ में बिताए यादगार पल

चंडीगढ़। मेरा युवा भारत केंद्र, चंडीगढ़ द्वारा आयोजित 17वें जनजातीय युवा आदान प्रदान कार्यक्रम का आज सफलतापूर्वक समापन हो गया। यह कार्यक्रम 2 नवंबर 2025 से 8 नवंबर 2025 तक युवा कल्याण विभाग, पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़ में आयोजित किया गया था, जिसका उद्देश्य देश के विभिन्न हिस्सों के जनजातीय युवाओं के बीच राष्ट्रीय एकता, सांस्कृतिक समझ और व्यक्तिगत विकास को बढ़ावा देना था।

मुख्य अतिथि ने युवाओं को किया प्रेरित - कार्यक्रम के समापन समारोह की अध्यक्षता श्री महेन्द्र सिंह, संयुक्त निदेशक, खेल चंडीगढ़ प्रशासन ने मुख्य अतिथि के रूप में की। उन्होंने इस अवसर पर उपस्थित छत्तीसगढ़, ओडिशा और झारखंड राज्यों के कुल 200 जनजातीय युवाओं को संबोधित किया। मुख्य अतिथि श्री महेन्द्र सिंह जी ने अपने प्रेरणादायक संबोधन में सभी प्रतिभागियों को उनके उज्जवल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं। उन्होंने युवाओं से %एक भारत श्रेष्ठ भारत% की भावना को आत्मसात करने और देश के विकास में सक्रिय भूमिका निभाने का आग्रह किया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि युवा ही देश की वास्तविक शक्ति हैं और उन्हें आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ना चाहिए।

पुरस्कार वितरण और सांस्कृतिक आदान-प्रदान - समापन समारोह का एक महत्वपूर्ण हिस्सा पुरस्कार वितरण समारोह था। कार्यक्रम के दौरान आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली सांस्कृतिक टीमों और वाद-विवाद विजेताओं को मुख्य अतिथि द्वारा पुरस्कार प्रदान किए गए। इस एक सप्ताह के दौरान, प्रतिभागियों को चंडीगढ़ के शैक्षिक, तकनीकी और सांस्कृतिक पहलुओं को जानने का अवसर मिला, जिससे उनके ज्ञान का विस्तार हुआ और उन्होंने एक-दूसरे की परंपराओं को समझा।

कार्यक्रम की सफलता - मेरा युवा भारत केंद्र, चंडीगढ़ द्वारा आयोजित यह आदान प्रदान कार्यक्रम, जनजातीय युवाओं को मुख्यधारा के विकास के अवसरों से जोड़ने और उनमें नेतृत्व क्षमता विकसित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। 200 प्रतिभागियों ने इस मंच का उपयोग ज्ञानार्जन और नए रिश्ते बनाने के लिए किया।

ताऊ देवी लाल स्टेडियम, पंचकूला में 'सांसद खेल महोत्सव' का भव्य शुभारंभ

हिन्द जनपथ,पंचकूला (ब्यूरो)। ताऊ देवी लाल स्टेडियम, पंचकूला में शनिवार को ÷सांसद खेल महोत्सव 2025÷ का भव्य शुभारंभ हुआ। यह आयोजन राज्यसभा सांसद श्रीमती रेखा शर्मा के नेतृत्व में अंबाला संसदीय क्षेत्र में आयोजित किया जा रहा है। इस अवसर पर हरियाणा खेल विभाग के महानिदेशक श्री संजीव वर्मा , उपायुक्त श्री सतपाल शर्मा , पुलिस आयुक्त श्री सिवाश कविराज, बीजेपी जिला अध्यक्ष श्री अजय मित्तल, प्रदेश उपाध्यक्ष श्रीमती बनतो कटारिया, भाजपा प्रदेश मीडिया सह प्रमुख श्री संजय आहूजा सहित अन्य महानुभावों की गरिमामयी उपस्थिति रही। सभी अधिकारियों एवं महानुभावों ने मिलकर खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया और इस आयोजन की सराहना की। प्रसिद्ध हरियाणवी गायक श्री मासूम शर्मा ने अपने गानों से युवाओं में जोश भरा। उद्घाटन समारोह की शुरुआत महिला एवं पुरुष वर्ग की 5 कि.मी. एवं 10 कि.मी. मैराथन को हरी झंडी दिखाकर की गई, जिससे पूरे माहौल में उत्साह और देशभक्ति का जोश उमड़ पड़ा। अंबाला, पंचकूला और यमुनानगर जिलों में आयोजित इस महोत्सव में अब तक 1,02,032 प्रतिभागियों ने पंजीकरण कराया है जो इसे हरियाणा का सबसे बड़ा जन-भागीदारी आधारित खेल आयोजन बनाता है। महोत्सव में क्रिकेट, खो-खो, कबड्डी, बैडमिंटन और एथलेटिक्स जैसे पाँच प्रमुख खेलों की प्रतियोगिताएँ होंगी। प्रतियोगिताएँ 8 नवम्बर से 24 दिसम्बर तक आयोजित की जाएँगी, जो क्रमशः वार्ड/ब्लॉक स्तर, फिर विधानसभा स्तर, उसके बाद जिला स्तर, और अंततः संसदीय क्षेत्र स्तर तक पहुँचेंगी।

इस अवसर पर सांसद श्रीमती रेखा शर्मा ने कहा की -सांसद खेल महोत्सव केवल एक खेल आयोजन नहीं, बल्कि युवाओं की ऊर्जा, एकता और फिटनेस का उत्सव है। एक लाख से अधिक प्रतिभागियों की भागीदारी यह दर्शाती है कि हरियाणा के युवा खेल और फिटनेस में देश का नेतृत्व करने को तैयार हैं। यह आयोजन प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के 'फिट इंडिया' और 'खेलो इंडिया' अभियानों की भावना को जन-जन तक पहुँचाने का माध्यम बनेगा।

रेल अंडरपास महापंचायत ने जीतू वाला ओवरब्रिज निर्माण को लेकर किया प्रदर्शन

हिन्द जनपथ,भिवानी (ब्यूरो)। रेल अंडरपास महापंचायत ने प्रधान एवं पार्षद शिव कुमार गोठवाल की अगुवाई में आज जीतू वाला ओवरब्रिज, श्याम बाग के सामने प्रदर्शन किया और पीडब्लूडी विभाग से मांग की गई ओवर ब्रिज का उद्घाटन शीघ्र किया जाए। उन्होंने बताया कि पुल पर लाइटें लगाई जाए, सर्विस रोड बनवाया जाए, जीतू वाला छोर पर सीवरेज लाइन का पानी गलियों में भरा हुआ है ठीक करवाया जाए सहित अन्य मांगे प्रस्तुत की गई। उन्होंने कहा कि अगर मांगों को पूरा नहीं किया गया तो करेंगे आंदोलन।

महासचिव सुखबीर सिंह चौहान ने कहा कि पुल के साथ सर्विस रोड़ निर्माण ना होने से आस- पास के निवासियों का आना-जाना बंद हो गया है। सरकार को जल्द से जल्द सर्विस रोड़ बनवाना चाहिए। उसके बाद निर्माणाधीन दिनोद रोड़ का निरीक्षण किया सभी सदस्यों ने खुशी जताई और भवानी प्रताप सिंह चेयरमैन प्रतिनिधि का भी आभार व्यक्त किया। वहीं महापंचायत ने दिनोद रोड़ के निर्माण कार्य का निरीक्षण किया। इस दौरान रामशरण ठेकेदार ने बताया कि दिनोद रोड़ को बहुत ही अच्छे तरीके से बनाया जा रहा है तथा अच्छे तरीके से माल की गुणवत्ता को देखा जा रहा है। महापंचायत का कहना है कि इस रोड को जल्द से जल्द पूरा किया जाए ताकि इस पर लोगों का आवागमन जल्द हो सके। इस प्रदर्शन में शिवकुमार गोठवाल, कुलदीप सिंह तंवर, मनीष बंसल, रामशरण ठेकेदार, रामसिंह वैद्य, रोहतास वर्मा, हनुमान, जयबीर, चांडा राजपूत, राजेश दुकानदार, सुनील तंवर,सुरेंद्र सिंह राजपूत, सतपाल चौकीदार, शमशेर सिंह, हंसराज प्रजापति शामिल थे।

विधायक कपूर सिंह वाल्मीकि ने खेतों में भरे अत्याधिक पानी का किया निरीक्षण

जल्द किया जाएगा समाधान

हिन्द जनपथ,भिवानी (ब्यूरो)। बवानीखेड़ा से जमालपुर रोड पर खेतों में भरे अत्यधिक पानी का आज विधायक कपूर सिंह वाल्मीकि ने निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने किसानों से बातचीत कर स्थिति की जानकारी ली और उनकी चिंताओं को ध्यानपूर्वक सुना। उन्होंने कृषि भूमि से जल निकासी कार्य में तेजी लाने हेतु संबंधित अधिकारियों को तुरंत निर्देश दिए, ताकि किसानों की फसलों को किसी प्रकार की हानि न हो और खेत जल्द सूख सकें।

उन्होंने किसानों से बात की और उनकी समस्याएं सुनी। उन्होंने किसानों से पानी आने वाली परेशानियों के बारे में विस्तार से पूछा। उन्होंने कहा कि जल्द इस पानी से आने वाली समस्या का समाधान किया जाएगा।

इस दौरान किसानों ने बताया कि खेतों में अत्याधिक पानी होने से फसलों का उत्पादन नहीं हो रहा है। इसके साथ ही फसलों गुणवत्ता में भारी कमी आ रही है, जिससे किसानों को भारी नुकसान उठाना पड़ रहा है। उन्होंने बताया कि अत्याधिक पानी होने के कारण फसलों की पैदावार न होने से लोगों को बढ़ती महंगाई का सामना करना पड़ेगा। उन्होंने विधायक कपूर सिंह वाल्मीकि से कहा कि जल्द इस समस्या का समाधान करवाया जाए जिससे फसलों की पैदावार अच्छी हो ताकि लोगों को फलों व सब्जियों में बढ़े दामों का सामना न करना पड़े।